सोमवार, 21 जुलाई 2025

मौसम

तापमान 33 – 28
आर्द्रता 90%
सूर्योदय: 05:03 सूर्यास्त: 18:22

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

दुनिया के सबसे बुजुर्ग मैराथन धावक फौजा सिंह का पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया पृष्ठ 6

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, श्रावण कृष्णपक्ष एकादशी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : दुःख से दुःखित न होने वाले उस दुःख को ही दुःखित कर देंगे।

RED-X
B.W.P. PLY,
BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND
LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

आज से संसद का मॉनसून सत्र

संसद में विपक्ष के सभी मुद्दों पर चर्चा को तैयार है मोदी सरकार

- सर्वदलीय बैठक में किया गया ऐलान

नयी दिल्ली : सरकार ने रविवार को संकेत दिया कि वह संसद के आगामी मनसून सत्र में विपक्ष की प्रमुख मांगों में से एक 'ऑपरेशन सिंदूर' सहित सभी मुद्दों पर चर्चा को तैयार है। वहीं, विपक्षी 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस'(इंडिया गठबंधन) ने जोर दिया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस मामले के साथ-साथ अमेरिकी राष्ट्रपति के पाकिस्तान के साथ 'संघर्ष विराम' के दावों और बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर भी जवाब देना चाहिए। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री द्वारा संसद में इन मुद्दों पर स्वयं जवाब देने की संभावना बहुत कम है। हालांकि, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने जोर देकर कहा कि जब भी भारत-पाकिस्तान संघर्ष पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावों पर चर्चा होगी, सरकार उचित जवाब देगी। सत्र में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा ऑपरेशन सिंदूर पर एक विस्तृत बयान दिए जाने की संभावना है। सिंह ने शुक्रवार शाम को अपने मंत्रिमंडलीय सहयोगियों के साथ दो प्रमुख बैठकें कीं और एक अन्य बैठक शीर्ष सैन्य अधिकारियों के साथ की। राजग सहित कई नेता ऑपरेशन सिंदूर पर विभिन्न संसदीय प्रतिनिधिमंडलों के माध्यम से सरकार की विदेश पहुंच की उपलब्धियों को उजागर करने के लिए चर्चा भी चाहते हैं। सूत्रों ने बताया कि सरकार संसद में अपना विचार रखने के लिए विदेश मंत्री एस जयशंकर को भी मैदान में उतार सकती है। सोमवार से शुरू हो रहे सत्र से पहले पारंपरिक सर्वदलीय बैठक के बाद रीजीजू ने संवाददाताओं से कहा कि सरकार ने महीने भर चलने वाले सत्र के दौरान संसद के सुचारू संचालन में विपक्ष से सहयोग मांगा है। केंद्रीय मंत्री जे पी नड्डा की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद रीजीजू ने संवाददाताओं से कहा कि संसद को सुचारू रूप से चलाने के लिए सरकार और विपक्ष के बीच समन्वय होना चाहिए। रीजीजू ने कहा कि उन्होंने विपक्ष और सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटकों को धैर्यपूर्वक सुना और आशा व्यक्त की कि आगामी सत्र बहुत लाभदायक होगा। रविवार को हुई सर्वदलीय बैठक में विभिन्न दलों के 54 नेताओं और निर्दलीय संसद सदस्यों ने हिस्सा लिया। रीजीजू ने कहा, ''हम ऑपरेशन सिंदूर जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार हैं। ये राष्ट्रीय महत्व के मुद्दे हैं। सरकार इससे पीछे नहीं हट रही है और न ही कभी हटेगी, बल्कि नियमों और परंपराओं के दायरे में चर्चा के लिए तैयार है।''

जून तिमाही में फर्जी आईटीसी घोटाले का पर्दाफाश, हजारों फर्जी कंपनियां बेनकाब

नयी दिल्ली : जीएसटी अधिकारियों ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 15,851 करोड़ रुपये के फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट दावों का पता लगाया है, जो पिछले साल की तुलना में 29% अधिक है। हालांकि, जाली कंपनियों की संख्या में सालाना आधार पर कमी आई है। इस दौरान 3,558 फर्जी कंपनियां पकड़ी गईं, जो पिछले वर्ष की समान अवधि (3,840) से कम हैं। इस अवधि में 53 लोगों की गिरफ्तारी हुई और 659 करोड़ रुपये की राशि बरामद की गई। पिछले वर्ष इसी तिमाही में 12,304 करोड़ की आईटीसी धोखाधड़ी पकड़ी गई थी। जीएसटी प्रशासन ने फर्जी पंजीकरण रोकने के लिए दो राष्ट्रीय स्तर के अभियान चलाए, जिनमें 43,000 से ज्यादा फर्जी इकाइयों का पता लगा।

माकपा हमें नहीं रोक सकी, भाजपा भी नहीं रोक पाएगी : ममता

- शहीद दिवस रैली से पूर्व तृणमूल सुप्रीमो ने सभास्थल का लिया जायजा, विपक्ष पर बोला हमला
- आज मौसम खराब रहने पर भी ममता ने लोगों से सभा में आने की अपील की

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस की आज होने वाली वार्षिक शहीद दिवस रैली की पूर्व संध्या पर रविवार की शाम हर साल की तरह मुख्यमंत्री व पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने कोलकाता के धर्मतल्ला में विक्टोरिया हाउस के सामने सभास्थल पर जाकर तैयारियों का जायजा लिया। ममता ने सभास्थल पर मुख्य मंच व इसके आसपास घूमकर बारीकी से जायजा लिया। इस दौरान सुरक्षा इंतजाम को लेकर मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद कोलकाता पुलिस के आयुक्त मनोज वर्मा व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से भी चर्चा की। इस दौरान ममता के साथ मंत्री फिरहाद हकीम, अरूप विश्वास, चंद्रिमा भट्टाचार्य, प्रदेश अध्यक्ष सुब्रत बख्शी व अन्य वरिष्ठ पार्टी नेता भी थे। ममता ने कहा कि जब अन्य दल बिना पुलिस की अनुमति के राज्य सचिवालय नवान्न अभियान कर सकते हैं तो हमें शहीदों की याद में यहां साल में एक दिन श्रद्धांजलि सभा करने से कौन रोक सकता है? उन्होंने सवाल किया कि क्या हमारे शहीदों को याद करना अपराध है? ममता ने आरोप लगाया कि बार-बार तृणमूल के कार्यक्रमों पर सवाल उठाए जाते हैं जबकि विपक्ष के ऐसे अभियानों को नजरअंदाज कर दिया जाता है। ममता ने कहा कि माकपा हमें नहीं रोक सकी, भाजपा भी नहीं रोक पाएगी। जब दूसरे बिना अनुमति के कार्यक्रम करते हैं, तब आपत्ति नहीं होती, लेकिन जब हम शहीदों को याद करते हैं तो सवाल खड़े किए जाते हैं। ममता ने केंद्र सरकार और भाजपा शासित राज्यों पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि डबल इंजन की सरकारें वोट डालने से लोगों को रोक रही है। जैसा बंगाल में पहले माकपा करती थी। वैसा ही आज भाजपा कर रही है। पर हम डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने कार्यक्रम की तैयारियों के लिए प्रशासन, पुलिस और पार्टी कार्यकर्ताओं को धन्यवाद किया। ममता ने मौसम खराब रहने व बारिश होने पर भी लोगों से अधिक से अधिक संख्या में सभा में आने की अपील की। सभा में आने वाले लोगों को कोई असुविधा न हो इसके लिए ममता ने पुलिस को इसका खास ध्यान रखने का निर्देश दिया। ममता ने कहा कि यह राजनीतिक सभा नहीं है। यह बंगाल, देश औरमां-माटी और मानुष के अस्तित्व की रक्षा के लिए सभा है।

पटना अस्पताल हत्याकांड: मुख्य आरोपी तौसीफ और तीन साथी कोलकाता से गिरफ्तार

कोलकाता/पटना : बिहार पुलिस ने रविवार को कहा कि उसने पटना के एक निजी अस्पताल में गैंगस्टर चंदन मिश्रा की हत्या के मुख्य आरोपी और उसके तीन साथियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने कहा कि वे कोलकाता की एक अदालत से आरोपियों का ट्रांजिट रिमांड मिलने का इंतजार कर रहे हैं, जहां से उन्हें गिरफ्तार किया गया था। पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कार्तिकेय के शर्मा ने यहां संवाददाताओं को बताया कि मुख्य आरोपी तौसीफ उर्फ बादशाह समेत चार लोगों के ट्रांजिट रिमांड के लिए आवेदन दिया गया है। कोलकाता पुलिस और कोलकाता के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) के साथ एक संयुक्त अभियान में उन्हें गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने बताया कि पुलिस ने तौसीफ, उसके चचेरे भाई निशु खान और उनके अन्य साथियों हर्ष और भीम को शनिवार को कोलकाता से गिरफ्तार किया। एसएसपी ने कहा, '' शेष चार शूटरों की पहचान हो चुकी है। फरार चल रहे इन शूटरों की गिरफ्तारी के लिए तलाश जारी है। '' पुलिस अधिकारी ने अन्य आरोपियों की पहचान का खुलासा करने से इनकार कर दिया। एसएसपी ने कहा, हमने कोलकाता पुलिस से संपर्क किया और पूरी जानकारी साझा की। कोलकाता पुलिस और उनके विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने एक टीम बनाई और आरोपियों को पकड़ने में बिहार पुलिस को पूरी मदद की। एसएसपी ने बताया कि बिहार पुलिस के अधिकारियों ने पटना में तौसीफ के एक सहयोगी की बहन से भी पूछताछ की ताकि उनके ठिकानों के बारे में जानकारी मिल सके। एसएसपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि मिश्रा की हत्या की साजिश पटना के समनपुरा इलाके में तौसीफ के चचेरे भाई निशु खान के आवास पर रची गई थी। निशु खान ने साजिश में किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया और पटना पुलिस के इस दावे को खारिज कर दिया कि उनके आवास पर बैठक हुई थी। कोलकाता की एक अदालत में ले जाए जाते समय संवाददाताओं से बात करते हुए निशु खान ने कहा, मेरे घर पर ऐसी कोई बैठक नहीं हुई। खान ने इस बात पर बल दिया कि उसका कोलकाता दौरा केवल चिकित्सा कारणों से था। निशु खान ने दावा किया, ''मेरी योजना इलाज के लिए दिल्ली जाने की थी, लेकिन मेरी प्रेमिका जानना चाहती थी कि क्या इलाज कोलकाता में हो सकता है। इसलिए हम यहां आए।''

आंध्र प्रदेश शराब घोटाला: हर महीने 50 से 60 करोड़ की रिश्वत लेते थे पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी

वाईएसआरसीपी सांसद मिधुन रेड्डी एक अगस्त तक न्यायिक हिरासत में

- 305 पन्नों का आरोप पत्र दाखिल

विजयवाड़ा/अमरावती : आंध्र प्रदेश पुलिस ने 3,500 करोड़ रुपये के कथित शराब घोटाले के मामले में एक स्थानीय अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया है। इस आरोपपत्र में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी को हर महीने औसतन 50 से 60 करोड़ रुपये की रिश्वत लेने वाला बताया गया है। शनिवार को 305 पन्नों का आरोपपत्र दाखिल किया गया है, लेकिन इसमें जगन को आरोपी के रूप में नामित नहीं किया गया है। अदालत ने अभी इस आरोपपत्र का संज्ञान नहीं लिया है। आरोपपत्र में कहा गया है कि यह रकम पहले केसिरेड्डी राजशेखर रेड्डी (आरोपी नंबर 1) को सौंपी जाती थी। फिर वह पैसा विजय साई रेड्डी (आरोपी नंबर 5), मिधुन रेड्डी (आरोपी नंबर 4) और बालाजी (आरोपी नंबर 33) को दिया जाता था, जो कि अंत में इसे पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी तक पहुंचाते थे। हर महीने औसतन 50-60 करोड़ रुपये इकट्ठा किए जाते थे। यह बात एक गवाह के बयान से भी साबित हुई है। कथित शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के लोकसभा सदस्य पीवी मिधुन रेड्डी को रविवार को एक अगस्त तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि रेड्डी को आज विजयवाड़ा स्थित भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) अदालत में पेश किया गया था।

यूक्रेन के साथ शांति के लिए तैयार, लेकिन अपने लक्ष्यों को प्राप्त करना प्राथमिकता : रूस

मॉस्को : रूस ने रविवार को कहा कि वह यूक्रेन के साथ शांति के लिए तैयार है, लेकिन अपने लक्ष्यों को प्राप्त करना उसकी प्राथमिकता बनी हुई है। रूस के सत्ता के केंद्र 'क्रेमलिन' के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने यह बात कही। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूस को युद्ध विराम पर सहमत होने के लिए 50 दिन की समय सीमा दिए जाने या कड़े प्रतिबंधों के वास्ते तैयार रहने की चेतावनी के कुछ दिनों बाद यह बयान आया है। पेसकोव ने सरकारी टीवी संवाददाता पावेल जारुबिन से कहा, राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बार-बार यूक्रेनी समझौते को जल्द से जल्द शांतिपूर्ण निष्कर्ष पर पहुंचाने की अपनी इच्छा व्यक्त की है। यह एक लंबी प्रक्रिया है, इसके लिए प्रयास की आवश्यकता है, और यह आसान नहीं है।

भारत बना डिजिटल भुगतान में वैश्विक अग्रणी, यूपीआई से हर महीने 18 अरब से अधिक लेनदेन

नयी दिल्ली : भारत अब तेज डिजिटल भुगतान के मामले में पूरी दुनिया में सबसे आगे निकल गया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की नई रिपोर्ट 'खुदरा डिजिटल भुगतान का बढ़ता चलन: इंटरऑपरेबिलिटी का महत्व' के अनुसार, भारत का यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) इस क्रांति का मुख्य आधार है। 2016 में नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) की तरफ से शुरू किया गया यूपीआई, आज भारत में पैसे भेजने और पाने का सबसे तेज, आसान और भरोसेमंद तरीका बन चुका है। यूपीआई के जरिए एक ही मोबाइल ऐप से कई बैंक खातों को जोड़ा जा सकता है। फिर चाहे किसी को पैसे भेजने हों, दुकान में भुगतान करना हो या दोस्तों को पैसे ट्रांसफर करने हों- सब कुछ कुछ ही क्लिक में हो जाता है। आज भारत में हर महीने 18 अरब से ज्यादा लेन-देन यूपीआई के जरिए हो रहे हैं। जून 2025 में ही यूपीआई ने 18.39 अरब लेनदेन के जरिए 24.03 लाख करोड़ रुपये का भुगतान संसाधित किया। पिछले साल जून में यह आंकड़ा 13.88 अरब लेन-देन था। यानी एक साल में करीब 32% की बढ़त दर्ज की गई है।

यूआईडीएआई जल्द ही विद्यालयों के माध्यम से बच्चों का 'बायोमेट्रिक अपडेट' करेगा

नयी दिल्ली : भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) दो महीने बाद चरणबद्ध तरीके से विद्यालयों के माध्यम से बच्चों के 'बायोमेट्रिक अपडेट' शुरू करने की परियोजना पर काम कर रहा है। एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) भुवनेश कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि सात करोड़ से ज्यादा बच्चों ने 'आधार' के लिए अपने 'बायोमेट्रिक अपडेट' नहीं किए हैं। पांच साल की आयु के होने के बाद यह प्रक्रिया करना अनिवार्य है। कुमार ने कहा, यूआईडीएआई, विद्यालयों के जरिये अभिभावकों की सहमति से बच्चों के 'बायोमेट्रिक अपडेट' करने की परियोजना पर काम कर रहा है। हम इस समय इस प्रौद्योगिकी का परीक्षण रहे हैं और यह 45 से 60 दिनों में तैयार हो जाएगी। बच्चों के 'बायोमेट्रिक' डेटा की सटीकता और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए अनिवार्य 'बायोमेट्रिक अपडेट' का समय पर पूरा होना एक अनिवार्य आवश्यकता है। अगर सात वर्ष की आयु के बाद भी अपडेट नहीं किया जाता है तो मौजूदा नियमों के अनुसार, आधार संख्या निष्क्रिय की जा सकती है। यह अपडेट यदि पांच से सात वर्ष की आयु के बीच किया जाता है, तो निःशुल्क है लेकिन सात वर्ष की आयु के बाद अपडेट के लिए 100 रुपये का शुल्क निर्धारित है।

ईडी कोई ड्रोन नहीं है जो आपराधिक गतिविधि देखते ही हमला कर दे: मद्रास उच्च न्यायालय

चेन्नई : मद्रास उच्च न्यायालय ने कहा है कि ईडी कोई ड्रोन नहीं है जो अपनी इच्छा से हमला कर दे और न ही वह कोई सुपर कॉप है जो उसके संज्ञान में आने वाली हर चीज की जांच करे। 'सुपर कॉप' से आशय एक अत्यधिक दक्ष और सफल पुलिस अधिकारी से है। न्यायमूर्ति एम. एस. रमेश और न्यायमूर्ति वी. लक्ष्मीनारायणन की खंडपीठ ने शहर में स्थित आरकेएम पॉवरजेन प्राइवेट लिमिटेड की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। आरकेएम ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज मामले में उसकी 901 करोड़ रुपये की सावधि जमा जब्त करने को चुनौती दी है। ईडी ने छत्तीसगढ़ में एक बिजली संयंत्र के लिए कोयला ब्लॉक आवंटन को लेकर 2014 में सीबीआई द्वारा दर्ज की गई एक प्राथमिकी के आधार पर यह कार्रवाई की थी। एजेंसी ने 2017 में एक क्लोजर रिपोर्ट दायर की थी जिसमें कहा गया था कि उसे कोयला ब्लॉक आवंटन में कोई अनियमितता नहीं मिली।

एएआईबी ने अनुभवी पायलट संधू को एअर इंडिया विमान हादसे की जांच में विशेषज्ञ के रूप में शामिल किया

मुंबई : वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) ने अनुभवी पायलट और एअर इंडिया के पूर्व परिचालन निदेशक कैप्टन आरएस संधू को अहमदाबाद विमान दुर्घटना की जांच में विमानन विशेषज्ञ के रूप में शामिल किया है। सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। पिछले महीने हुई इस विमान दुर्घटना में 260 लोग मारे गए थे। संधू, जो एअर इंडिया में बोइंग 787-8 बेड़े के लिए जांचकर्ता भी नामित किये गए थे, ने अब दुर्घटनाग्रस्त हो चुके 787-8 विमान -- वीटी एएनबी-- की 2013 में डिलीवरी ली थी। बारह जून को, अहमदाबाद से लंदन गैटविक जा रहा एअर इंडिया का बोइंग 787-8 विमान उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। एएआईबी ने पूर्व में इस दुर्घटना की प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की थी। एक सूत्र ने बताया, ''एएआईबी ने पिछले महीने अहमदाबाद में हुए एअर इंडिया बोइंग 787-8 विमान हादसे की चल रही जांच में अनुभवी विमानन विशेषज्ञ आरएस संधू को शामिल किया है।''

उचित मूल्य में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की नी-रिप्लेसमेंट सर्जरी

सलाह दे रहे हैं विख्यात ऑर्थेपेडिक एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन

DR. SANTOSH KUMAR
Consultant Orthopaedic & Joint Replacement Surgeon
Head, Institute of Computer Assisted
Joint Replacement Surgery, BELLE VUE CLINIC & WOODLANDS HOSPITAL

हमारे समाज में, विशेषकर व्यस्क व्यक्तियों के चलने-फिरने की समस्या का प्रमुख कारण है नी-आरथ्राइटिस। इस प्रकार की समस्याओं को प्राथमिक स्तर पर औषधियों और फिजियोथेरापी से ठीक करना मुमकिन तो है, पर समस्या जटिल होने पर **घुटने का प्रत्यारोपण या नी-रिप्लेसमेंट** ही एकमात्र निश्चित समाधान है।

मेरे तत्वावधान में नी-रिप्लेसमेंट पद्धति बिल्कुल पूर्वनिर्धारित (प्रेडिक्टेबल) है। सबसे पहले हम हर प्रकार के प्रिऑपरेटिव इन्वेस्टिगेशन करते हैं जैसे कि विभिन्न प्रकार के ब्लड टेस्ट, यूरिन टेस्ट, ईसीजी, इकोकार्डियोग्राफ इत्यादि। मेरे यहाँ रोगियों की सुरक्षा को सबसे अधिक प्राथमिकता दी जाती है। हमारे साथ हैं अनुभवी मेडिसिन चिकित्सक, कार्डियोलॉजिस्ट से सम्मिलित एक पूर्ण समर्पित टीम। सर्जरी के पहले, सर्जरी के दौरान और सर्जरी के बाद भी चिकित्सा से जुड़ी सभी जरूरतों का पूरा ख्या रखना ही हमारी टीम वर्क की सफलता सुनिश्चित करता है।

सम्पूर्ण उपयुक्त (प्रिसिशनल) सर्जरी और इसके बाद रोगी के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के उद्देश्य से मैं कम्प्यूटर एसिस्टेड मिनिमली इनवेसिव सर्जरी करता हूँ। रोगी अपनी सम्पूर्ण चिकित्सा में एक दर्दरहित अनुभव का एहसास कर पाएं, मैं इसका पूरा ख्याल रहता हूँ। सर्जरी के बाद रोगी घुटने को मोड़ पाएं और जमीन पर बैठ पाएं, इसके लिए में 'Rotation Platform High Flexion Knees' का इस्तेमाल करता हूँ। सर्जरी के दूसरे दिन से ही रोगी चल-फिर सकते हैं और तीन दिनों में घर वापस जा सकते हैं। मैं हर श्रेणी और हर प्रकार की बीमा कराए व्यक्तियों की सर्जरी करता हूँ और वे सभी व्यक्ति जो किसी बीमा संस्था के दायरे में नहीं आते हैं, उनकी सर्जरी भी बहुत उचित मूल्य में करता हूँ। किसी रोगी की आर्थिक समस्या के बारे में पता चलने पर, मैं उसकी समस्या का भी समाधान करने के लिए हमेशा प्रयासरत रहता हूँ।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:
DR. SANTOSH KUMAR KNEE FOUNDATION
Chamber : Plot No 332, Laketown
Block A, Kolkata-700 089
✆ : 98319 11584 / 98312 66632

e-mail : santdr@gmail.com
www.mykneemylife.org
www.momentumorthocare.com

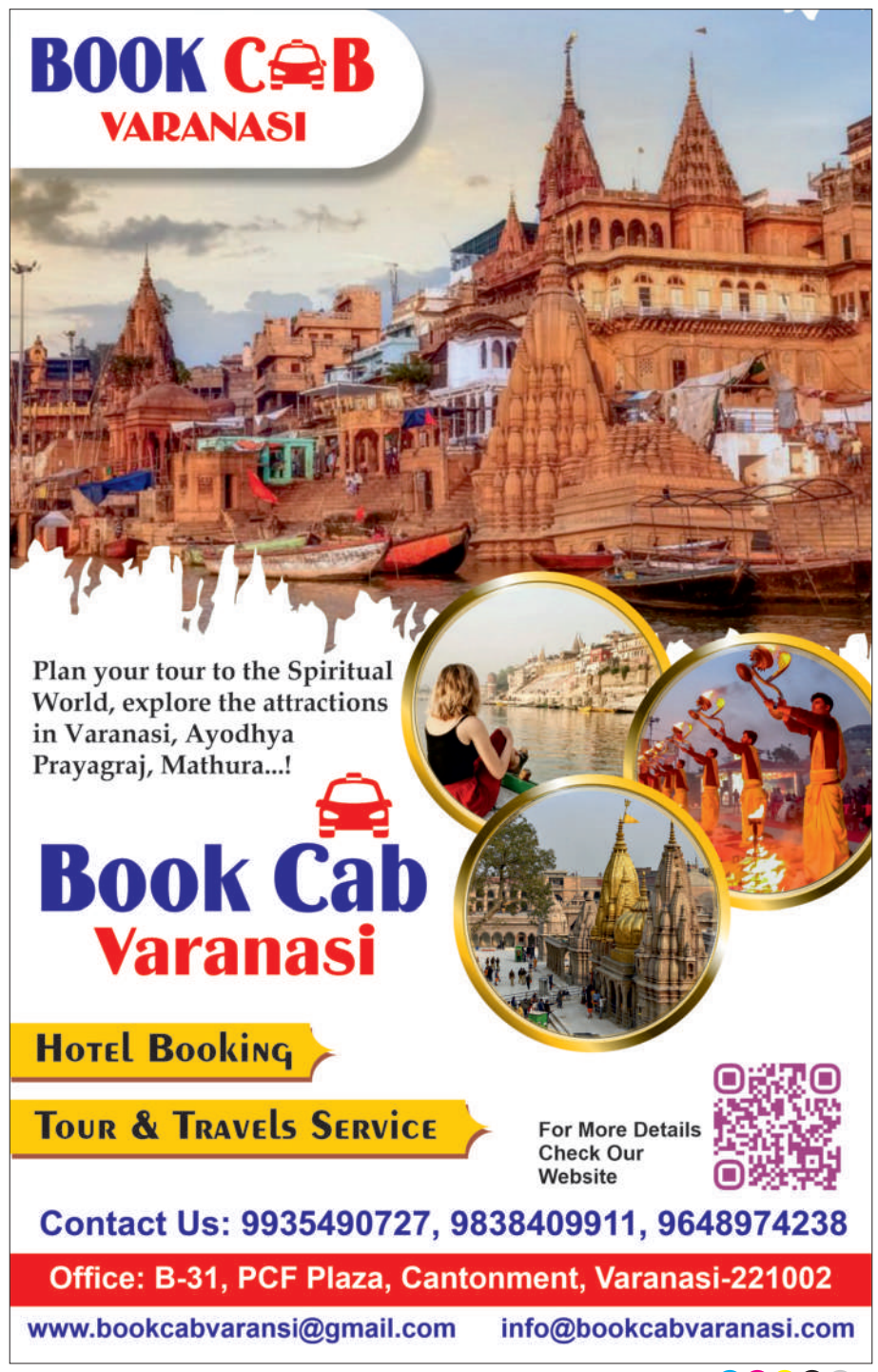

भारत पश्चिम के दबाव का विरोध करे

रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकने के दावों में नाकाम रहने के बाद ट्रंप प्रशासन अपनी खिसियाट उन देशों पर दबाव बनाकर निकाल रहा है, जो रूस से कच्चा तेल खरीद रहे हैं। जिनमें भारत के साथ चीन व ब्राजील भी शामिल हैं। इसके लिये अमेरिका नाटो के दुरुपयोग से भी नहीं चूक रहा है। आखिर शेष विश्व के देशों के व्यापारिक मामलों में नाटो की दखल का क्या औचित्य है? नाटो महासचिव मार्क रूट्टे की रूसी तेल आयात संबंधी धमकी पर भारत द्वारा करारा जवाब दिया गया है। लेकिन इस घटनाक्रम ने एक बार फिर वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा पर पश्चिमी देशों के दोमुंहेपन को ही बेनकाब किया है। दरअसल, अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान, रूट्टे ने भारत, चीन और ब्राजील को चेतावनी दी है कि वे रूस पर यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिये दबाव बनाएं, अन्यथा दंडात्मक व्यापार शुल्क का सामना करने के लिये तैयार रहें। निश्चित रूप से रूट्टे की यह टिप्पणी अमेरिका के रूसी प्रतिबंध अधिनियम, 2025 की दिशा में बढ़ते समर्थन के साथ मेल खाती है। यह एक विधेयक है, जिसे राष्ट्रपति ट्रंप और 171 सांसदों का समर्थन प्राप्त है। यह वही विधेयक है, जो रूस के तेल, गैस, यूरेनियम या पेट्रोकेमिकल्स का व्यापार करने वाले देशों पर पांच सौ फीसदी तक शुल्क लगाने का प्रस्ताव पेश करता है। उल्लेखनीय है कि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिये पूरी तरह से आयातित तेल पर निर्भर करता है। देश अपने कच्चे तेल का 88 फीसदी आयात करता है। जिसके चलते ही भारत ने पश्चिमी देशों के दोहरे मापदंड के प्रति ही आगाह किया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सीनेटर लिंडसे ग्राहम को नई दिल्ली की चिंताओं से अवगत कराया है। साथ ही भारत की वैध ऊर्जा आवश्यकताओं और अपनी आर्थिक दिशा स्वयं निर्धारित करने के संप्रभु अधिकार पर जोर दिया है। निश्चित रूप से दुनिया के तटस्थ और विकासशील देशों को पश्चिमी देशों की दादागीरी का पुरजोर विरोध करना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि फरवरी में रूसी तेल आयात में 14.5 फीसदी की गिरावट आने के बावजूद, मास्को भारत का शीर्ष तेल आपूर्तिकर्ता बना हुआ है। जिसने मुश्किल वक्त में अन्य देशों के पीछे हटने पर भी भारत को रियायती दर पर कच्चा तेल देने की पेशकश की थी। भारत द्वारा पश्चिमी देशों के दोहरे मापदंड अपनाने के विरोध करने का तार्किक आधार है। हकीकत यह है कि यूरोपीय देश अन्य देशों और अपरोक्ष माध्यमों से रूसी कच्चे तेल का आयात जारी रखे हुए हैं। लेकिन चाहते हैं कि ग्लोबल साउथ के देशों पर ऐसा करने पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए जाएं। भारत तथा तुर्की में परिष्कृत रूसी तेल को यूरोपीय संघ को फिर से निर्यात किया जाना पश्चिमी देशों के खोखलेपन को ही उजागर करता है। भारत ने इस दोगली नीति के प्रति अपना मुखर विरोध दिल्ली यात्रा के दौरान नाटो महासचिव के सामने जता दिया था। भारत का स्पष्ट कहना है कि उसके निर्णय अपने राष्ट्रीय हितों के मद्देनजर लिए जाएंगे। जिसको लेकर वह किसी तरह का बाहरी दबाव स्वीकार नहीं करेगा। इस दिशा में रूस-भारत-चीन वार्ता को फिर से शुरू करने की भारत की पहल बदलते रणनीतिक संतुलन की ओर संकेत करती है। जो वैश्विक व्यवस्था में पश्चिमी वर्चस्व को चुनौती देता है। निश्चित रूप से यदि ऊर्जा सुरक्षा यूरोप के लिये अपरिहार्य है तो भारत जैसे विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिये भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। लेकिन अपने मंसूबों में विफल होने के बाद पश्चिमी देश चाहते हैं कि यूक्रेन युद्ध बंद करने के लिये रूस पर दबाव बनाने हेतु दुनिया के अन्य देश उसकी हां में हां मिलाएं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 में भी रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने पर अमेरिका ने रूस से भारत के तेल खरीदने को लेकर प्रश्न उठाये थे। तब भी भारत ने उसे अहसास कराया था कि हम अपने आर्थिक प्राथमिकताओं के मद्देनजर ही अपने फैसले लेंगे। जाहिर है वैश्विक व्यवस्था में कोई भी देश उसी जगह से अपनी आवश्यकता की चीजें खरीदता है, जहां उसे वे सस्ती मिलती हैं। फिर हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि रूस हमारा सदाबहार मित्र रहा है।

आज का पंचांग

कोलकाता : 21 जुलाई, सोमवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2082, श्रावण कृष्णपक्ष एकादशी, 09:39 तक, नक्षत्र : रोहिणी, 21:05 तक, योग : वृद्धि, 18:35 तक, सूर्योदय: 5:02, सूर्यास्त: 18:23, चन्द्रोदय : 01:05, चन्द्रास्त: 15:16, शक सम्वत: 1947 विश्वावसु, सूर्य राशि : कर्क, चन्द्र राशि : वृषभ, राहू काल : 06:46 से 08:25

राशिफल

मेष : आपको कार्यस्थल पर किसी कामकाज के सिलसिले में नेतृत्व की भूमिका निभानी पड़ सकती है। लेकिन आपको किसी भी प्रकार के वाद-विवाद और बहस से दूरी बनाकर रखनी होगी।

वृष : व्यापार और परिवार के मामले में आपका दिन कुछ खास नहीं रहने वाला है। आप अपने संतान या भाई-बहन के जीवन के बारे में कुछ सोच-विचार कर सकते हैं।

मिथुन : आपको अपने जमा किए हुए धन कम होने की चिंता सता सकती है। ऐसे में अनावश्यक चीजों पर खर्च करने से बचना होगा, अन्यथा भविष्य में पैसों की तंगी हो सकती है।

कर्क : अगर आप व्यापार के मामले में अपने कामकाज या कारोबार को लेकर चिंता में थे, तो अब वह दूर हो सकती है। लेकिन इसके लिए आपको हाथ में आए मौकों को खोने से बचना होगा।

सिंह : जो लोग किसी कानूनी विवाद या दूसरे प्रकार के कोर्ट कचहरी के मामले में फंसे हुए हैं, वे अब इनसे बाहर निकलने का प्रयास कर सकते हैं। व्यापार के मामले में कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।

कन्या : जो लोग अपनी आमदनी और आय के स्रोत को मजबूत करने के प्रयास में लगे हुए थे अब वे इस मामले में आत्मनिर्भर हो सकते हैं। परिवार में छोटे-छोटे मामलों पर भी ध्यान देना होगा।

तुला : समाज में अपना मान-सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए आपको कुछ मामलों में खर्च करना पड़ सकता है। व्यापार में आपको अपने आसपास के लोगों पर भी ध्यान देने की जरूरत होगी।

वृश्चिक : कार्यक्षेत्र में आपको किसी भी मामले में जरूरत से ज्यादा बोलने से बचना होगा। ऐसा करने से अन्य लोग पीठ पीछे आपकी आलोचना कर सकते हैं।

धनु : व्यापार के मामले में आपको कार्यस्थल पर किसी महत्वपूर्ण विषय पर ध्यान देना पड़ सकता है। इसमें आपको सफलता भी प्राप्त हो सकती है। कोई भी काम सोच-समझकर करना बेहतर रहेगा।

मकर : आपको कार्यस्थल पर आने वाले सभी दस्तावेजों और पत्रों का जवाब देना होगा। कार्यक्षेत्र में आपकी जिम्मेदारियां तो बढ़ेंगी, लेकिन इसके साथ-साथ कई नए-नए ऑफर भी प्राप्त होंगे।

कुम्भ : कार्यक्षेत्र में आपको हमेशा की तरह किसी काम को पूरा करने के लिए तैयार रहने होगा। अगर आप समय पर महत्वपूर्ण कार्य को पूरी लगन और निष्ठा के साथ करते हैं, तो लाभ जरूर प्राप्त होगा।

मीन : अगर लंबे समय से परेशान थे तो अब कामकाज के मामले में आप राहत और प्रसन्नता महसूस करेंगे। कार्यक्षेत्र में शांति स्थिति बनी रहेगी और सभी लोग अपने काम में लगे रहेंगे।

भगवान शिव के अति भयंकर, महा विनाशकारी अस्त्र- शस्त्र

अशोक प्रवृद्ध

पौराणिक मान्यता अनुसार त्रिदेव के नाम से प्रसिद्ध ब्रह्मा, विष्णु, महेश की सम्पूर्ण सृष्टि के सफल संचालन में अत्यधिक महत्वपूर्ण भूमिका है। ब्रह्मा संपूर्ण सृष्टि के निर्माता, विष्णु पालनकर्ता और शिव विध्वंस कर्ता हैं। अनेक ऋषि- मुनि, देवी-देवताओं, मनुष्यों, दैत्यों, असुरों आदि के द्वारा त्रिदेवों से वरदान और शक्तिशाली अस्त्र -शस्त्र प्राप्त करने की कथाएं भी पौराणिक ग्रंथों में बहुतायत से अंकित हैं। त्रिदेवों में शिव तो अपने वरदान देने के कारण ही प्रसिद्ध हैं। इन्होंने देव, दानव, असुर, मानव सभी को वरदान व अस्त्र-शस्त्र दिए। बहुत ही सौम्य होने के कारण भोलेनाथ, भोले बाबा के नाम से प्रसिद्ध भगवान शिव दुष्टों में, राक्षसों में भय उत्पन्न करने के कारण रुद्र भी कहलाते हैं। शिव का एक प्रमुख अस्त्र रौद्रास्त्र है, जो महाविध्वंसक अस्त्र था। इसका उपयोग किये जाने पर यह ग्यारह रुद्रों में से एक रुद्र की शक्ति का आह्वान करता है और लक्ष्य को नष्ट कर देता है। शिव के शक्तिशाली अस्त्र -शस्त्र अति भयंकर हैं। शिव के अत्यधिक शक्तिशाली और घातक दिव्यास्त्रों में रौद्रास्त्र, महेश्वर अस्त्र, चंद्रहास तलवार, पाशुपतास्त्र, त्रिशूल, पिनाक धनुष, परशु आदि शामिल हैं। ऐसी मान्यता है कि शिव के इन शक्तिशाली अस्त्र-शस्त्र और दिव्यास्त्र के प्रयोग से शत्रुओं का अस्तित्व समाप्त हो सकता है।

पौराणिक ग्रंथों के अनुसार भगवान शिव का प्रमुख अस्त्र धनुष है। और इनके धनुष का नाम शिव धनुष अथवा पिनाक है। पिनाक भगवान शिव का मूल धनुष है, जो विनाश अथवा प्रलय के लिए उपयोग किया जाता है। भगवान शिव का अस्त्र पिनाक धनुष महा प्रलयंकारी था। यह भगवान शिव का सबसे शक्तिशाली धनुष है। इस धनुष के कारण ही शिव का एक नाम पिनाकी पड़ा। वाल्मीकि रामायण के अनुसार यह धनुष इतना शक्तिशाली है कि इसकी ध्वनि मात्र से ही पर्वत हिलने लगते थे, इस धनुष की टंकार से बादल तक फट जाते थे, शत्रुओं में भय उत्पन्न होने लगता था, पृथ्वी डोलने लगती थी। जब देवताओं का काल समाप्त हुआ तो पिनाक धनुष को देवताओं के हाथ सौंप दिया गया। भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने भारतीय संस्कृति में शिव धनुष पिनाक की महता देखकर ही अपने बहु-नाल रॉकेट मोचक का नाम पिनाक रखा है।

पिनाक धनुष के निर्माण के सम्बन्ध में विभिन्न पौराणिक ग्रंथों में पृथक-पृथक कथाएं अंकित हैं। वाल्मीकि रामायण के अनुसार भगवान इंद्र के द्वारा समान क्षमता के दो धनुष बनाए गए थे। इनमें से एक को उन्होंने रुद्र (भगवान शिव) को और दूसरे को भगवान विष्णु को दे दिए और उनसे यह अनुरोध किया कि दोनों आपस में युद्ध करें, जिससे यह ज्ञात हो सके कि उनमें से शक्तिशाली कौन है? शिव और विष्णु इसके लिए तैयार हो गए, लेकिन युद्ध की शुरुआत से ठीक पहले आकाशवाणी हुई कि यह युद्ध विनाश का कारण बन जाएगा। इसलिए यह युद्ध रोक दिया गया था। आकाशवाणी होने पर रुद्र ने धनुष फेंक दिया जो पृथ्वी पर गिर गया, जिसे बाद में शिव धनुष कहा गया। पृथ्वी पर यह धनुष राजा जनक के पूर्वज राजा देवरथ को मिला। भगवान शिव के इस धनुष पिनाक का रामायण में उल्लेख है, जब श्रीराम ने सीता स्वयंवर के समय इसी पिनाक धनुष को तोड़कर सीता माता के साथ विवाह किया था।

रामायण की कथा के अनुसार त्रेतायुग में मिथिला के राजा जनक की सीता नाम की पुत्री ने अपने बाल्यकाल में अपनी बहनों के साथ खेलते समय अथवा पूजन गृह की साफ़- सफाई करते समय अनजाने में उस पात्र को उठा लिया, जिस पर पिनाक नामक वह शिवधनुष रखा गया था, जिसे उनके पूर्वजों में से किसी को भगवान शिव द्वारा दिया गया था तथा जिसे राज्य में और कोई भी नहीं उठा सकता था। इस घटना को मिथिला नरेश जनक ने अपनी आँखों से देखा और उन्होंने सीता को एक दिव्य व असाधारण कन्या समझ सीता के स्वयंवर के लिए इस घटना को पृष्ठभूमि के रूप में बनाने का निर्णय लिया, फैसला किया। इसीलिए राजा जनक ने सीता से विवाह करने के लिए इस दिव्य धनुष को उठाने और इसकी प्रत्यंचा चढ़ाने की शर्त रखने की घोषणा की। स्वयंबर में अयोध्या के राजकुमार दशरथ नंदन श्रीराम ने ही यह धनुष प्रत्यंचित किया और सीता से विवाह किया। विवाहोपरांत

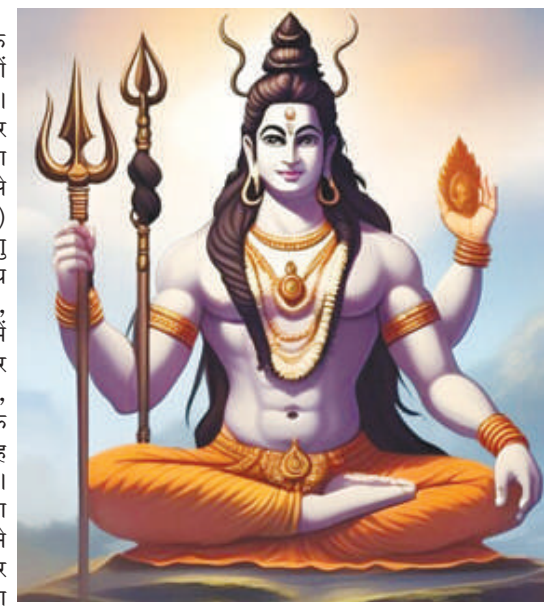

श्रीराम के अपने पिता दशरथ के साथ अयोध्या लौटने के समय परशुराम ने उनके मार्ग को रोका और अपने गुरु शिव के धनुष को तोड़ने के लिए राम को चुनौती देते हुए कहा कि राम ने धनुष को भंग कर दिया। इस पर दशरथ ने ऋषि परशुराम से उसे क्षमा करने के लिए प्रार्थना की लेकिन परशुराम और भी क्रोधित हो गए और उन्होंने विष्णु के धनुष शारंग को लिया और राम से धनुष को बांधने और उसके साथ एक द्वंद्वयुद्ध युद्ध के लिए कहा। राम ने विष्णु के धनुष शारंग को लेकर उसे बाँध दिया और इसमें एक बाण लगाकर उस बाण को परशुराम की ओर इंगित करते हुए परशुराम से पूछा कि वह तीर का लक्ष्य क्या देंगे? इस पर परशुराम स्वयं को अपनी रहस्यमय ऊर्जा से रहित मानते हैं। और यह महसूस करते हैं कि श्रीराम विष्णु के ही अवतार हैं।

एक अन्य पौराणिक कथा के अनुसार एक बार विश्वकर्मा ने सारंग और पिनाक नामक दो धनुषों का निर्माण किया। पिनाक धनुष को भगवान शिव और सारंग धनुष को भगवान विष्णु को सौंप दिया गया। इस पर सृष्टिकर्ता ब्रह्मा को यह जानने की इच्छा हुई कि विष्णु और शिव में सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर कौन हैं? इस बात का पता लगाने के लिए उन्होंने दोनों में धनुष प्रतियोगिता करवा दी। शिव और विष्णु में अति भयंकर और बहुत टक्कर का मुकाबला हुआ। लेकिन युद्ध समाप्त न होता देख अंत में ब्रह्मा ने इस युद्ध को रुकवा दिया। उस युद्ध के पश्चात भगवान शिव ने अपना धनुष एक राजा को दे दिया, जो जनक के पूर्वज थे। यह देख विष्णु ने भी अपना धनुष महर्षि ऋचीक को दे दिया। कालांतर में यही धनुष उनके पौत्र परशुराम के रूप में उन्हें यह पुनः प्राप्त हुआ।

पिनाक से सम्बन्धित भगवान विष्णु और भगवान शिव के मध्य युद्ध पर आधारित यह कथा रामायण के बालकाण्ड के 75वें सर्ग में अंकित है। परशुराम ने शारंग को प्रत्यंचित करने के लिए चुनौती देने से पूर्व भगवान राम को यह कथा बताई थी। कथा के अनुसार देवतागण भगवान विष्णु और भगवान शिव की श्रेष्ठता का परीक्षण करना चाहते थे कि उन दोनों में से अधिक श्रेष्ठ कौन है? तब उन्होंने भगवान ब्रह्मा से उनके बीच मतभेद पैदा कर युद्ध कराने के लिए कहा। युद्ध हुआ और युद्ध में भगवान विष्णु ने भगवान शिव और देवताओं को पराजित किया। भगवान शिव का धनुष पिनाक बेकार सिद्ध हो गया और भगवान विष्णु का धनुष शारंग प्रबल हो गया। यह धनुष पिनाक बाद में भगवान श्रीराम द्वारा सीता स्वयंबर में तोड़ा गया था। भगवान राम ने परशुराम से शारंग को भी लिया और इसे सुरक्षित रखने के लिए महासागर के देवता वरुण को दे दिया था।

भगवान शिव का एक अस्त्र त्रिशूल भी है। त्रिशूल एक दिव्य व प्रमुख प्रतीक है। यह भगवान शिव से जुड़ा है और उनकी प्रतिमाओं में व्यापक रूप से प्रयुक्त होता है। त्रिशूल भगवान शिव का सबसे शक्तिशाली शस्त्र है जिसे वे सदैव अपने हाथ में धारण किए रहते हैं। यह तीन गुण सत्व, रजस और तमस का परिचायक है। त्रिशूल तीनों कालों भूत, भविष्य और वर्तमान को भी प्रदर्शित करता है। शिव के द्वारा प्रयोग किए जाने पर ये समस्त ब्रह्मांड का नाश कर सकता है। भगवान शिव के इस अत्यधिक विनाशकारी शस्त्र के प्रयोग करने पर कोई भी देव या दानव नहीं बच सकता था। यह इतना शक्तिशाली है कि इसका प्रयोग करने पर यह स्वयं भगवान शिव और माता पार्वती अर्थात् देवी शक्ति को छोड़कर किसी भी चीज को नष्ट कर सकता है। भगवान शिव के अति शक्तिशाली दिव्यास्त्र में उनकी तृतीय नेत्र भी शामिल है, जिसे महेश्वर अस्त्र के नाम से जाना जाता है। इस अस्त्र से शिव के तृतीय नेत्र से उत्पन्न क्रोध अग्नि के कुछ अंश के बराबर की तेज़ उग्र किरण निकलती है जो दिव्य प्राणियों को भी पूरी तरह से राख में बदल सकती है। इसमें संपूर्ण सृष्टि को भस्म करने की शक्ति है। शिव के सर्वाधिक शक्तिशाली दिव्यास्त्र पाशुपतास्त्र को मन, वचन, नेत्र और धनुष से चलाया जा सकता था। तीनों लोकों में कोई भी ऐसा जीव नहीं है जो इससे बच सके अर्थात न मर सके। रामायण में ये दिव्यास्त्र मेघनाद के पास था। और महाभारत में पाशुपतास्त्र शिव ने अर्जुन को दिया था। परशु भगवान शिव का शक्तिशाली शस्त्र है, जिसे उन्होंने विष्णु के अवतार परशुराम को दिया था। मान्यता है कि यह परशु झारखण्ड के गुमला जिले के डुमरी प्रखण्ड के मझगाँव की लुचुत पाट की पहाड़ी में स्थापित है, जिसे परशुराम ने स्वयं वहां गाड़कर शिव की उपासना में लीन हो गए थे। मान्यतानुसार सीता स्वयंबर के पश्चात लक्ष्मण से वाद- विवाद के बाद आत्म ग्लानि वश परशुराम वहां से गमन कर सीधे लुचुत पाट की पहाड़ी पर पहुंचे और वहां अपने इष्टदेव शिव प्रतिमा की स्थापना कर अपने अस्त्र परशु को गाड़ कर तपस्या में लीन हो गए। इस परशु अर्थात फरसे को कुल्हाड़ी के सदृश्य दिखने के कारण स्थानीय भाषा में टांगी कहा जाता है। इसलिए इस स्थल को टांगीनाथ के नाम से जाना जाता है। यहाँ भगवान परशुराम के फरसे के साथ ही शिव का एक प्राचीन मन्दिर भी है, लेकिन परशुराम के फरसे की उपस्थिति के कारण यह बाबा टांगीनाथ धाम के नाम से प्रसिद्ध है।

अखाड़ा न बने संसद

प्रमोद भार्गव

21 जुलाई से शुरू होने वाले मानसून सत्र को गर्माए रखने के लिए कांग्रेस समेत लगभग समूचे विपक्ष ने अपने-अपने हथियार भांज लिए हैं। गोया, यह आशंका कायम है कि विपक्षी दल संसद को ठप बनाए रखने में ही अपना समय जाया करेंगे। इस सत्र में लंबे समय तक चलने वाला हंगामा बिहार में मतदाता सूची के गहन परीक्षण को लेकर हो सकता है। चुनाव आयोग की इस बड़े प्रयास पर समूचा विपक्ष बड़े राजनीतिक संग्राम की तैयारी में जुटा है। लोकसभा चुनाव की तरह एक बार फिर से इस मुद्दे पर इंडिया गठबंधन के दल एकजुट होते दिखाई दे रहे है। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने इन मुद्दों को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से बैठक भी की है। इस हंगामें में मुख्य रूप से कांग्रेस, राजद और तृणमूल कांग्रेस कार्यस्थगन प्रस्ताव ला सकते हैं। अतएव आशंका है कि बिहार में इस साल के अंत में होने वाले चुनाव को लेकर संसद में गतिरोध बनाए रखने की कोशिश युद्धस्तर पर होगी। सत्ता पक्ष के लिए राहत की बात यह है कि निर्वाचन आयोग के बिहार की मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण पर सर्वोच्च न्यायालय ने रोक नहीं लगाई है, इस मामले में अगली सुनवाई 28 जुलाई को होगी। अतएव विपक्ष इस मुद्दे के न्यायालय में विचाराधीन होने के बहाने को सुरक्षा कवच के रूप में इस्तेमाल करेगी।

सरकार ने इस सत्र में 8 नए विधेयक संसद के दोनों सदनों से पारित कराने के लिए सूचीबद्ध किए हैं। इन विधेयकों में मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर संशोधन विधेयक-2025, सार्वजनिक न्यास प्रणाली (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक-2025, भारतीय प्रबंधन संस्थान संशोधन विधेयक-2025, पुरातत्व धरोहर स्थल और अवशेष (संरक्षण और देखरेख विधेयक-2025, राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक-2025 एवं राष्ट्रीय डोपिंग (कचरा) रोधी संशोधन विधेयक-2025 शामिल हैं। इन विधेयकों पर सहमति बनाए जाने की चर्चा से पहले विपक्ष चाहेगा कि पहलगाम हमले में गुप्तचर तंत्र की नाकामी, सैन्य ऑरेशन सिंदूर के दौरान विदेशी हस्तक्षेप, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता के दावों के बीच सेना के अभियान को अचानक क्यों रोका गया जैसे मुद्दों पर संसद के दोनों सदनों में चर्चा हो। विपक्ष की मंशा, मुद्दों की सच्चाई से कहीं ज्यादा सरकार को घेरना है। सत्तारुढ़ पक्ष इन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दे बताकर चर्चा से बचने की कोशिश कर सकता है ? इन बड़े मुद्दों के अलावा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के निवास में लगी आग के दौरान नकद धनराशि जलने के मामले में महाअभियोग लाने की पैरवी करने के साथ ओडीसा की छात्रा के साथ हुए अत्याचार जैसे मुद्दे भी सदन में गरमा सकते हैं। न्यायमूर्ती वर्मा के मामले में सरकार को उम्मीद है कि यदि वह इस मुद्दे पर महाअभियोग चलाने का प्रस्ताव लाती है तो उसे सभी दलों का समर्थन मिल सकता है। संभव है इस प्रक्रिया के शुरू होने से पहले वर्मा इस्तीफा दे दें। यदि नहीं देते हैं तो संसद में इस मुद्दे पर तीखी बहस संभव है। जिससे सत्तारुढ़ दल से कहीं ज्यादा न्यायिक साख प्रभावित होगी। यदि बहस होती है तो न्यायाधीशों की मनमानी नियुक्ति प्रक्रिया पर भी गहन विमर्श होना तय है।

कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल मतदाता सूची को लेकर आक्रामक रुख अपनाए हुए हैं। जबकि सत्तारुढ़ दल चुनाव आयोग की जानकारी के आधार पर विपक्ष के आरोपों का जबाव देने की तैयारी कर रहा है। बावजूद तेलगु देशम पार्टी द्वारा मतदाता सूची

संदर्भ-21 जुलाई से शुरू होने वाले मानसून सत्र के विषय में

के विशेष पुनरीक्षण पर सवाल उठाए जाने से सरकार की चुनौतियां बढ़ी हुई हैं। इधर निर्वाचन आयोग के मुख्य आयुक्त ज्ञानेश कुमार का ऐसा बयान आया है, जिसे सरकार अपनी ढाल बनाने का काम करेगी। ज्ञानेश कुमार ने कहा है कि बिहार में एसआइआर के तहत मतदाता सूची को दुरुस्त करने के प्रयास में मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी देखने में आई है। बिहार के 7.9 करोड़ मतदाताओं में से महज 6.85 प्रतिशत मतदाताओं ने अब तक विशेश गहन पुनरीक्षण के अंतर्गत गणना फार्म नहीं भरे हैं। यानी आयोग ने अंतिम तिथि से 9 दिन पहले ही 93 फीसदी काम पूरा कर लिया है। बिहार में कुल 7.9 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें से 6 करोड़ 99 लाख 92 हजार 926 मतदाताओं ने 1 अगस्त 2025 को प्रकासित होने वाली मसविदा मतदाता सूची में शामिल होने के लिए अपने गणना फार्म भर दिए है। हालांकि राहुल गांधी, ममता बनर्जी और तेजस्वी यादव ने इस कवायद पर कई प्रश्न खड़े कर दिए हैं, जिन पर संसद में गरमा-गरम बहस हो सकती है। दरअसल समूचा विपक्ष इसलिए चिंतित है, क्योंकि पहली बार बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के नाम मतदाता सूचियों से हटाए जाने की आधीकारिक प्रक्रिया शुरू हुई है। यही वह समय है, जब राज्यों में सत्तारुढ़ भाजपा सरकारें घुसपैठियों को देश से विस्थापित करने के राष्ट्रहितैषी काम में लगी हैं।

इस बाबत असम के परिप्रेक्ष्य में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने ठीक ही कहा है कि असम जैसे राज्य में घुसपैठिए एक ही धर्म के लोग हैं, जो कांग्रेस समेत गैर भाजपा दलों को वोट करते हैं। इन घुसपैठियों को बाहर कर देने से ये दल हार के खतरे को अनुभव कर रहे हैं। जबकि घुसपैठिए कई राज्यों का जनसांख्यिकी घनत्व बिगाड़ने का काम कर रहे हैं। पुनरीक्षण में यह बात सामने आई है कि असम के सीमावर्ती जिलों अररिया, कटिहार, किशनगंज और पूर्णिया जिलों की मतदाता सूची में नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार के नागरिकों के नाम मिले हैं। एक अनुमान के मुताबिक इनकी संख्या 15 लाख से अधिक हो सकती है। गृह विभाग ने भी कई जिलों में बांग्लादेशियों की संख्या को लेकर रिर्पोट पेश की है। इसके अनुसार सीमांचल में अवैध घुसपैठियों के कारण कई जिलों का जनसांख्यिकी गणित पूरी तरह गड़बड़ा गया है। 1951 से 2011 तक देश की कुल आबादी में मुसलमानों की हिस्सेदारी जहां चार प्रतिशत बढ़ी है, वहीं सीमावर्ती जिलों में यह आंकड़ा करीब 16 प्रतिशत है। सरकारी दस्तावेजों में ये लोग भारतीय नागरिक बनते जा रहे हैं। इस कारण उन्हें अनेक केंद्र एवं राज्य सरकार की लोककल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। इस कारण उनका भारत की जमीन पर रहना आसान हो गया है।

अतएव प्रस्तावित विधेयकों की बजाय मतदाता सूची पर ज्यादा हंगामा होना तय है। यदि संसद में राजनीतिक गतिरोध बना रहता है और संसद अखाड़े में तब्दील होती रही तो उन विधेयकों और अधिनियमों पर बारीकी से बहस संभव नहीं है, जो देश की 1.4 करोड़ जनता की भलाई व नियमन के लिए कानून बनने जा रहे हैं ? प्रत्येक सांसद का दायित्व बनता है कि वह विधेयकों के प्रारूप का गंभीरता से अध्ययन करे, जिससे यह समझा जा सके कि उसमें शामिल प्रस्ताव देश व जनता के हित से जुड़े हैं अथवा नहीं ? लेकिन राज्यसभा और लोकसभा का यह दुर्भाग्य है कि ज्यादातर सांसद अधिनियम के प्रारूप पर चर्चा करने की बजाय, ऐसे मुद्दों को बेवजह बीच में घसीट लाते हैं, जिनसे उनकी क्षेत्रीय राजनीति चमकती रहे। ऐसी स्थिति सत्तारूढ़ सरकार के लिए लाभदायी होती है, क्योंकि वह बिना किसी बहस-मुबाहिशे के ही ज्यादातर विधेयक पारित करा लेती है। जबकि विपक्ष सार्थक बहस करने की बजाय गाहे-बगाहे सरकार को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश में लगा रहकर संसद का समय जाया कर देता है। प्रजातांत्रिक मूल्यों की रक्षा की दृष्टि से यह स्थित देशहित में कतई नहीं है। इस लिहाज से सत्तारूढ़ सरकार और दल का कर्तव्य बनता है कि वह राजनीतिक गतिरोध का समाधान, राजनीतिक तौर-तरीकों से ही निकाले।

वर्ग पहेली नं. 3159

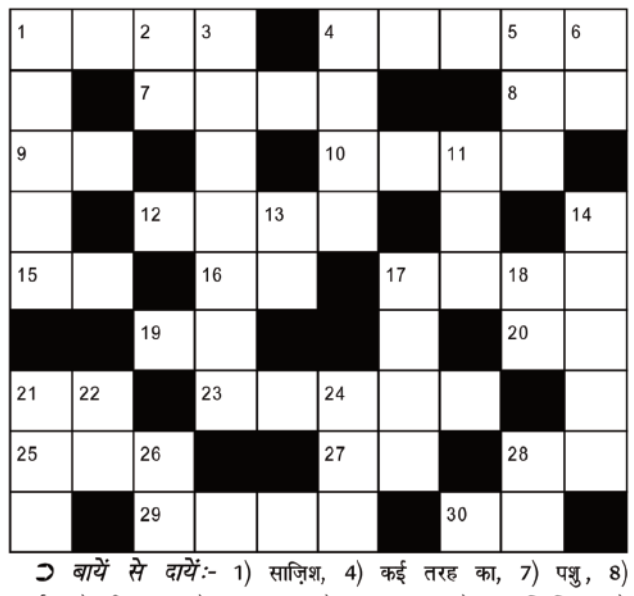

ऊपर से नीचे:- 1) मरना, 2) चरस, 3) जिसमें कुछ भी सार न हो; निर्धन, 4) इच्छा, 5) बेदाग़, 6) टक्कर, 11) बेगुनाह; दया-पात्र, 13) अपराधमुक्त, 14) चिंतनशील, 17) कृष्ण, 18) कीड़ा, 21) आज्ञा, 22) बड़ा, 24) भद्दा; बुरा, 26) इसके तुरंत बाद, 28) दुश्मनी. *(उत्तर: अगले अंक में)*

बायें से दायें:- 1) साज़िश, 4) कई तरह का, 7) पशु, 8) मकई, 9) बीमार, 10) धनाढ्य, 12) मनमुटाव, 15) अनुपस्थिति, 16) गौरवर्णीय *(महिला)*, 17) सलोना, 19) होशहवास, 20) एक अंग्रेजी तौल, 21) एक फल, 23) लतागृह, 25) गाँव, 27) विलंब, 28) मूर्ख व्यक्ति; एक पालतू पशु, 29) लाचार; व्यर्थ; ज़बरदस्ती, 30) तड़का.

पिछली पहेली का उत्तर

खु	ले	आ	म	■	अ	क	स	र	■
फ़ि	■	■	न	ट	खा	ट	■	ह	नु
या	क	■	च	■	रो	क	था	म	■
■	पो	प	ला	■	ट	■	म	■	बे
अ	ल	ग	■	द	■	ता	ना	शा	ह
■	क	■	त	र	का	री	■	न	या
क	ल्प	क	■	द	■	ख़	■	शो	■
च	ना	■	ख़ै	रा	त	■	कु	क	ड़ूँ
रा	■	गै	र	■	ब	दौ	ल	त	■

सुडोकू-पहेली-3116

							2	5
5	7	4				3		8
			6			9		
3					9		4	
	4	2			1			7
								9
4	2		5			1		
	6							
			3			4	5	

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3115 का उत्तर

4	9	6	7	2	3	8	1	5
8	2	7	9	1	5	4	6	3
3	5	1	8	6	4	7	2	9
5	8	9	4	3	1	6	7	2
7	6	3	2	9	8	5	4	1
1	4	2	5	7	6	9	3	8
6	3	8	1	5	7	2	9	4
9	7	4	3	8	2	1	5	6
2	1	5	6	4	9	3	8	7

शहीद दिवस : आज धर्मतला परिसर में त्रिस्तरीय सुरक्षा, शहर भर में 5000 से अधिक पुलिस कर्मी तैनात

- मुख्य मंच के पास अतिरिक्त पुलिस आयुक्त और संयुक्त पुलिस आयुक्त स्तर के अधिकारी मौजूद रहेंगे
- शहर के विभिन्न हिस्सों से सात बड़े जुलूस निकलेंगे

कोलकाता, समाज्ञा : आगामी लोकसभा चुनावों से पहले तृणमूल कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शन माने जाने वाला 21 जुलाई का शहीद दिवस इस बार भी भव्य तरीके से आयोजित होने जा रहा है। धर्मतल्ला स्थित विक्टोरिया हाउस के सामने आयोजित इस कार्यक्रम को लेकर कोलकाता पुलिस ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। पूरे शहर में 5000 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए जा रहे हैं ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। मुख्य मंच के सामने की जगह को 10 सुरक्षा जोन में विभाजित किया गया है। हर जोन की निगरानी डीसी स्तर के एक अधिकारी को सौंपी गई है, जबकि समग्र व्यवस्था की देखरेख एक अतिरिक्त पुलिस आयुक्त करेंगे। मंच के चारों ओर सादे कपड़ों में अधिकारी, रैफ, विनर्स टीम, और 40 से 50 कमांडो तैनात रहेंगे। धर्मतल्ला के आसपास की ऊंची इमारतों से लगातार निगरानी की जाएगी। शहर के विभिन्न हिस्सों-श्यामबाजार, हेदुआ, पार्क सर्कस, हावड़ा स्टेशन, सियालदह स्टेशन, हाजरा क्रॉसिंग और कोलकाता स्टेशन से सात बड़े जुलूस निकलेंगे। हर जुलूस के साथ एसी रैंक के अधिकारी, दो इंस्पेक्टर, एक एसआई और एक एएसआई मौजूद रहेंगे। इसके अलावा, 22 छोटे जुलूस भी आने की संभावना है, जिसके लिए 10 प्रमुख स्थानों पर पुलिस पिकेट तैनात किए गए हैं। मुख्य मंच के पास दो अस्थायी कंट्रोल रूम स्थापित किए जा रहे हैं- एक विक्टोरिया हाउस और दूसरा मेट्रो चैनल के पास। साथ ही लालबाजार कंट्रोल रूम से भी पूरे आयोजन की मॉनिटरिंग होगी। प्रदेश के विभिन्न जिलों से समर्थक पहले ही कोलकाता पहुंच चुके हैं, और 21 जुलाई की सुबह होते ही समर्थकों की भीड़ और बढ़ेगी। भीड़ प्रबंधन और सहायता के लिए कई स्थानों पर 'मे आई हेल्प यू' कैंप भी लगाए गए हैं।

मंच पर एक साथ बैठ सकेंगे 600 लोग, 80 फीट लंबा और 42 फीट चौड़ा होगा आकार

इस मेगा कार्यक्रम की तैयारियां अब अंतिम चरण में हैं। इसी क्रम में, धर्मतला स्थित विक्टोरिया हाउस के सामने बनाए जा रहे भव्य मंच की संरचना और साज-सज्जा की रूपरेखा पार्टी की ओर से सार्वजनिक कर दी गई है। जानकारी के अनुसार, मंच त्रिस्तरीय होगा और इस पर एक साथ लगभग 600 लोग बैठ सकेंगे। तीन स्तरों में बना यह विशाल मंच पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी, शीर्ष नेतृत्व, शहीद परिवारों के सदस्य और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के लिए तैयार किया गया है। मंच की ऊंचाई पहले, दूसरे और तीसरे स्तर पर क्रमशः 11, 12 और 13 फीट होगी, जबकि इसका आकार 80 फीट लंबा और 42 फीट चौड़ा होगा। मंच को पार्टी के तिरंगे रंगों से सजाया जाएगा। हालांकि, मौसम विभाग ने सोमवार को हल्की बारिश की संभावना जताई है, फिर भी मंच को पूरी तरह से खुला रखा जाएगा और उस पर कोई तिरपाल या कवर नहीं लगाया जाएगा। पूरे कार्यक्रम का सीधा प्रसारण तृणमूल के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर किया जाएगा ताकि जो लोग सभा पर उपस्थित नहीं हो सकें, वे ऑनलाइन कार्यक्रम से जुड़ सकें। इसके अतिरिक्त, शहरभर में कई प्रमुख स्थानों पर बड़े-बड़े जायंट स्क्रीन लगाए जा रहे हैं, जिनमें पार्क स्ट्रीट और एस्प्लेनेड चौराहे पर कुल 15 स्क्रीन लगाए जाएंगे, ताकि राह चलते लोग भी इस ऐतिहासिक आयोजन का हिस्सा बन सकें। कार्यक्रम की शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगभग 1000 स्वयंसेवकों को नियुक्त किया गया है, जो भीड़ प्रबंधन में अहम भूमिका निभाएंगे।

शहीद दिवस से पूर्व धर्मतल्ला पहुंचे अनुब्रत मंडल, तैयारियों का लिया जायजा

शहीद दिवस रैली से ठीक पहले रविवार की शाम बीरभूम के दबंग तृणमूल नेता अनुब्रत मंडल अचानक धर्मतल्ला के सभा स्थल पर पहुंच गए और वहां की अंतिम तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने मंच पर सजाई गई कुर्सियों पर कुछ समय बैठकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सूत्रों के अनुसार, अनुब्रत मंडल रैली के दिन मंच के पीछे पार्टी नेतृत्व के साथ बैठ सकते हैं। हालांकि, उन्होंने अपनी उपस्थिति को लेकर कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं दी। रविवार शाम लगभग 5 बजे के करीब अनुब्रत को तृणमूल के मंच के समीप बैरिकेडिंग वाले क्षेत्र में देखा गया। शुरू में वे सीधे मंच तक जाना चाहते थे, लेकिन सुरक्षा कारणों से उन्हें थोड़ी देर के लिए बैरिकेड के बाहर रोक दिया गया। कुछ देर बाद उन्हें सभा स्थल में प्रवेश की अनुमति मिली, जिसके बाद वे मंच पर पहुंचे और कुर्सी पर बैठकर तैयारियों का निरीक्षण किया। उल्लेखनीय है कि रविवार सुबह बीरभूम के एक अन्य वरिष्ठ तृणमूल नेता और कोर कमेटी सदस्य काजल शेख भी सभा स्थल पर पहुंचे थे। उन्होंने भी मैदान का मुआयना किया और वहां मौजूद युवा कार्यकर्ताओं के साथ तस्वीरें खिंचवाईं। दिन में काजल शेख और शाम को अनुब्रत मंडल की उपस्थिति ने सभा की तैयारियों को और तेज कर दिया है।

पुरुलिया जेल में रची गई थी चंदन मिश्रा की हत्या की साजिश, शेरू ने अपने खास गुर्गे को दी थी सुपारी

वारदात को अंजाम देने के बाद कोलकाता में छिपे थे आरोपित

कोलकाता, समाज्ञा : पटना के पारस अस्पताल में घुसकर सजायाफ्ता गैंगस्टर चंदन मिश्रा की गोलियों से भूनकर हत्या के मामले में कोलकाता के दो अलग-अलग ठिकानों से मुख्य आरोपित सहित 10 लोगों की शनिवार को गिरफ्तारी के बाद इस घटना का बंगाल कनेक्शन स्पष्ट हो गया है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि बंगाल के पुरुलिया जेल में बंद गैंगस्टर शेरू सिंह ने कथित तौर पर जेल से ही इस हत्या की साजिश रची थी और अपने एक खास गुर्गे यानी कोलकाता से पकड़े गए मुख्य शूटर तौसीफ रजा उर्फ बादशाह को इसकी सुपारी दी थी। आपसी प्रतिद्वंद्विता में शेरू सिंह गिरोह पर ही चंदन मिश्रा की हत्या का आरोप है। काफी तलाशी के बाद बिहार और बंगाल एसटीएफ ने एक संयुक्त अभियान में इस हत्याकांड के मुख्य आरोपित (शूटर) तौसीफ रजा और उसके तीन साथियों सहित पांच लोगों को शनिवार देर रात कोलकाता के आनंदपुर थाना इलाके में एक गेस्ट हाउस से दबोचा। इसमें तौसीफ के अलावा उसका सहयोगी निशु खान और दो अन्य शूटर के अलावा एक महिला भी शामिल है। इससे पहले शनिवार तड़के बिहार और बंगाल एसटीएफ की टीम ने कोलकाता से सटे न्यूटाउन के शा-पुरजी में स्थित एक बहुमंजिला आवासीय परिसर से शूटरों को लाने ले जाने और पनाह देने वाले पांच संदिग्ध मददगारों को गिरफ्तार किया था।

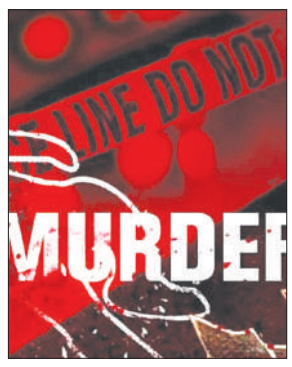

❑ हत्या में निशु खान की भी अहम भूमिका

इधर, हत्या की योजना में तौसीफ का खास सहयोगी निशु खान की भी अहम भूमिका बताई जा रही है। निशु खान, तौसीफ का ममेरा भाई बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में यह पता चला है कि चंदन की हत्या की साजिश पटना के समनपुरा इलाके में निशु खान के आवास पर ही रची गई थी। बताया जा रहा है कि शेरू सिंह की शूटर तौसीफ के साथ दोस्ती पटना की बेऊर जेल में शुरू हुई थी। शुरुआत में तय हुआ था कि चंदन को जेल में ही मार दिया जाएगा, लेकिन योजना कामयाब नहीं हुई। फिर शेरू के आदेश पर चंदन के एक करीबी को अपने गिरोह में शामिल किया गया। फिर चंदन को पैरोल मिलने की खबर मिलते ही उसकी हत्या की योजना तैयार की गई। चंदन के जेल से पैरोल पर रिहा होते ही शेरू ने तौसीफ से दोबारा संपर्क किया था। हत्या को अंजाम देने से पहले तौसीफ और उसके साथी पटना के समनपुरा पहुंचे और निशु के सहयोग से अस्पताल के पीछे एक अपार्टमेंट में डेरा डाला। वहीं से उन्होंने अस्पताल की रेकी की थी। बिहार एसटीएफ ने इस मामले में शुक्रवार को पुरुलिया जेल में शेरू सिंह से गहन पूछताछ भी कर चुकी है।

❑ ट्रांजिट रिमांड पर पटना ले गई पुलिस

गिरफ्तार आरोपितों को कोलकाता के अलीपुर कोर्ट में रविवार को पेश किया गया, जहां से 48 घंटे की ट्रांजिट रिमांड पर पटना पुलिस अपने साथ ले गई। सुनवाई के दौरान सरकारी वकील ने अदालत में कहा कि यह एक पूर्व नियोजित हत्या थी। आरोपित गया होते हुए कोलकाता आए थे। मालूम हो कि बक्सर जिले के निवासी चंदन मिश्रा की गुरुवार सुबह पटना के एक निजी अस्पताल के आइसीयू वार्ड में घुसकर हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। चंदन मिश्रा हत्या के एक मामले में दोषी था और पैरोल पर बाहर आया था और अस्पताल में इलाज करा रहा था। उस पर 12 से ज़्यादा हत्याओं समेत 24 आपराधिक मामले दर्ज थे।

❑ कभी चंदन का क्राइम पार्टनर था शेरू

शेरू कभी चंदन का क्राइम पार्टनर था और दोनों मिलकर गिरोह चलाते थे। बाद में किसी विवाद के कारण दोनों अलग हो गए और एक दूसरे के दुश्मन बन गए। बिहार और बंगाल एसटीएफ शेरू से आगे भी पूछताछ जारी रखेगी, ताकि इस साजिश के सभी पहलुओं और इसमें शामिल अन्य लोगों का पता लगाया जा सके।

शहीद रैली से पहले ही सड़कों से बसें गायब, आम लोग बेहाल

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता में 21 जुलाई को आयोजित होने वाली शहीद रैली से एक दिन पहले ही शहर और आसपास के इलाकों में परिवहन व्यवस्था चरमरा गई है। आम यात्रियों की शिकायत है कि शहर की सड़कों से लंबी दूरी की बसें अचानक गायब हो गई हैं, जिससे दैनिक यात्री बुरी तरह परेशान हैं। हालांकि, कुछेक स्थानीय बसें इक्का-दुक्का चलती दिख रही हैं, लेकिन अधिकांश रूटों पर लंबी दूरी की बसों का संचालन पूरी तरह ठप है। इसकी वजह से घाटाल, चंद्रकोणा, खिरपाई सहित विभिन्न बस स्टैंडों पर यात्रियों की भीड़ और बेचैनी साफ देखी गई।

❑ ऑटो-टोटो ही सहारा, किराए ने तोड़ी कमर

बसों की अनुपलब्धता के कारण आम लोग अब टोटो, ऑटो और निजी वाहनों पर निर्भर हो गए हैं, जिनका किराया सामान्य से दोगुना-तीन गुना तक वसूला जा रहा है। कई यात्रियों ने बताया कि उन्हें अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए आधा दिन लाइन में खड़ा रहना पड़ा, और जब बस नहीं मिली, तो मजबूरी में महंगा किराया चुकाकर यात्रा करनी पड़ी।

❑ आम जनता का आक्रोश

दैनिक यात्रियों का कहना था कि सरकार और प्रशासन को यह सुनिश्चित करना चाहिए था कि रैली के लिए बसों की व्यवस्था आम नागरिकों की सुविधाओं को प्रभावित किए बिना की जाए। एक यात्री ने कहा कि हम नौकरी करते हैं, दिहाड़ी कमाते हैं, हमारे पास इतना समय और पैसा नहीं कि बसों के इंतज़ार में घंटों खड़े रहें और फिर महंगी टैक्सी से जाएं। ये आम आदमी की परेशानी कोई नहीं समझता।

❑ प्रशासन की चुप्पी

इस पूरे मामले पर अभी तक परिवहन विभाग या प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। लेकिन यह साफ है कि शहीद रैली के लिए बड़ी संख्या में बसें आरक्षित की गई हैं, जिसकी वजह से आम रूटों पर सेवा प्रभावित हो रही है।

शहीद दिवस से पूर्व तैयारियों का जायजा लेने के लिए तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने गीतांजलि स्टेडियम में आयोजित शिविर का निरीक्षण किया। वहां उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से भी बात की।

नकली मां के नाम पर बनवाया फर्जी पहचान पत्र, बांग्लादेशी युवती समेत दो गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना जिले के बशीरहाट अंतर्गत स्वरूपनगर थाना इलाके में फर्जी दस्तावेज बनवाकर अवैध रूप से रह रही एक बांग्लादेशी युवती को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उस महिला को भी हिरासत में लिया है, जिसने युवती को अपना नाम मां के रूप में दिखाकर उसके लिए भारत में फर्जी पहचान पत्र तैयार करवाया था। इस पूरे मामले के उजागर होने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है और पुलिस यह भी जांच कर रही है कि इसके पीछे कोई बड़ा मानव तस्करी या फर्जी दस्तावेज गिरोह तो नहीं है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, स्वरूपनगर के बंगलानी ग्राम पंचायत स्थित तेतुलिया इलाके में विश्वनाथ सिकदार और उनकी पत्नी श्यामली सिकदार के घर करीब एक साल से एक अज्ञात युवती रह रही थी। दंपति ने स्थानीय लोगों को बताया था कि वह उनकी रिश्तेदार है, लेकिन लंबे समय तक उसके ठहरने से लोगों को संदेह हुआ कि वह विदेशी नागरिक है। रविवार को जब स्वरूपनगर थाना पुलिस ने छापा मारा, तब मामले की सच्चाई सामने आई। युवती की पहचान चुमकी के रूप में हुई, जो बांग्लादेश के नड़ाइल थाना क्षेत्र की निवासी है। वह दलालों की मदद से भारत में घुसी थी और श्यामली सिकदार के घर में शरण ली थी। उसने भारत में श्यामली को अपनी मां दिखाकर फर्जी पहचान पत्र भी बनवा लिया था। पुलिस ने चुमकी और श्यामली सिकदार को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि श्यामली का पति विश्वनाथ सिकदार फरार है और उसकी तलाश की जा रही है। दोनों गिरफ्तार महिलाओं को रविवार को बशीरहाट महकमा अदालत में पेश किया गया, जहां पुलिस ने उन्हें रिमांड पर लेकर पूछताछ करने की अनुमति मांगी। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या इस मामले के पीछे कोई संगठित गिरोह है जो बांग्लादेशी नागरिकों को भारत में अवैध रूप से घुसाकर उन्हें पहचान दिलवाने में मदद कर रहा है।

जोका आईआईएम दुष्कर्म मामले में आरोपी छात्र को मिली जमानत

पीड़िता ने तीन बार गुप्त बयान देने से किया इंकार

कोलकाता, समाज्ञा : जोका-आईआईएम में हुए दुष्कर्म मामले में आरोपी छात्र को शनिवार को शर्तों के साथ जमानत मिल गई। पुलिस हिरासत की अवधि समाप्त होने पर आरोपी को आलीपुर अदालत में पेश किया गया, जहां 50 हजार रुपये के बॉन्ड पर उसकी जमानत मंजूर की गई। हालांकि, आरोपी फिलहाल राज्य छोड़कर कहीं बाहर नहीं जा सकेगा। अदालत में आरोपी की ओर से पेश वकील सुभ्रत सरदार ने बताया कि पीड़िता अब तक गुप्त बयान देने से लगातार बच रही है। उसे गुप्त बयान के लिए तीन बार बुलाया गया, लेकिन हर बार वह देने से इनकार कर गई। पुलिस के पास इस बात का कोई ठोस कारण नहीं है कि पीड़िता बार-बार गुप्त बयान क्यों नहीं दे रही और वह क्यों अदालत में नहीं आ रही है। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि पीड़िता की प्रारंभिक स्वास्थ्य जांच की बात हुई थी, लेकिन मेडिकल जांच अभी तक पूरी नहीं हुई है, और इसका भी कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला। इस दौरान पुलिस की तरफ से आरोपी को फिर से हिरासत में लेने की कोई मांग नहीं की गई, जबकि सरकारी वकील ने आरोपी की जेल में हिरासत की मांग की। अदालत ने इस बाबत पूछा कि गुप्त बयान क्यों नहीं लिया गया। सरकारी वकील ने जवाब दिया कि संभवतः पीड़िता मानसिक आघात के कारण नहीं आ रही है, पर जांच अधिकारी की ओर से कोई लापरवाही नहीं हुई है। सरकारी वकील ने अदालत को बताया कि पीड़िता की प्रारंभिक स्वास्थ्य जांच रिपोर्ट और उसके बयान का मिलान किया गया है, लेकिन गुप्त बयान अभी तक नहीं मिला है। इसलिए उन्होंने आरोपी की जेल हिरासत की मांग की और कहा कि जांच के लिए बाद में पुलिस हिरासत ली जा सकती है। हालांकि, अदालत ने सरकारी वकील की जेल हिरासत की याचिका को खारिज कर दिया।

तृणमूल प्रवासी विवाद के बीच 'शहीद दिवस' रैली में बंगाली अस्मिता के मुद्दे को देगी धार

कोलकाता, समाज्ञा : अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी अपने वार्षिक 'शहीद दिवस' रैली को 'बंगाली अस्मिता' के विमर्श को धार देने और भाजपा शासित राज्यों में बांग्ला भाषी प्रवासियों के कथित उत्पीड़न को लेकर मुख्य विपक्षी दल पर निशाना साधने के मंच के तौर पर इस्तेमाल करने की तैयारी कर रही है। भाजपा शासित असम, ओडिशा, महाराष्ट्र, गुजरात और दिल्ली जैसे राज्यों में बांग्ला भाषी श्रमिकों के साथ भाषा के आधार पर कथित तौर पर भेदभाव और तनाव की पृष्ठभूमि में पार्टी प्रमुख और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा अपने पार्टी कार्यकर्ताओं से आह्वान करेंगी और इस संदेश को दोहराएंगी कि बांग्ला भाषी अपने ही देश में दूसरे दर्जे के नागरिक नहीं हैं। तृणमूल कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि बार-बार गरीब बांग्ला भाषी श्रमिकों को हिरासत में लिया जा रहा है, परेशान किया जा रहा है और उन्हें घुसपैठिया करार दिया जा रहा है। भाजपा गरीबी को अपराध बना रही है और हाशिए पर पड़े लोगों को परेशान करने के लिए पहचान को हथियार बना रही है।

उल्लेखनीय है कि तृणमूल ने भाजपा पर 'भाषाई भेदभाव' का सहारा लेने का आरोप लगाया है और क्षेत्रीय पहचान के भावनात्मक मुद्दे को फिर से उभारने की कोशिश कर रही है। माना जा रहा है कि तृणमूल को 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा की हिंदुत्व लहर का मुकाबला करने में क्षेत्रीय पहचान के मुद्दे से बहुत मदद मिली। तृणमूल के एक सांसद ने कहा कि गरिमा, पहचान और अस्तित्व दांव पर है। भाजपा राष्ट्रवाद की आड़ में बंगाली अस्मिता को मिटाने पर तुली है। हमारी लड़ाई सिर्फ चुनावी नहीं, बल्कि अस्तित्व की है।

पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक, इस साल की रैली 2026 के विधानसभा चुनावों से पूर्व अभियान शुरू करने का 'लॉन्च पैड' होगा, जहां तृणमूल बंगाली अस्मिता और राज्य की सीमाओं के पार अपने लोगों के कथित अपमान को मुख्य मुद्दा बना आगे की लड़ाई लड़ने की योजना बना रही है। तृणमूल के एक युवा विधायक ने कहा कि हमने 2011 में उन्हें 'पोरिबॉर्तन' (परिवर्तन) दिया था। अब हम उन्हें 'प्रतिरोध' देंगे। उन्होंने बनर्जी के भाषण की ओर इशारा किया, जिसमें भावनात्मक अपील के साथ तीखे राजनीतिक संदेश दिये गए।

तृणमूल की इस रैली में राज्य के कोने-कोने से लाखों समर्थकों के कोलकाता पहुंचने की उम्मीद है। कुछ लोग भीड़-भाड़ वाली लोकल ट्रेनों में, तो कुछ तृणमूल के झंडे लगे ट्रक से शहर की ओर रुख कर रहे हैं, जिससे कोलकाता में उत्सव जैसा माहौल बन रहा है। एस्प्लेनेड और सियालदह में चाय की दुकानें और ढाबे 'खेला होबे, अबर होबे' और 'बांग्लार केउ बांग्लादेशी नोय' (बंगाल का कोई भी बंगाली बांग्लादेशी नहीं है) जैसे नारे लिखे दिखाई दे रहे हैं।

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।
www.samagya.in
समाज्ञा
NEWS PAPER ADVERTISING SOLUTION
▪ MATRIMONIAL ▪ EDUCATION ▪ OBITUARY
▪ PROPERTY ▪ NAME CHANGE ▪ REMEMBRANCE
▪ RECRUITMENT ▪ PUBLIC NOTICE ▪ DISPLAY
TO AD IN SAMAGYA PLEASE CONTACT
samagyaadvt@gmail.com | www samagya.in
81, Chintamani Dey Road, Howrah 711 101, Mobile: 70444 44522

कोलकाता एयरपोर्ट पर एनएसजी ने किया काउंटर-हाइजैक और आतंकरोधी अभ्यास

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एनएससीबीआई) पर राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) ने 18-19 जुलाई की रात एक व्यापक काउंटर-हाइजैक और आतंकरोधी संयुक्त अभ्यास किया। यह अभ्यास विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों और हवाई अड्डे से जुड़े पक्षों के साथ समन्वय में किया गया, ताकि किसी जटिल सुरक्षा संकट की स्थिति में तैयारियों की जांच की जा सके। एनएससीबीआई सूत्रों के अनुसार, अभ्यास के तहत 18 जुलाई को रात 9:34 बजे एक ए320 विमान के हाइजैक की झूठी सूचना एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को दी गई, जिसमें 75 डमी यात्री और चालक दल मौजूद थे। विमान को तत्काल आइसोलेशन बे में ले जाकर घेराबंदी की गई। शुरुआती प्रतिक्रिया में, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की त्वरित प्रतिक्रिया टीम ने विमान को चारों ओर से घेर लिया, जबकि खुफिया ब्यूरो (आईबी) और गृह मंत्रालय (एमएचए) के अधिकारियों ने हाइजैकर्स से वार्ता शुरू की। जब वार्ता विफल रही, तो एनएसजी की काउंटर-हाइजैक टास्क फोर्स ने समन्वित अभियान चलाकर विमान पर धावा बोला। इस ऑपरेशन में सभी डमी यात्रियों और चालक दल को सुरक्षित रूप से बचाया गया और हाइजैकर्स को खत्म कर दिया गया। यह अभियान 19 जुलाई को सुबह 2:15 बजे समाप्त हुआ। इसके साथ ही एक आतंकरोधी अभ्यास भी 18 जुलाई को रात 9 बजे शुरू हुआ, जिसमें एएआई कार्यालयों पर सशस्त्र आतंकवादी हमले का परिदृश्य रचा गया। 12 कर्मचारियों को बंधक बनाकर भवन की बिजली आपूर्ति काट दी गई। इस स्थिति से निपटने के लिए राज्य पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने परिसर को घेरा और अंदर घुसने की कोशिश की, लेकिन उन्हें कड़ी प्रतिरोध और काल्पनिक हताहतों का सामना करना पड़ा। हाइजैक ऑपरेशन की समाप्ति के बाद एनएसजी की टीम ने ब्रीफिंग लेकर बंधक संकट को संभाला। एक योजनाबद्ध अभियान के तहत एनएसजी कमांडो ने छह आतंकवादियों को मार गिराया और सभी बंधकों को सुरक्षित बचा लिया। यह ऑपरेशन सुबह 4:25 बजे समाप्त हुआ। एनएससीबीआई सूत्रों के अनुसार, इन अभ्यासों का उद्देश्य नागरिक विमानन सुरक्षा से जुड़ी आपात परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया, एजेंसियों के बीच समन्वय और संकट प्रबंधन प्रक्रियाओं को परखना था।

बिधाननगर रोड स्टेशन पर 51 किलो गांजा जब्त, चार तस्कर गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के सियालदह मंडल अंतर्गत आरपीएफ ने बिधाननगर रोड रेलवे स्टेशन पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 51.21 किलोग्राम संदिग्ध गांजा बरामद किया है। इस मामले में एक महिला सहित कुल चार व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। बरामद मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत लगभग 10,24,200 बताई गई है। गिरफ्तार आरोपी ट्रेन संख्या 13148 डाउन (उत्तरबंगा एक्सप्रेस) से यात्रा कर रहे थे। आरपीएफ की टीमें दक्षिणेश्वर एवं बिधाननगर रोड स्टेशनों पर तैनात थीं, जिन्होंने सतर्कता बरतते हुए इन व्यक्तियों को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे यह मादक पदार्थ बामनहाट और फालाकाटा रेलवे स्टेशनों से लेकर कोलकाता में एक अज्ञात व्यक्ति को सौंपने जा रहे थे, जिसके एवज में उन्हें 3000 से 10,000 तक भुगतान किया जाना था। पूरी कार्रवाई एनडीपीएस अधिनियम 1985 के तहत आलोक कुमार जेना, एएससी-खख/आरपीएफ/सियालदह की उपस्थिति एवं स्वतंत्र गवाह की मौजूदगी में की गई। कार्रवाई के दौरान वीडियोग्राफी, दस्तावेजीकरण एवं सबूतों की उचित लेबलिंग जैसे सभी कानूनी प्रावधानों का पालन किया गया। आरोपियों के पास से चार मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों एवं जब्त सामग्रियों को आगे की कानूनी कार्रवाई हेतु सियालदह के जीआरपी को सौंप दिया गया है।

नाबालिग का यौन शोषण, आरोपी सुरक्षा गार्ड गिरफ्तार

मुर्शिदाबाद : मुर्शिदाबाद के बहरमपुर में कक्षा 6 की बच्ची का यौन शोषण का मामला सामने आया है। पीड़ित बच्ची एक चिकित्सक की बेटी है। आरोप है कि उन्हीं के घर के सुरक्षा गार्ड ने बच्ची का यौन शोषण किया। चिकित्सक के मुताबिक, सुरक्षा गार्ड लंबे समय से वहां काम कर रहा था। शनिवार की रात को सुरक्षा गार्ड किसी बहाने से बच्ची को घर की छत में ले गया। जहां आरोपी ने बच्ची के साथ अपराध किया। बताया जा रहा है कि इस घटना के बाद, बच्ची ने अपने माता-पिता को सारी जानकारी दी। बच्ची के पिता ने तुरंत पुलिस को सूचित किया। शिकायत मिलते ही पुलिस ने रात को ही चिकित्सक के घर पर छापा मारा। पुलिस ने दावा किया कि सुरक्षा गार्ड उन्हें देखने के बाद टोटो से भाग रहा था। लेकिन बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

भाजपा के 'उत्तरकन्या अभियान' पर शशि पांजा का पलटवार

कोलकाता, समाज्ञा : भाजपा युवा मोर्चा की ओर से उत्तर बंगाल के कथित पिछड़ेपन को मुद्दा बनाकर सोमवार को 'उत्तरकन्या अभियान' का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के शामिल होने की पुष्टि की गई है। इस अभियान को लेकर राज्य सरकार की महिला एवं बाल कल्याण मंत्री शशि पांजा ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। रविवार को हावड़ा स्टेशन पर एक स्वास्थ्य शिविर में शामिल होते हुए उन्होंने कहा कि शुभेंदु अधिकारी ने जानबूझकर 21 जुलाई की तारीख चुनी है, ताकि तृणमूल कांग्रेस की शहादत दिवस सभा के विकल्प के तौर पर कुछ पेश किया जा सके। लेकिन उनका यह प्रयास सफल नहीं होगा, क्योंकि 21 जुलाई का कोई विकल्प नहीं हो सकता। शशि पांजा ने आगे कहा कि भाजपा हाईकोर्ट के आदेश का बहाना बनाकर कहेगी कि उन्हें केवल 10 हजार लोगों के जुटने की अनुमति मिली थी, जबकि सच्चाई यह है कि वे उतनी भी भीड़ नहीं जुटा पाएंगे। ऐसे में वे कोर्ट के आदेश का हवाला देकर खुद को बचाने की कोशिश करेंगे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मीडिया में जगह पाने के लिए भाजपा इस तरह के अभियानों का सहारा ले रही है। प्रधानमंत्री की हालिया बंगाल यात्रा पर प्रतिक्रिया देते हुए शशि पांजा ने कहा कि उन्होंने बिहार के मुकाबले बंगाल को कम आर्थिक सहायता दी, जबकि पश्चिम बंगाल को उसका वैध हिस्सा अब भी नहीं मिल रहा है। इसके बावजूद, ऐसा उनका दावा है कि उत्तर बंगाल में राज्य सरकार लगातार विकास कार्य कर रही है।

मुर्शिदाबाद में फर्जी दस्तावेज से आधार कार्ड वाने वाले गिरोह का राजफाश, तीन गिरफ्तार

मुर्शिदाबाद : पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का राजफाश किया है जो मोटी रकम लेकर फर्जी दस्तावेजों से आधार कार्ड बना रहा था। इस घटना में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। शनिवार की रात को पुलिस ने बांग्लादेश सीमा से सटे मुर्शिदाबाद जिले के खड़ग्राम थाना क्षेत्र में एक आनलाइन सेवा केंद्र पर छापा मारा और बड़ी संख्या में आधार कार्ड, लैपटाप, प्रिंटर, फिंगरप्रिंट स्कैनर, आइ स्कैनर, कीपैड जब्त किए। बड़ी संख्या में दस्तावेज भी मिले हैं। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों के नाम मेहेदी हसन मोमिन, मोशर्रफ मोमिन और सुमन मोमिन हैं। पूछताछ के दौरान तीनों स्वीकार किया कि वे लंबे समय से अवैध रूप से यह काम कर रहे थे। इस बात की जांच की जा रही है कि क्या इस गिरोह में कोई और भी शामिल है। पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपित विभिन्न आनलाइन सेवा केंद्रों के माध्यम से ऐसे लोगों की जुगाड़ करता था जिसे आधार चाहिए होता था। मुर्शिदाबाद बांग्लादेश की सीमा से सटा है तो यहां घुसपैठियों के लिए बिना किसी दस्तावेज के आधार कार्ड बन रहा होगा, इसमें किसी को संदेह नहीं होना चाहिए। बिना किसी वैध दस्तावेज के आधार कार्ड बनवाने के लिए मोटी रकम ली जाती थी। धोखाधड़ी कैसे की गई? जांचकर्ताओं के अनुसार, यह गिरोह सरकारी पोर्टल पर पंजीकृत आधार केंद्रों के यूजर आइडी और पासवर्ड एकत्र करता था। बाद में, वे उसका उपयोग सरकारी आधार सर्वर में लाग इन करने के लिए किया करता था। यह गिरोह सरकारी सर्वर में एक के बाद एक फर्जी दस्तावेज अपलोड कर आधार बनाता था। गिरफ्तार आरोपितों ने पूछताछ में कबूला है कि वे एक आधार कार्ड बनाने के लिए 10,000 से 20,000 रुपये वसूलता था। मुर्शिदाबाद जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक माजिद इकबाल ने कहा कि गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की गई। ऐसी खबरें थीं कि आनलाइन सेवा केंद्र पर कई लोग आधार कार्ड बनाने के लिए मौजूद है। पुलिस अब यह बता लगाने में जुटी है कि इन लोगों ने अब तक कितने लोगों का आधार कार्ड तैयार किया है, वे लोग कौन है और कहां के रहने वाले हैं।

फर्जी आधार कार्ड से सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा, एक व्यक्ति गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर फर्जी आधार कार्ड का इस्तेमाल कर लोगों से पैसे ठगने वाले एक शातिर ठग को बारुईपुर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी का नाम काली मोल्ला मीर है। उसे ढोलाहाट थाना क्षेत्र से पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी काली मोल्ला ने पलाश दास और पंचानन दास जैसे फर्जी नामों से आधार कार्ड बनवा कर खुद को जिला परिषद से जुड़ा अधिकारी बताता था। वह इसी फर्जी पहचान के आधार पर बाजार से सिम कार्ड भी निकाल चुका था। काली मोल्ला विभिन्न विभागों में नौकरी लगवाने का झांसा देकर 20,000 से 50,000 रुपये तक की मांग करता था। हाल ही में, उसने जिला परिषद के मत्स्य विभाग के निदेशक जयंत भद्र के नाम पर मल्लिकपुर में पंचायत के कुछ लोगों से 20,000 रुपये की मांग की थी। जयंत भद्र को जब इस धोखाधड़ी की जानकारी मिली, तो उन्होंने 13 जून को बारुईपुर थाना में शिकायत दर्ज करवाई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए शुक्रवार की रात आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि आरोपी ने इस फर्जीवाड़े के ज़रिए अब तक कितने लोगों से पैसे ऐंठे हैं और कहीं किसी बड़े गिरोह से उसका संबंध तो नहीं।

मुर्शिदाबाद में भारत-बांग्लादेश सीमा पर हथियार के साथ दो संदिग्ध तस्कर गिरफ्तार

मुर्शिदाबाद : भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तस्करी की साजिश को नाकाम करते हुए जलंगी थाना पुलिस ने दो संदिग्ध व्यक्तियों को अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है। कार्रवाई जलंगी थाना क्षेत्र के कीर्तनिया पाड़ा इलाके में एक गुप्त सूचना के आधार पर की गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सूचना मिली थी कि एक चार पहिया वाहन में सवार दो व्यक्ति संदिग्ध परिस्थितियों में सीमा के समीप घूम रहे हैं। शक के आधार पर जब वाहन की तलाशी ली गई तो उसमें देशी पाइपगन और तीन जिंदा कारतूस बरामद हुए। पूछताछ के बाद दोनों आरोपियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कूचबिहार जिले के रहने वाले विश्वजीत बर्मन और शंभू बर्मन के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि दोनों सीमा क्षेत्र में तस्करी की नीयत से पहुंचे थे और अवैध हथियारों के साथ गतिविधियों में संलिप्त थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों को शनिवार को जिला अदालत में पेश किया। वहीं, जलंगी थाना पुलिस इस मामले की गंभीरता को देखते हुए यह भी जांच कर रही है कि इस गिरोह में और कौन-कौन लोग शामिल हैं और क्या इसका कोई अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन भी है।

भूस्खलन पूर्वानुमान मॉडल विकसित करने को जीएसआई की एआई के उपयोग की योजना : महानिदेशक

कोलकाता, समाज्ञा : भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) कृत्रिम मेधा (एआई) का उपयोग कर अधिक मजबूत भूस्खलन पूर्वानुमान मॉडल और विशेषज्ञ प्रणाली विकसित करने के लिए एक शोध कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। जीएसआई के महानिदेशक असित साहा ने राष्ट्रीय भूस्खलन पूर्वानुमान केंद्र (एनएलएफसी) की पहली वर्षगांठ के उपलक्ष में यहां आयोजित एक कार्यशाला में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एआई का उपयोग कर भूस्खलन पूर्वानुमान मॉडल और विशेषज्ञ प्रणाली विकसित करने के लिए अनुसंधान जारी है। उन्होंने राष्ट्रव्यापी क्षेत्रीय भूस्खलन पूर्व चेतावनी प्रणाली (एलईडब्ल्यूएस) को 2030 तक क्रियान्वित करने के संस्थान के दीर्घकालिक दृष्टिकोण को भी दोहराते हुए कहा कि जीएसआई जल्द ही उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले के लिए भूस्खलन का पूर्व चेतावनी बुलेटिन जारी करना शुरू कर देगा। साहा ने एनएलएफसी टीम की भूस्खलन पूर्व चेतावनी क्षेत्र का विस्तार करने के लिए सराहना करते हुए कहा कि शुरुआत में यह छह राज्यों के 16 जिलों में सीमित था और 2025 तक इसका आठ राज्यों के 21 जिलों तक विस्तार हो गया है।

मवेशियों को रोकने के लिए पिता ने लगाया था बिजली का तार, करंट लगने से बेटी की मौत

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना जिले के बशीरहाट के बाडुरिया इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक युवती की करंट लगने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि युवती के पिता ने मवेशियों को 'सबक सिखाने' के इरादे से घर के सामने रखे भूसे के ढेर के चारों ओर बिजली प्रवाहित तार लगा दिया था। दुर्भाग्यवश उसी तार की चपेट में आकर उनकी 20 वर्षीय बेटी फर्दौसी खातून की मौत हो गई। घटना के बाद से पीड़िता के माता-पिता फरार हैं। यह घटना बाडुरिया थाना क्षेत्र के यशाइकाठी-आठघरा ग्राम पंचायत के सर्ग्निया सरदारपाड़ा इलाके में घटी। आरोप है कि खालिक सरदार नामक व्यक्ति, जो मृतका का पिता है, मवेशियों को भूसे से दूर रखने के लिए प्रतिदिन लोहे के तार में बिजली का करंट प्रवाहित करता था। बताया जा रहा है कि हाल ही में हुई बारिश के कारण भूसे के ढेर के पास पानी जमा हो गया था, जिससे वहां करंट फैल गया। रविवार सुबह फर्दौसी आंगन में झाड़ू लगा रही थी, तभी उसने अनजाने में भूसे के ढेर को छू लिया और करंट की चपेट में आ गई। करंट लगते ही वह मौके पर ही गिर पड़ी। परिजन दौड़े और बिजली की सप्लाई बंद की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। बेटी की मौत का एहसास होते ही माता-पिता उसका शव वहीं छोड़कर फरार हो गए। घटना की जानकारी स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद पूरे इलाके में आक्रोश फैल गया है। स्थानीय लोग दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। पुलिस फरार आरोपी माता-पिता को तलाश रहा है।

कलकत्ता वस्त्र व्यवसायी सेवा समिति ने गंगासागर में भव्य रुद्राभिषेक पूजा का किया आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : कलकत्ता वस्त्र व्यवसायी सेवा समिति की ओर से शनिवार, 19 जुलाई को गंगासागर स्थित स्वर्ग आश्रम भवन के मंदिर प्रांगण में भव्य रुद्राभिषेक पूजा का आयोजन किया गया। इस धार्मिक अवसर पर समिति के उपाध्यक्ष मुरारी लाल सराफ, सचिव नंदकिशोर भूतड़ा, सह सचिव दयानंद गुप्ता तथा वरिष्ठ सदस्य सुशील कुमार मिमाणी, सुरेन्द्र कुमार शर्मा, भंवरलाल बिहानी, राकेश कुमार शर्मा, राम आधार प्रजापति, गिरिराज भूतड़ा एवं सरला भूतड़ा सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे और पूजा में भाग लिया। समिति अध्यक्ष महेंद्र कुमार चौधरी ने जानकारी दी कि रुद्राभिषेक पूजा के उपरांत समिति की ओर से भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में साधु-संतों को ससम्मान भोजन कराया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक और आध्यात्मिक सेवा को एक साथ जोड़ते हुए जनकल्याण में योगदान देना था।

लॉयन्स इंटरनेशनल के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष ए पी सिंह के निर्वाचन से भारत में उत्साह

कोलकाता, समाज्ञा : भारत के ए.पी. सिंह को लायन्स क्लब्स इंटरनेशनल का 2025-2026 का अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है। अमेरिका में तकरीबन 200 देश के लायन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में लायन ए पी सिंह अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित हुए। भारत के प्रतिनिधि के रूप में चौथे एवं पूर्वी भारत के लायन प्रतिनिधि के रूप में प्रथम लायन ए पी सिंह को अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष का गौरव हासिल हुआ। लायन्स इंटरनेशनल में सेवाओं के लिये इंटरनेशनल प्रेसिडेंट अवार्ड, एम्बेसडर ऑफ गुडविल अवॉर्ड एवं लायन्स इंटरनेशनल के प्रतिष्ठित सम्मान से अलंकृत कर सम्मानित किया गया है। परोपकार एवम् मानव सेवा को समर्पित संगठन लायन्स इंटरनेशनल का नेतृत्व कर रहे ए पी सिंह चार दशकों से लॉयन्स आंदोलन से जुड़े हैं। सन 1984 से लॉयन सदस्य रहे ए.पी. सिंह ने डिस्ट्रिक्ट गवर्नर, काउंसिल चेयरपर्सन जैसे अनेक प्रतिष्ठित पदों पर कार्य किया है। लायन ए पी सिंह नेशनल साइट फर्स्ट कमेटी ऑफ इंडिया के चेयरपर्सन भी रहे, जिसने नेत्रहीनता की रोकथाम और दृष्टिहीनों की मदद के लिए दुनिया में स्वास्थ्य साझेदारों के साथ मिलकर कार्य किया। प्रोग्रेसिव मेलविन जोन्स, कैंपेन 100 एव अनेक लायन्स अभियानों में सेवाएं दी है। लायन्स इंटरनेशनल जिला 322 बी1 के सभी क्लब के लायन बंधुओं ने लायन ए पी सिंह को बधाई एवं शुभकामना दी है।

मालदह मंडल में भागलपुर स्टेशन पर अत्याधुनिक रनिंग रूम का उद्घाटन

कोलकाता, समाज्ञा : मालदह मंडल ने चालक दल के कल्याण और परिचालन दक्षता में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 18 जुलाई को भागलपुर रेलवे स्टेशन पर एक आधुनिक रनिंग रूम का उद्घाटन किया। इस सुविधा का लोकार्पण मंडल रेल प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह में मंडल के वरिष्ठ अधिकारीगण भी उपस्थित रहे। यह नवनिर्मित रनिंग रूम विशेष रूप से लोको पायलटों और गार्डों के लिए एक सुरक्षित, स्वच्छ और आरामदायक विश्राम स्थल प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इसमें 14 वातानुकूलित कक्ष हैं, जिनमें दो-दो बिस्तरों की व्यवस्था के साथ कुल 28 बिस्तर हैं। महिला कर्मचारियों की सुविधा के लिए दो कक्ष विशेष रूप से आरक्षित किए गए हैं। रनिंग रूम में आधुनिक सुविधाएं जैसे व्यक्तिगत रीडिंग लैंप, मोबाइल चार्जिंग प्वाइंट्स, रिमोट-नियंत्रित पंखे, ड्रेसिंग टेबल, चप्पलें, कॉमन डाइनिंग रूम, समर्पित रिसेप्शन एरिया, दो केंट आरओ प्यूरीफायर, वाटर चिलर, गीजर युक्त बाथरूम, भारतीय एवं पश्चिमी शैली के शौचालय, 247 विद्युत आपूर्ति और अग्निशमन यंत्र शामिल हैं। यह आधुनिक विश्रामगृह पूर्व रेलवे की अपने अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

स्कॉटिश चर्च कॉलेज में तृणमूल के बैनर लगाए जाने पर विवाद!

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता के स्कॉटिश चर्च कॉलेज में तृणमूल छात्र परिषद (टीएमसीपी) के झंडे और बैनर लगाए जाने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। कॉलेज परिसर में राजनीतिक प्रतीकों की मौजूदगी ने वर्तमान छात्रों और पूर्व छात्रों के बीच गहरी नाराजगी पैदा कर दी है, जो लंबे समय से इस संस्थान की गैर-राजनीतिक छवि पर गर्व करते रहे हैं। एक पूर्व छात्र ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि शैक्षणिक उत्कृष्टता और राजनीतिक तटस्थता के लिए प्रसिद्ध यह कॉलेज अब अपनी उसी छवि को लेकर सवालों के घेरे में आ गया है। छात्रों और पूर्व छात्रों का मानना है कि यह घटना कॉलेज की वर्षों पुरानी परंपराओं और मूल्यों को ठेस पहुंचाने वाली है। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, छात्र समुदाय और पूर्ववर्ती विद्यार्थी वर्ग का एक हिस्सा इस मुद्दे को लेकर कॉलेज प्रशासन से औपचारिक शिकायत दर्ज कराने की तैयारी कर रहा है। वे चाहते हैं कि जल्द से जल्द कोई ठोस कदम उठाकर यह सुनिश्चित किया जाए कि कॉलेज परिसर राजनीतिक हस्तक्षेप से पूरी तरह मुक्त रहे। इस घटना ने उस समय चिंता बढ़ा दी है जब राज्य के कई शिक्षण संस्थानों में राजनीति के बढ़ते प्रभाव को लेकर पहले से ही बहस जारी है। स्कॉटिश चर्च कॉलेज के मामले में यह विवाद इसलिए भी अहम हो जाता है क्योंकि यह संस्थान लंबे समय से एक गैर-राजनीतिक और समर्पित शैक्षणिक वातावरण का प्रतीक माना जाता रहा है कॉलेज प्रशासन की ओर से अब तक इस विषय में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। लेकिन छात्रों और पूर्व छात्रों की लगातार बढ़ती प्रतिक्रिया के बीच प्रशासन पर जल्द कार्रवाई का दबाव बन रहा है।

श्री बड़ाबाजार लोहापट्टी सेवा समिति के सेवा शिविर में सुंदरकाण्ड पाठ

❑ **हज़ारों कांवड़ियों को दी गई गुलाब जामुन से लेकर इडली और अन्य व्यंजनों की सेवा**

कोलकाता, समाज्ञा : श्री बड़ाबाजार लोहापट्टी सेवा समिति के सिंगुर - जामीर बेड़िया स्थित विश्रामगृह में कांवड़ियों की सेवा खूब जमकर की जा रही है। समिति की ओर से अध्यक्ष दिनेश कुमार बिहानी ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि समिति के श्रावण मेला शिविर में दूसरे सप्ताह जय बालाजी भक्त मंडल (मल्लिक फाटक- हावड़ा) द्वारा सुंदरकांड पाठ किया गया। मंडल की ओर से पवन कुमार सांगानेरिया, अशोक कुमार अग्रवाल, पवन कुमार वर्मा, कमल किशोर लखोटिया, रामावतार लोहिया, दामोदर हरलालका, सुशील कुमार बंग ने आयोजन की सफलता में अपना योगदान दिया। रात्रि आयोजित भजन अमृत वर्षा के कार्यक्रम में रमेश बंसल (हिंद मोटर) व उनके साथियों ने भजनों का सुंदर कार्यक्रम प्रस्तुत किया। सचिव गो-विंद रांधड़, कोषाध्यक्ष विकास नेवटिया व संयुक्त सचिव विजय कुमार दारुका ने बताया कि शनिवार को प्रदीप जालान व उनके मित्रों (जरीना 99) ने कांवड़ियों को गुलाब जामुन मिठाई की सेवा प्रदान की तो मनीषजी ने गरमा - गरम केशरिया दूध की सेवा प्रदान की। महेश बेरीवाल की ओर से केसरिया जलेबी की सेवा रही। मेटल क्राफ्ट इंजीनियरिंग (प्रा.) लिमिटेड की ओर से संजय तोदी ने रविवार की सुबह कांवड़ियों के लिए दक्षिण भारतीय व्यंजन इडली की व्यवस्था की। मेला संयोजक सुशील अग्रवाल, सुरेश झुनझुनवाला, मेला सह संयोजक सचिन बेरीवाल, सोमनाथ कुमार, समन्यवयक संजय जैन ने बताया कि इडली बनाने की मशीन और ग्राइंडर मशीन अमरनाथ गुप्ता की कंपनी अमरदीप इस्पात प्राइवेट लिमिटेड की ओर से समिति को प्रदान की गई। रविवार को इस मशीन का उद्घाटन शरद गुप्ता ने किया। दूसरी ओर, मेसर्स रांधड़ स्टील्स के गोविंद रांधड़ ने अपने माता-पिता स्व. बंसीलाल रांधड़ और मनोरमा देवी रांधड़ की स्मृति में भाप से चावल बनाने वाली मशीन कांवड़ियों के सेवा कार्य के लिए समिति को प्रदान की। पंकज गोयल, विकास गोयल, संजय तोदी, शरत गुप्ता, सुरेंद्र बेरीवाल, महेश बिहानी, पवन जालान, पीयूष खेरिया, ललित गोयल, राजेश जोशी, मुरारीलाल जालान, बिनय मरेठिया, श्याम सुंदर टिबड़ेवाल, विपिन बेरीवाल, रोहित सराफ, शिव कुमार अग्रवाल, मनमोहन अग्रवाल, राहुल सराफ, राजीव जालान, बंटी पांडे, विष्णु अग्रवाल, नवनीत सादनी व अन्य सदस्य आयोजन की सफलता के लिए सक्रिय रहे।

भारत क्षत्रिय समाज की नई कार्यकारिणी का गठन, डॉ. राजेश कुमार सिंह बने अध्यक्ष

कोलकाता, समाज्ञा : भारत क्षत्रिय समाज की वार्षिक आम चुनाव के अंतर्गत शनिवार को नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। समाज के मुख्य कार्यालय में आयोजित इस चुनावी सभा में 50 से अधिक कार्यकारिणी सदस्यों ने भाग लिया। सर्वसम्मति से डॉ. राजेश कुमार सिंह को अध्यक्ष, रणधीर सिंह को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, रविंद्र सिंह 'दीपक' को सचिव और मनोज कुमार सिंह 'भवानीपुर' को संयोजक निर्विरोध चुना गया। अन्य प्रमुख पदों पर कांटे की टक्कर में चुनाव संपन्न हुए। इनमें रमेश सिंह को कोषाध्यक्ष, भरत सिंह झाला को संयुक्त कोषाध्यक्ष, सुनील सिंह को संगठन सचिव, संजय सिंह को संयुक्त संगठन सचिव, संतोष सिंह को युवा अध्यक्ष, हरिमोहन सिंह और मनोज सिंह 'हावड़ा' को युवा उपाध्यक्ष, अमरेंद्र सिंह को युवा सचिव, अनुपम सिंह 'बिक्की' को संयुक्त युवा सचिव, परविंदर कुमार सिंह को युवा संगठन सचिव तथा बृजेश कुमार सिंह और संकल्प कुमार सिंह को संयुक्त संगठन सचिव पद पर चुना गया।

चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाए रखने हेतु मुख्य संरक्षक अरविंद कुमार सिंह ने चुनाव आयुक्तों प्रहलाद सिंह, रितेश जायसवाल, दीनानाथ पांडेय और चुनाव पर्यवेक्षक कपिल देव सिंह एवं प्रीतम सिंह की सराहना करते हुए आभार प्रकट किया। इस चुनाव में कुल मतदान प्रतिशत 83% से अधिक रहा।

पूर्व अध्यक्ष रणधीर सिंह और पूर्व सचिव मनोज सिंह 'आदर्श' ने कार्यकारिणी के सदस्यों को संबोधित करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा, हमारा उद्देश्य संगठन के सामाजिक कार्यों को और गति देना है, विशेष रूप से ग्रामीण शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में।

उल्लेखनीय है कि 1980 में स्थापित भारत क्षत्रिय समाज, पूर्वी भारत की एक प्रमुख सामाजिक संस्था है, जो पिछले पाँच दशकों से सामाजिक उत्थान हेतु कार्यरत है। पूर्व कार्यकाल में संगठन द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, गंगासागर सेवा शिविर, रक्तदान शिविर, छठ पर्व सेवा शिविर समेत कई जनसेवा कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। नई कार्यकारिणी की पहली बैठक अगले माह आयोजित की जाएगी, जिसमें वार्षिक कार्ययोजना पर चर्चा के साथ शपथ ग्रहण समारोह भी प्रस्तावित है। संयोजक मनोज कुमार सिंह ने सुझाव दिया कि आगामी बैठक में 7 सितंबर को होने वाले रक्तदान शिविर की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाए।

तृणमूल की कार्यशैली भारत की संस्कृति और लोकाचार के अनुरूप नहीं : शमिक भट्टाचार्य

पीएम मोदी द्वारा 'जय मां दुर्गा' और 'जय मां काली' का नारा लगाए जाने पर तृणमूल की आलोचना पर किया पलटवार

कोलकाता, समाज्ञा : सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर संकीर्ण राजनीतिक हितों के लिए बंगाल में धार्मिक मतभेद पैदा करने का आरोप लगाते हुए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने कहा कि पार्टी लोगों की भावनाओं के साथ खेल रही है और भारत के मूल लोकाचार का उल्लंघन कर रही है, जहां 'भारत' और 'राम' अविभाज्य हैं। भट्टाचार्य शुक्रवार को दुर्गापुर में आयोजित रैली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 'जय मां दुर्गा' और 'जय मां काली' का नारा लगाए जाने पर तृणमूल कांग्रेस की आलोचना का जवाब दे रहे थे। मोदी की रैली के बाद तृणमूल ने भाजपा पर आरोप लगाया था कि पार्टी अपने पहले के नारे 'जय श्री राम' को दरकिनार कर अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले अब जय मां दुर्गा' और 'जय मां काली' का नारा जप रही है।

इसका जवाब देते हुए भट्टाचार्य ने कहा कि राम मोदी समेत हर भाजपा कार्यकर्ता और करोड़ों

भारतीयों के दिलों में गहराई से बसे हैं। उन्होंने कहा कि भारत राम है और राम भारत है। भारत का पूरा भावनात्मक ताना-बाना रामायण से जुड़ा है। लेकिन भारत की जड़ों और संस्कृति से अलग तथा तुष्टीकरण की राजनीति में लिप्त तृणमूल हमारे राष्ट्र की बहुलतावादी प्रकृति को समझने में विफल है। भारत से परे रामायण के सांस्कृतिक प्रभाव का उल्लेख करते हुए भाजपा नेता ने कहा कि इंडोनेशिया में, कई महलों पर हमारे महाकाव्य रामायण के पात्रों के नाम अंकित हैं। भारत इस बहुलवादी डीएनए को साझा करता है। फिर भी, तृणमूल मां काली और दुर्गा पूजा जैसे त्योहारों के जरिए राजनीतिक लाभ लेती है।

बंगाल में 2026 के विधानसभा चुनाव के बाद ऐसी राजनीति जारी नहीं रहने का संकल्प लेते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में मौजूदा कलह तृणमूल की राजनीति के तौर-तरीके के कारण है। हम एक ऐसे बंगाल की शुरुआत करेंगे जहां दुर्गा पूजा विसर्जन और मुहर्रम का शांतिपूर्ण जुलूस एक ही दिन एक ही रास्ते से निकलेगा। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी जैसी कट्टर हिंदू छवि के विपरीत भाजपा में अपने उदारवादी रुख के लिए पहचाने जाने वाले भट्टाचार्य ने कहा कि तृणमूल हालिया हिंसा के लिए जिम्मेदार मुस्लिम समुदाय के भीतर कट्टरपंथी तत्वों को बढ़ावा दे रही है। भट्टाचार्य ने कहा कि क्या तृणमूल ने कभी गरीब, आर्थिक रूप से वंचित मुसलमानों की शिक्षा और उनके उत्थान की परवाह की? जरा सोचिए कि मुस्लिम समुदाय के प्रमुख नेता अपने बच्चों को मदरसों में नहीं बल्कि कुलीन शिक्षण संस्थानों में भेजते हैं, ऐसा क्यों?

दोस्त से मिलने निकले युवक का शव ड्रेन से बरामद, मौत के कारणों की जांच जारी

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा के चटर्जीहाट इलाके के बेलपोआल स्थित ड्रेन से रविवार सुबह एक लापता युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गयी। मृतक का नाम मानस करी (32) है, जो रामराजातला के ब्रजनाथ लाहिड़ी लेन का निवासी था। जानकारी के अनुसार, मानस करी शनिवार की शाम को दोस्त से मिलने के लिए घर से निकला था, लेकिन रात बीतने के बाद भी वह घर वापस नहीं लौटा और उसका मोबाइल भी बंद पाया गया। परिवार ने आसपास के इलाके में उसकी तलाश की, लेकिन कोई पता नहीं चला। रविवार सुबह परिवार के सदस्य फिर से खोजबीन में लगे हुए थे तभी उन्हें ड्रेन में युवक के शव होने की सूचना मिली। तुरंत परिवार के लोग घटनास्थल पर पहुंचे और युवक को पहचान लिया। पुलिस और दमकल विभाग के कर्मचारी भी मौके पर पहुंच गए और शव को ड्रेन से बाहर निकाला गया। अब मौत के कारणों को लेकर सवाल उठ रहे हैं कि यह हादसा है या हत्या। इलाके के एक दुकानदार ने बताया कि रात को दो युवक शराब पीते हुए देखे गए थे। क्या शराब के नशे में युवक ड्रेन में गिर गया, या फिर कुछ और घटना हुई? यदि ऐसा हुआ तो साथी दोस्त उसकी मदद क्यों नहीं कर पाया और वह कहां गया? ये सभी सवाल जांच की मुख्य बिंदु बने हुए हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और इलाके के सीसीटीवी फुटेज की भी जांच कर रही है। इस घटना से इलाके में सुरक्षा को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

मल्लारपुर में तृणमूल नेता की बम मारकर हत्या, एक गिरफ्तार

बीरभूम : 21 जुलाई को तृणमूल कांग्रेस की शहीद दिवस रैली से शनिवार की रात को बीरभूम जिले के मल्लारपुर थाना अंतर्गत विषियाग्राम गांव में एक तृणमूल नेता की बम मारकर हत्या कर दी गई। मृतक का नाम बाइतुल्ला शेख (40) है। वह स्थानीय पंचायत समिति के पूर्व मत्स्य कार्याध्यक्ष रह चुके थे। पुलिस और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, बाइतुल्ला शेख इलाके में एक जाना-पहचाना चेहरा थे। उनकी पत्नी वर्तमान में पंचायत समिति में मत्स्य कार्याध्यक्ष पद पर कार्यरत हैं। शनिवार की रात लगभग 8 बजे वे गांव के ही एक चाय की दुकान पर पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों के साथ बातचीत कर रहे थे, तभी कुछ अज्ञात हमलावरों ने दुकान को घेर लिया और उन पर लगातार तीन बम फेंके। घटना के बाद इलाके में

अफरा-तफरी मच गई। हमलावर अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल बाइतुल्ला को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की खबर मिलते ही पुलिस की एक बड़ी टीम मौके पर पहुंची और पूरे इलाके को घेरकर जांच शुरू कर दी गई है। इस हत्याकांड से पूरे इलाके में दहशत फैल गई है। पुलिस ने अब तक हत्या के सिलसिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी का नाम याफर शेख उर्फ बशीर शेख (70) है। उसे रविवार की तड़के करीब 3:15 बजे गांव के एक खेत से गिरफ्तार किया गया। आरोपी को रविवार को रामपुरहाट उपजिला न्यायालय में पेश किया गया। इस बीच, इस घटना में पांच अन्य लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है।

नियंत्रण खो बैठी लॉरी सड़क किनारे दुकान में जा घुसी, बड़ा हादसा टला

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा जिले के बागनान-आमता रोड पर शनिवार रात एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब माल से लदी एक लॉरी अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित एक किराने के दुकान में घुस गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दुर्घटना के समय कुछ स्थानीय युवक दुकान के पास ही बैठकर बातचीत कर रहे थे। जैसे ही उन्होंने लॉरी को असंतुलित होते देखा, तुरंत सतर्कता दिखाते हुए वहां से हट गए, जिससे जान-माल की बड़ी क्षति टल गई। घटना के बाद लॉरी चालक मौके से फरार हो गया। रात में जब पुलिस मौके पर पहुंची और लॉरी को हटाने की कार्रवाई शुरू की, तो स्थानीय निवासियों ने घेराव कर विरोध

प्रदर्शन किया। उन्होंने प्रशासन से उचित मुआवजे की मांग की। किराना दुकान के मालिक शेख बबलू ने मांग की है कि उनकी दुकान को जिस स्थिति में यह हादसा हुआ, उसी स्थिति में पुनर्स्थापित किया जाए। उन्होंने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की अपील की है। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव और आक्रोश का माहौल देखा गया।

धर्मतल्ला की विशाल सभा हेतु हावड़ा में जुट रहे हैं कार्यकर्ता, प्रशासन सतर्क

हावड़ा, समाज्ञा : बंगाल में आज होने वाली तृणमूल कांग्रेस की धर्मतल्ला सभा के लिए रविवार सुबह से ही पार्टी के कार्यकर्ता उत्तर बंगाल के विभिन्न जिलों से हावड़ा आने लगे हैं। तृणमूल कांग्रेस के नेतृत्व ने बताया कि पूरे दिन उत्तर बंगाल और दक्षिण बंगाल के कई जिलों से भारी संख्या में कार्यकर्ता हावड़ा पहुंचेंगे। हावड़ा स्टेशन के पास कार्यकर्ताओं के स्वागत और सुविधा के लिए जिला मुख्यालय की ओर से विशेष गेट और मंच का निर्माण किया गया है। साथ ही बसों की व्यवस्था भी की गई है, ताकि कार्यकर्ताओं को सीधे हावड़ा स्टेशन से गीतांजलि

स्टेडियम, साल्टलेक स्टेडियम, क्षुदिराम अभ्यास केंद्र सहित अन्य शिविरों तक पहुंचाया जा सके। इसके अलावा, सलकिया के श्रीराम बाटिका, श्याम गार्डेन और अन्य स्थानों पर रात भर ठहरने और भोजन का भी प्रबंध किया गया है। रविवार सुबह राज्य के खाद्य प्रसंस्करण विभाग के मंत्री अरूप राय और हावड़ा सदर तृणमूल कांग्रेस के अध्यक्ष एवं उत्तर हावड़ा विधायक गौतम चौधरी श्याम गार्डेन पहुंचे, जहां उन्होंने भोजन व्यवस्था का जायजा लिया। इस बार के मेनू में चावल और अंडा आलू की सब्जी शामिल है। मंत्री अरूप राय ने बताया कि लगभग 20 हजार लोगों के खाने-पीने का इंतजाम किया गया है। हावड़ा स्टेशन से कार्यकर्ताओं को बसों के जरिए श्याम गार्डेन लाया जाएगा, जहां वे रात बिताएंगे। अगले दिन सुबह उन्हें खिचड़ी खिलाकर धर्मतला सभा में ले जाया जाएगा। तृणमूल सुप्रीमो और राज्य के मुख्यमंत्री 2026 विधानसभा चुनाव से पहले इस सभा के माध्यम से क्या राजनीतिक संदेश देंगे, इस पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।

दारकेश्वर नदी में मिला महिला का शव

बांकुड़ा : जिले की दारकेश्वर नदी एक बार फिर दुखद सुर्खियों में है। रविवार की सुबह बिष्णुपुर थाना क्षेत्र के दमदमा फेरी घाट पर इस नदी से एक महिला का शव बरामद किया गया। मृतका की पहचान माला शीट (60) के रूप में हुई है, जो ओंडा थाना अंतर्गत अलिथा गांव की निवासी थीं। स्थानीय नाविकों ने सुबह के वक्त नौका घाट के समीप नदी में शव को तैरते देखा और तत्काल उसे किनारे लाकर पुलिस को सूचना दी। बिष्णुपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिष्णुपुर जिला अस्पताल भेजा। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने आशंका जताई है कि महिला नदी में नहाने के दौरान बहाव की चपेट में आ गई और डूबने से उसकी मौत हो गई। नदी की तेज धारा और बारिश के कारण बढ़े जलस्तर को इस घटना का कारण माना जा रहा है।

51 जोड़ों ने किया महा रुद्राभिषेक, गूंजा 'हर हर महादेव'

हुगली, समाज्ञा : जिले के हिन्दमोटर स्थित बिड़ला चौरस्ता इलाके में संकल्प संस्था के तरफ भाजपा नेता पंकज राय के नेतृत्व में शिव मंदिर में एक भव्य महा रुद्राभिषेक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 51 जोड़ों ने एक साथ देवों के देव महादेव का पूजन-अभिषेक किया। श्रद्धालुओं ने बेलपत्र, धतूरा, शर्करा, गन्ने का रस, दूध, गंगाजल, फल-फूल आदि समर्पित करते हुए भगवान शिव की विधिपूर्वक आराधना की। रुद्राष्टाध्यायी एवं महामृत्युंजय मंत्रों के उच्चारण से वातावरण भक्तिमय हो उठा। विशेष रूप से इस आयोजन में बनारस से आमंत्रित विद्वान पंडितों ने पूरे वैदिक विधि-विधान से रुद्राभिषेक पाठ संपन्न कराया। पार्थिव शिव परिवार का पूजन व अभिषेक किया गया। इस

महा रुद्राभिषेक कार्यक्रम में विशेष अतिथि के तौर पर शिरकत करने आए भाजपा नेता दिलीप घोष ने 21 जुलाई को तृणमूल में शामिल होने के प्रसंग पर कहा इंतजार करिए आगे होता है क्याबिहार शूटआउट मामले में दिलीप घोष ने कल्याण बनर्जी के आरोप की धजिया उड़ते हुए कहा कि मेरे पास प्रमाण है कि समाज विरोधियों की खान कल्याण बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस है।

विदेश की खबरें

गाजा में राहत सामग्री का इंतजार कर रहे 73 लोग मारे गए : फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय

दीर अल बलाह : फलस्तीन क्षेत्र के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि रविवार को गाजा में विभिन्न स्थानों पर राहत सहायता की प्रतीक्षा करने के दौरान 73 लोग गोलीबारी में मारे गए। स्वास्थ्य मंत्रालय और स्थानीय अस्पतालों के अनुसार, सबसे अधिक मौतें उत्तरी गाजा में हुईं, जहां इजराइल के साथ लगने वाली जिकिम सीमा के जरिये उत्तरी गाजा में आ रही राहत सामग्री का इंतजार कर रहे कम से कम 67 फलस्तीनी मारे गए। अस्पतालों के अनुसार, 150 से ज़्यादा लोग घायल हुए हैं, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि ये लोग इजराइली सेना की

गोलीबारी में मारे गए या हथियारबंद गिरोहों ने उन्हें निशाना बनाया। लेकिन कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि इजराइली सेना ने भीड़ पर गोलियां चलाईं। उत्तरी गाज़ा में ये गोलीबारी गाज़ा मानवतावादी कोष (जीएचएफ) से जुड़े सहायता वितरण केंद्रों के पास नहीं हुई। जीएचएफ अमेरिकी और इज़राइल समर्थित समूह है जो फलस्तीनियों को खाद्य सामग्री वितरित करता है। प्रत्यक्षदर्शियों और स्वास्थ्य कर्मियों का कहना है कि समूह के वितरण केंद्रों तक पहुंचने की कोशिश करते समय सैकड़ों लोग इजराइली गोलीबारी में मारे गए हैं। इस बीच, इज़राइली सेना ने रविवार को मध्य गाजा के इलाकों के लिए नयी निकासी चेतावनियां जारी कीं। यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब इजराइल और हमास कतर में युद्ध विराम वार्ता कर रहे हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थों का कहना है कि इसमें कोई सफलता नहीं मिली है। इस महीने की शुरुआत में, इजराइली सेना ने कहा था कि गाजा पट्टी के 65 प्रतिशत से अधिक हिस्से पर उसका नियंत्रण है। गाजा के जिस क्षेत्र को खाली करने का आदेश दिया गया है, वहां कई अंतरराष्ट्रीय संगठन स्थित हैं जो राहत सामग्री वितरित करने का प्रयास कर रहे हैं।

कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी ने गो-रक्षा के लिए हर परिवार से किया वार्षिक गो-संरक्षण के संकल्प का आह्वान

आओ करें ये वादा गो-सेवा हम करेंगे, सबमें रुचि जगा कर इतिहास हम रचेंगे : पं. विजय शंकर मेहता

कोलकाता, समाज्ञा : गो सेवा को समर्पित देश की 140 वर्ष प्राचीन एवं अग्रणी संस्था कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी की ओर से गो-संरक्षण, गो-संवर्धन, गो-पूजन, एवं गो सेवा के क्षेत्र में जन-जागृति हेतु तपसिया के ओजस बैंक्वेट हॉल में आयोजित तीन दिवसीय विलक्षण गो-कथा का आज समापन हो गया। व्यास पीठ से पं. विजय शंकर मेहता (हमारे हनुमान परिवार, उज्जैन) ने अपने सुरीले कंठ से आओ करें ये वादा गो-सेवा हम करेंगे गो-दान हम करेंगे, सबमें रुचि जगा कर इतिहास हम रचेंगे। जैसे अत्यंत मर्मस्पर्शी भजन के जरिए लोगों का आह्वान किया कि गो - संरक्षण के लिए कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी द्वारा आयोजित इस गो-कथा को सार्थक करते हुए हम सभी न केवल स्वयं गो-संरक्षण का संकल्प लें अपितु हमारे इष्ट मित्र, सगे संबंधी जन-जन को इसके लिए प्रेरित करे,संकल्पित करें विशेष कर इस कार्य में युवा पीढ़ी में रुचि जगाये। अगर हम इसमें कामयाब हो गए तो सम्पूर्ण गो-वंश सुरक्षित हो जायेगा। इससे पूर्व, आज के कथा प्रसंग के अनुसार हमारे निजी जीवन को भगवान विष्णु तथा सतोगुण से जोड़ते हुए गाय को केन्द्र में रखकर आत्मा की गहरी व्याख्या की। उन्होंने गोमाता का महत्व स्थापित करते हुए कहा - गाय भारत की रीढ़ और किसानों की कुंजी है। मनुष्य जाति के पालन में जितना योगदान गाय का है, उतना अन्य किसी प्राणी का कभी नहीं रहा। परंतु विडंबना है कि हमने गाय को तो हार पहनाए, पर गाय के शत्रुओं को हरा नहीं पाये और वे लगातार हमें हराते गए। उन्होंने कथा प्रसंग को विस्तार देते हुए कहा कि हिन्दू धर्म का सबसे बाह्य स्वरूप है गोरक्षा।

भारत की जो धरती कभी गोबर-गोमूत्र से सिंचित होती थी, वह अब गोरक्त से रंजित हो रही है। गायें कसाईयों के हाथों बेच दी जा रही हैं। यह लेन-देन तोड़नाहोगा,वरना शांति हमारे लिए दूर की कौड़ी हो जाएगी। उन्होंने कहा कि पृथ्वी का सबसे बड़ा आहार गोबर-गोमूत्र है। इससे तृप्ति पाकर धरती माता पूरी मानव जाति को तृप्त करती है। इसलिए हमें हर हाल में गोवंश को नष्ट होने से बचाना होगा। बिना गाय के परिवार अधूरा माना जाता है । राजभवन से लेकर एकांतवासी मुनि की कुटिया तक दोनों स्थानों पर गाय का स्थान आदरणीय है। गाय का अस्तित्व समूची मानव जाति के हित में है क्योंकि जब हम गोमाता से जुड़ते है तो विश्वास करिये समृद्धि, स्वास्थ्य ये सब तो मिलेगा ही पर सबसे बड़ी बात शांति प्राप्त होती है। कौन दावा कर सकता है कि उसके जीवन में परेशानी नहीं है। एक मिटाओ दूसरी आ जाती है। लेकिन गो-सेवा, गो-सानिध्य, गो-स्पर्श, गो-ध्यान हमारे जीवन को आत्मविश्वास से भर देता है। महाराजश्री ने कहा कि हम मनुष्य बना दिए गए हैं इससे बड़ी उपलब्धि और क्या होगी कि भगवान ने हमको इंसान बना दिया और चूंकि हम मनुष्य बनाएं गए हैं तो भगवान को हम दो वक्त आभार व्यक्त करें। सुबह उठने के बाद और रात में सोने से पहले। वो सारे काम जो मनुष्य करता है पशु भी करता है लेकिन एक काम ऐसा है जो सिर्फ मनुष्य ही कर सकता है पशु नहीं और वो है आत्मा तक की यात्रा। अगर आप अपनी आत्मा को स्पर्श करना चाहे तो आत्मा तक जाने के लिए जीतने साधन है उसमें गो-सेवा बड़ा सरल साधन है। इसलिए हर साँस पर संकल्प लीजिए अपनी हैसियत से बाहर जाकर गो-सेवा करेंगे। हैसियत में तो सभी कर लेते हैं।

आज कथा प्रारंभ से पूर्व सुरेन्द्र चमड़िया- राजकमल बांगड़ ने गो-वंदना प्रस्तुत की । तत्पश्चात सोसाइटी के ट्रस्टी पद्मश्री सज्जन भजनका और सजन कुमार बंसल, मुख्य यजमान दिलीप चौधरी, आज के दैनिक यजमान पुरूषोत्तम परसरामपुरिया, सुरेश कुमार झुनझुनवाला, द्वारिका प्रसाद टांटिया, पंकज सेकसरिया, नरेश जालान, निर्मल अग्रवाल ने व्यास पीठ का पूजन कर महाराजश्री से शुभाशीष प्राप्त किया जबकि महाबीर मणकसिया, गोविंद राम ढाणेवाला, मुरारीलाल खेतान , रामस्वरूप अग्रवाल, प्रदीप-देवराज रावलवासिया, बिनोद सुल्तानिया, सुशील चौधरी, महावीर बजाज, बशीधर शर्मा, गौतम झुनझुनवाला, संचालक प्रकाश चंडालिया, नितीन सिंघी, मनोज चेतानी, मालीराम अग्रवाल, अनुराग गुप्ता के अलावा सोसाइटी के कलकत्ता कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों, रानीगंज शाखा के पदाधिकारियों व कथा में अल्पाहार व्यवस्थापक रतनगढ़ नागरिक परिषद कोलकाता के वरिष्ठ सदस्यों ने भी व्यास पीठ को नमन कर महाराजश्री से आशीर्वाद प्राप्त किया। सज्जन भजनका, पुरुषोत्तम परसरामपुरिया और सुरेश कुमार झुनझुनवाला ने इस गो-कथा को गो-संरक्षण के प्रति जन-जागरण बताते हुए आह्वान किया कि अगर हम गो-रक्षा करना चाहते हैं, गो-हत्या रोकना चाहते हैं तो हर परिवार को कम से कम एक गोवंश के संरक्षण का संकल्प लेना होगा। सोसाइटी के अध्यक्ष रमेश कुमार सरावगी, मंत्री पवन कुमार टिबड़ेवाला, कथा आयोजन समिति के अध्यक्ष सुरेश चंद्र बंसल और संयोजक देवकीनंदन तोदी ने कथा के सफल आयोजन में सहभागी सभी के प्रति हार्दिक स्वागत आभार जताया जबकि मिडिया प्रभारी सुरेन्द्र चमड़िया ने प्रिंट, सोशल एवं डिजिटल मिडिया के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की संचालन प्रकाश चंडालिया ने किया। आयोजन की सफलता में गौरीशंकर कालुका, सुरेन्द्र प्रसाद पटवारी, बिमल मल्लावत, महेश भुवालका, अनुराग गुप्ता, नन्दलाल सुनिल सिंघानिया, संदीप तुलस्यान, सत्येंद्र अग्रवाल, बिजय निगानिया, कमल केडिया, रमेश लोढा आदि विशेष रूप से सक्रिय रहे।

नेपाल के प्रधानमंत्री ओली सितंबर के मध्य में भारत का दौरा करेंगे

काठमांडू : नेपाल के प्रधानमंत्री के. पी. शर्मा ओली सितंबर के मध्य में भारत की आधिकारिक यात्रा करेंगे। विदेश मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लोक बहादुर छेत्री ने कहा, ''प्रधानमंत्री की आगामी यात्रा की तैयारियां जारी हैं। हालांकि, यात्रा की तारीख और विस्तृत कार्यक्रम अभी तय नहीं हुए हैं। हालांकि, प्रधानमंत्री कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि ओली 16 सितंबर को भारत की आधिकारिक यात्रा करेंगे। सूत्रों ने बताया कि इस बार यह यात्रा संक्षिप्त होगी, संभवतः सिर्फ दो दिन के लिए ही होगी। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (यूनिफाइड मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के अध्यक्ष ओली पिछले साल जुलाई में, चौथी बार प्रधानमंत्री बने थे। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी को सीपीएन-यूएमएल के नाम से भी जाना जाता है। ओली प्रधानमंत्री पद का संभालने के बाद पहली विदेश यात्रा के तौर पर भारत आने की बजाय चीन गए थे। उन्होंने पिछले वर्ष दिसंबर में चीन के प्रधानमंत्री ली. कियांग के निमंत्रण पर उक्त देश का दौरा किया था। ओली ने अपनी चार दिवसीय यात्रा के दौरान बीजिंग में पीकिंग यूनिवर्सिटी में एक कार्यक्रम को संबोधित किया था तथा राष्ट्रपति शी चिनफिंग और प्रधानमंत्री कियांग से मुलाकात की थी।

द. कोरिया में भारी बारिश से 17 लोगों की मौत, 11 अन्य लोग लापता

सियोल : दक्षिण कोरिया में पांच दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश की वजह से 17 लोगों की मौत हो गई और 11 अन्य लोग लापता बताये जा रहे हैं। सरकार ने रविवार को यह जानकारी दी। गृह एवं सुरक्षा मंत्रालय ने बताया कि रविवार को भारी बारिश के दौरान एक घर के ढह जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और सियोल के उत्तर-पूर्व में स्थित गैप्योंग शहर में एक अन्य व्यक्ति उफनती नदी में बह गया, जिसका बाद में शव बरामद किया गया। मंत्रालय ने बताया कि सप्ताहांत में दक्षिणी शहर सांचियोंग में भारी बारिश के कारण भूस्खलन, घर ढहने और अचानक आई बाढ़ के बाद 10 लोग मृत पाए गए और चार अन्य लापता बताए गए। मंत्रालय की एक रिपोर्ट में बताया गया कि ग्वांगजू में एक व्यक्ति की मौत हो गई। रिपोर्ट

के मुताबिक, ग्वांगजू, गैप्योंग और अन्य जगहों पर सात अन्य लोग लापता बताये जा रहे हैं। मंत्रालय की एक रिपोर्ट में कहा गया कि गैप्योंग और दक्षिणी शहर ग्वांगजू में छह लोग लापता हैं। पिछले सप्ताह की शुरुआत में एक डूबी हुई कार में तीन लोग मृत पाए गए थे और भारी बारिश के दौरान सियोल के दक्षिण स्थित ओसान में एक ओवरपास की दीवार ढह जाने के बाद मिट्टी तथा कंक्रीट में कार दब गई, जिस पर सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई थी।

जापान के ऊपरी सदन के चुनाव में सत्तारूढ़ गठबंधन के हारने की संभावना: एग्जिट पोल

तोक्यो : जापान के ऊपरी सदन में रविवार को हुए मतदान में प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा और उनके सत्तारूढ़ गठबंधन की हार की संभावना है। एग्जिट पोल में यह जानकारी दी गई। यदि उनकी हार होती है तो इससे देश में राजनीतिक अस्थिरता और बढ़ सकती है। मतदाता जापान की संसद 'डायट' के दोनों सदनों में से कम शक्तिशाली उच्च सदन की 248 सीट में से 124 पर फैसला कर रहे हैं। शुरुआती नतीजे रविवार रात तक आने की उम्मीद है। एग्जिट पोल के आंकड़ें इशिबा ने 125 सीट के साधारण बहुमत का लक्ष्य रखा है जिसका मतलब है कि उनकी 'लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी' और उसके बौद्ध समर्थित गठबंधन सहयोगी कोमेइतो को पहले से मौजूद 75 सीट में 50 सीट और जीतने की जरूरत है। यह संख्या चुनाव से पहले उनके पास मौजूद 141 सीट से काफी कम है। रविवार रात को मतदान समाप्त होने के कुछ ही सेकंड बाद जारी किए गए एग्जिट पोल के नतीजों में ज्यादातर इशिबा के गठबंधन को बड़ा झटका लगा है। जापान के एनएचके टेलीविजन में जारी एग्जिट पोल के अनुसार, प्रधानमंत्री के गठबंधन को 32-51 सीट मिलने का अनुमान लगाया गया है जबकि अन्य चैनलों ने अनुमान लगाया है कि उनके गठबंधन को 40 से अधिक सीट मिल सकती है। इशिबा ने पद पर बने रहने का संकल्प लिया प्रधानमंत्री की पार्टी एलडीपी को सिर्फ 32 से 35 सीटें मिलने की संभावना है जो इस पार्टी द्वारा जीती जाने वाली सबसे कम सीटें होंगी जबकि अभी तक यह संसद में नंबर एक पार्टी है। इशिबा ने एनएचके को सीधे प्रसारित हो रहे साक्षात्कार में कहा, ''यह एक कठिन स्थिति है। मैं इसे विनम्रता और ईमानदारी से स्वीकार करता हूं।'' इशिबा ने कहा कि उनकी पार्टी के खराब प्रदर्शन का कारण यह भी हो सकता है कि उनकी सरकार ने महंगाई को कम करने के लिए जो उपाय किए हैं उसका अभी तक लोगों को फायदा नहीं मिल पाया है। इशिबा ने आर्थिक और सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए पद पर बने रहने का दृढ़ संकल्प दिखाया। उन्होंने कहा, ''मैं नंबर वन पार्टी के प्रमुख के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाऊंगा और देश के लिए काम करूंगा।''

रूस के प्रशांत अपतटीय क्षेत्र में दो बार बड़े भूकंप आने के बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गई

मॉस्को : प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने रविवार को समुद्र में दो बार भूकंप आने के बाद रूस के कामचातका प्रायद्वीप के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की है। इनमें से एक भूकंप की तीव्रता 7.4 मापी गई। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, बड़े भूकंप का केंद्र पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की शहर के 144 किलोमीटर पूर्व में 20 किलोमीटर की गहराई में था। शहर की आबादी 1,80,000 है। इससे कुछ मिनट पहले नजदीकी इलाके में 6.7 तीव्रता का भूकंप आया था। जर्मन भूविज्ञान अनुसंधान केंद्र (जीएफजेड) ने संकेत दिया है कि रविवार तड़के रूस के सुदूर पूर्वी भाग में कामचातका तट के पास 6.5 से ज्यादा तीव्रता के दो भूकंप आए। भूकंप की तीव्रता 6.6 और 6.7 मापी गई तथा दोनों के केंद्र की गहराई 10 किलोमीटर मापी गई।

न्यूज इन ब्रीफ

सर्पदंश से बुजुर्ग महिला और उसके पौत्र की मौत

बलिया (उप्र) : बलिया जिले के हल्दी क्षेत्र में सर्पदंश से एक बुजुर्ग महिला और उसके पौत्र की मौत हो गयी। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर सुजीत कुमार यादव ने रविवार को बताया कि हल्दी थाना क्षेत्र के शुक्ल छपरा गांव में शनिवार रात भोजन करने के बाद 65 वर्षीय फूल पत्ती देवी अपने पौत्र कान्हा (छह) के साथ एक ही चारपाई पर सो रही थी और रविवार तड़के दोनों को सांप ने डस लिया। उन्होंने बताया कि परिजनों ने दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उपचार के दौरान दोनों की मौत हो गयी।

मुजफ्फरनगर में अलग-अलग हादसों में दो कांवड़ियों की मौत, आठ घायल

मुजफ्फरनगर (उप्र) : मुजफ्फरनगर जिले में दिल्ली-हरिद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग पर दो अलग-अलग हादसों में दो कांवड़ियों की मौत हो गई तथा आठ अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पहली घटना में कैराना निवासी अभिषेक (28) नामक एक कांवड़िये की शनिवार देर रात छपार थाना क्षेत्र में बरला पुल के पास दो मोटरसाइकिलों की जोरदार टक्कर में मौत हो गई तथा चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये। उन्होंने बताया कि अभिषेक और उसका दोस्त मनीष कटारिया गंगा नदी से पवित्र जल लेने के लिए कैराना से हरिद्वार जा रहे थे, तभी उनकी मोटरसाइकिल विपरीत दिशा से आ रहे एक अन्य दोपहिया वाहन से टकरा गई। अभिषेक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। एक अन्य घटना में शनिवार को पुरकाजी थाना क्षेत्र के सलीमपुर बाईपास के पास दो मोटरसाइकिलों की टक्कर में अनिल (23) नामक कांवड़िये की मौत हो गई तथा चार अन्य घायल हो गये।

झारखंड : जंगल में लगाए गए 14 आईईडी बरामद

चाईबासा : झारखंड में सुरक्षाबलों ने रविवार को पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां जिलों की सीमा पर स्थित वन क्षेत्र से माओवादियों द्वारा लगाए गए 14 आईईडी बरामद किए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पश्चिमी सिंहभूम के पुलिस अधीक्षक (एसपी) राकेश रंजन ने बताया कि उन्हें खुफिया सूचना मिली थी कि पश्चिमी सिंहभूम के टोकलो थाना क्षेत्र की सीमा पर स्थित वन क्षेत्र और सरायकेला-खरसावां के कुचाई थाना क्षेत्र में में भारी मात्रा में विस्फोटक रखे गए हैं। यह विस्फोटक नक्सल विरोधी अभियान को बाधित करने के लिए रखे गए थे। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), झारखंड जगुआर और दोनों जिलों की सशस्त्र पुलिस के जवानों की एक संयुक्त टीम गठित की गई। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, अभियान के दौरान सुरक्षाकर्मियों ने जंगल से 14 आईईडी बरामद किए, जिनमें से प्रत्येक का वजन दो किलोग्राम था। उन्होंने एक देशी हथगोला, अमोनियम नाइट्रेट पाउडर और एक स्टील कंटेनर भी बरामद किया है।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सैनिकों को खान-पान की चीजें मुहैया कराने वाले लड़के का खर्च उठाएगी सेना

चंडीगढ़ : भारतीय सेना ने रविवार को कहा कि वह दस साल के उस लड़के की पढ़ाई का खर्च उठाएगी जिसने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पंजाब के एक गांव में गोलीबारी के समय सैनिकों को खान-पान की चीजें मुहैया कराई थीं। शावन सिंह, तारा वाली गांव में तैनात सैनिकों के लिए काम करता था। गोलीबारी शुरू होने पर, सिंह सैनिकों के लिए पानी, बर्फ, चाय, दूध और लस्सी लेकर गया। लड़के के साहस और उत्साह को देखते हुए भारतीय सेना की गोल्डन एरो डिवीजन ने उसकी शिक्षा का पूरा खर्च उठाने का वादा किया है। शनिवार को फिरोजपुर छावनी में एक समारोह के दौरान, पश्चिमी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार ने लड़के को सम्मानित भी किया। सेना ने कहा कि शावन की कहानी देश भर के उन नायकों की याद दिलाती है जो सम्मान व समर्थन के हकदार हैं।

बलिया में बीटीसी छात्रा के आत्महत्या मामले में दो आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

बलिया (उप्र): बलिया जिले के रसड़ा थाना क्षेत्र में जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान में बीटीसी (बेसिक ट्रेनिंग सर्टिफिकेट) छात्रा के कथित रूप से फांसी लगाकर आत्महत्या मामले में दो व्यक्तियों के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज की गयी है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार बुधवार की शाम जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान, पकवाइनार के एक भवन में बीटीसी की छात्रा प्रिया गिरि (25) का शव दुपट्टे के फंदे से लटका मिला था।

असामाजिक तत्व कांवड़ यात्रा की आड़ में माहौल खराब करने की कोशिश कर सकते हैं: मुख्यमंत्री योगी

मेरठ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि कुछ असामाजिक तत्व कांवड़ यात्रा की आड़ में माहौल खराब करने की कोशिश कर सकते हैं। योगी ने मेरठ में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, 'कांवड़ यात्रा श्रद्धा, अनुशासन और लोक कल्याण की प्रतीक है। सरकार की प्राथमिकता है कि यह यात्रा निर्विघ्न संपन्न हो, लेकिन जो भी व्यक्ति हुड़दंग या तोड़फोड़ करेगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कानून हाथ में लेने की किसी को अनुमति नहीं है।' मुख्यमंत्री ने चेतावनी देते हुए कहा कि उपद्रवियों से निपटने के लिए पुलिस दस्ते तैयार हैं और कांवड़ यात्रा समाप्त होने के बाद उपद्रवियों को चिन्हित कर उनके पोस्टर लगाने का काम भी होगा। उन्होंने कहा कि यात्रा मार्गों की निगरानी के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से उपद्रवियों की पहचान कर उन्हें चिन्हित किया जा रहा है। योगी ने रविवार को मेरठ पहुंचकर कांवड़ यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा की और यात्रा के सुचारू संचालन के लिए प्रशासनिक तैयारियों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने साफ किया, भक्ति

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांवड़ियों पर फूल बरसाए

में बाधा डालने वालों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर दोपहर करीब 12 बजे शोभित विश्वविद्यालय परिसर में उतरा, जिसके बाद उन्होंने मोदीपुरम क्षेत्र में दुल्हेड़ा चौकी के पास बनाए गए मंच से कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा की। इस दौरान 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। मंच पर राज्यसभा सदस्य लक्ष्मीकांत वाजपेयी, राज्य सरकार में मंत्री सोमेंद्र तोमर और अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक कांवड़ संघ से ऐसे किसी भी तत्व का पर्दाफाश करने का आग्रह किया, जो इस यात्रा को बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं और उपद्रव कर रहे हैं। योगी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, हमें यह ध्यान रखना होगा कि कुछ तत्व लगातार इस उत्साह को भंग करने और इस भक्ति व आस्था को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे तत्वों द्वारा सोशल मीडिया मंचों के साथ-साथ प्रत्यक्ष रूप से भी कांवड़ यात्रा को बदनाम करने की कोशिशें की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं से किसी भी प्रकार की संदेहास्पद गतिविधि दिखाई देने पर तत्काल प्रशासन को सूचित करने की अपील की। इससे पहले योगी ने मेरठ से मुजफ्फरनगर तक कांवड़ मार्ग का हवाई सर्वेक्षण किया और सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने यह भी कहा कि शिव भक्ति का मूल भाव संयम, अनुशासन और सहभाव है। योगी ने कहा, सभी शिवभक्तों का दायित्व है कि वह कांवड़ ले जाते समय दूसरों की परेशानी को भी समझें। अपने सह कांवड़ यात्रियों, अन्य शिवभक्तों तथा राहगीरों की सुविधाओं का ध्यान रखें। मुख्यमंत्री ने पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा, '2017 से पहले कांवड़ यात्रा को लेकर प्रशासनिक रवैया नकारात्मक था। यात्रा में बाधाएं डाली जाती थीं। लेकिन अब सरकार श्रद्धालुओं के साथ है और पूरी तत्परता से सेवाएं दे रही है।'

लोकलुभावन उपायों से मेरे पिता एक बार फिर बिहार के मुख्यमंत्री बनेंगे: निशांत

पटना : बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत ने रविवार को उम्मीद जताई कि हाल के दिनों में कई लोकलुभावन उपायों की घोषणा किये जाने के बाद राज्य की जनता उनके पिता को फिर से सत्ता में लाएगी। निशांत ने पटना के 'महावीर स्थान' में पत्रकारों से संक्षिप्त बातचीत में यह बात कही। निशांत अपने जन्मदिन पर 'महावीर स्थान' पहुंचे और इस मंदिर को राज्य का सबसे बड़ा हनुमान मंदिर माना जाता है। निशांत ने कहा, मेरी मां जब जीवित थीं, तब इस दिन रुद्राभिषेक का आयोजन कराने के साथ गरीबों को भोजन कराती थीं। उनके निधन (2007 में) के बाद, हमने इस परंपरा को निभाने की कोशिश की है। निशांत अपने माता-पिता की इकलौती संतान हैं। यह पूछने पर कि क्या उन्होंने आगामी विधानसभा चुनावों में अपने पिता की जीत के लिए प्रार्थना की है, निशांत ने मंद मुस्कान के साथ कहा, चुनाव वाकई नजदीक है। मुझे उम्मीद है कि बिहार के लोग राजग (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) को वोट देंगे और मेरे पिता को एक और मौका देंगे। उन्होंने (नीतीश) बिहार के लिए बहुत कुछ किया है।

दुनिया के सबसे बुजुर्ग मैराथन धावक फौजा सिंह का पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया

जालंधर : दुनिया के सबसे उम्रदराज मैराथन धावक फौजा सिंह का रविवार को उनके पैतृक गांव ब्यास में पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार कर दिया गया। वह 'टर्बन्ड टॉरनेडो' के नाम से जाने जाते थे। पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया, मुख्यमंत्री भगवंत मान और मंत्री मोहिंदर भगत अंतिम संस्कार में शामिल हुए। फौजा को उनके बेटे हरविंदर सिंह ने मुखाग्नि दी। मुखाग्नि दिए जाने से पहले पंजाब पुलिस ने बंदूकों से सलामी दी। चौदह जुलाई को ब्यास में जालंधर-पठानकोट राजमार्ग पार करते समय एक कार की चपेट में आने से 114 वर्षीय सिंह की मृत्यु हो गई थी। कार कनाडा निवासी अमृतपाल सिंह ढिल्लों चला रहा था। राज्यपाल कटारिया ने याद किया कि पिछले साल नशा मुक्ति यात्रा के दौरान

फौजा सिंह उनके साथ चले थे। कटारिया ने बताया कि एक किलोमीटर चलने के बाद, उन्होंने फौजा सिंह को रुकने के लिए कहा, लेकिन उन्हें हैरानी हुई कि फौजा सिंह ने जिद की कि वे पैदल चलें। कटारिया ने उनके आवास पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में कहा कि फौजा सिंह सभी के लिए प्रेरणा के स्रोत थे। मान ने कहा कि फौजा सिंह ने कई मैराथन दौड़ में भाग लिया और अपनी उपलब्धियों से देश को गौरवान्वित किया। मान ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि यहां कई गणमान्य व्यक्तियों और अन्य हस्तियों की उपस्थिति से उनकी लोकप्रियता पता चलती है।

नीतीश बिहार के मुख्यमंत्री बने रह सकते हैं, लेकिन कमान छोड़ देनी चाहिए: उपेंद्र कुशवाहा

पटना : पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा ने रविवार को कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जनता दल (यूनाइटेड) की बागडोर छोड़ देनी चाहिए क्योंकि पार्टी को अपने शीर्ष नेता के बेटे निशांत से 'नयी उम्मीदें' हैं। कुशवाहा ने दो साल पहले जद(यू) से नाता तोड़ लिया था। उन्होंने अपनी नयी पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा का गठन किया है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में नीतीश के बेटे को जन्मदिन की बधाई दी। राज्यसभा सदस्य ने कहा, 'मीडिया/सोशल मीडिया से जानकारी मिली है कि आज आदरणीय बड़े भाई नीतीश कुमार जी के बेटे निशांत का जन्मदिन है। खुशी के इस अवसर पर जद(यू) की नयी उम्मीद निशांत को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं।' जद(यू) में कम से कम तीन बार अंदर-बाहर हुए कुशवाहा ने कहा, 'इस अवसर पर आदरणीय नीतीश कुमार जी से अति विनम्र आग्रह है कि समय और परिस्थिति की नजाकत को समझते हुए इस सच को स्वीकार करने की कृपा करें कि अब सरकार और पार्टी दोनों का (साथ-साथ) संचालन स्वयं उनके लिए भी उचित नहीं है।' हालांकि, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सहयोगी ने स्पष्ट किया कि वह ऐसा सुझाव नहीं दे रहे हैं कि 75 वर्षीय नीतीश, जिन्हें राजग ने आगामी विधानसभा चुनावों के लिए अपना 'चेहरा' घोषित किया है, मुख्यमंत्री पद छोड़ दें। कुशवाहा ने कहा, 'सरकार चलाने का उनका (नीतीश का) लंबा अनुभव है, जिसका लाभ राज्य को आगे भी मिले, यह फिलहाल राज्य के हित में अति आवश्यक है। लेकिन पार्टी की बागडोर के हस्तांतरण के बारे में समय रहते ठोस फैसला लेने की जरूरत है। यह केवला मेरा नहीं, बल्कि जद(यू) के हजारों कार्यकर्ताओं का विचार है।' उन्होंने कहा कि इस संबंध में निर्णय लेने में किसी भी प्रकार की देरी से पार्टी को अपूरणीय क्षति होगी। कुशवाहा ने कहा, 'मैं जो कुछ कह रहा हूं, जद(यू) के नेता शायद मुख्यमंत्री जी से कह नहीं पाएंगे और कुछ लोग यह कह भी सकते हैं, तो वैसे लोग वहां तक पहुंच ही नहीं पाते होंगे।' कुशवाहा, जो 2023 में अपने इस्तीफे तक पार्टी के संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष थे, ने आरोप लगाया था कि कुमार ने अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी लालू प्रसाद की राजद के साथ विलय के लिए एक 'सौदेबाजी' की है। एक साल बाद, नीतीश ने राजद से नाता तोड़ लिया और भाजपा के नेतृत्व वाले राजग में वापस आ गए। कुशवाहा के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए, जदयू के मुख्य प्रवक्ता और विधान पार्षद नीरज कुमार ने कहा, 'पार्टी का हर कार्यकर्ता नीतीश कुमार के साथ खड़ा है और उनके नेतृत्व पर पूरा भरोसा है।

नागरिकों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : भजनलाल शर्मा

जयपुर : राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश के कारण उत्पन्न परिस्थितियों, विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में जलजमाव और नदियों तथा बांधों के जलस्तर में हुई वृद्धि के संबंध में रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर उच्चस्तरीय समीक्षा की। प्रदेश के 36 जिलों में असामान्य और पांच जिलों में सामान्य से अधिक बारिश दर्ज की गई है। छोटे बड़े सभी बांधों की कुल भराव क्षमता लगभग 13,027 एमक्यूएम है जिसमें से 67 प्रतिशत भराव हो चुका है। उन्होंने प्रशासन को नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रभावित क्षेत्रों में सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ बचाव और राहत कार्यों के लिए निर्देशित किया। एक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने अतिवृष्टि से प्रभावित आमजन और पशुधन को सुरक्षित जगहों पर स्थानांतरित करने के लिए भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता और सेवाओं को सुचारू रखा जाए। जलभराव क्षेत्रों में

प्रभावित लोगों को पेयजल-खाद्य सामग्री सहित जरूरी वस्तुओं की कमी नहीं होनी चाहिए। साथ ही, उन्होंने क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत और विद्युत आपूर्ति सुचारू करने के लिए भी निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि क्षतिग्रस्त बांधों और नहरों की स्थिति की लगातार निगरानी करते हुए आवश्यक मरम्मत संबंधी कार्य करवाएं जाएं। बैठक में बताया गया कि संभाग मुख्यालय वाले जिलों को 20-20 लाख तथा अन्य जिलों को 10-10 लाख रुपए बाढ़ बचाव के लिये जारी किए जा चुके हैं।

अदालत ने 6 पुलिसकर्मियों की हत्या के मामले में दो माओवादियों को दिए गए मृत्युदंड पर खंडित फैसला सुनाया

रांची : झारखंड उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने 2013 में पुलिस दल पर हुए हमले के लिए दो माओवादियों को दी गई मौत की सजा के खिलाफ अपील पर सुनवाई करते हुए खंडित फैसला सुनाया। इस हमले में पाकुड़ के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अमरजीत बलिहार सहित छह पुलिसकर्मी मारे गए थे। न्यायमूर्ति रोंगोन मुखोपाध्याय दोषियों को बरी करने के पक्ष में थे, जबकि न्यायमूर्ति संजय प्रसाद ने मौत की सजा बरकरार रखी। उच्च न्यायालय प्रवीर मुर्मू उर्फ 'प्रवीर दा' और संतन बास्के उर्फ 'ताला दा' द्वारा दायर एक आपराधिक अपील पर सुनवाई कर रहा था। इस मामले की सुनवाई दुमका सत्र न्यायालय में हुई थी जिसने 26 सितंबर, 2018 को दोषियों को मौत की सजा सुनाई। इसके बाद दोषियों ने उच्च न्यायालय में अपनी-अपनी अपीलें दायर कीं। उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने 17 जुलाई को 197 पृष्ठों का फैसला सुनाया। एसपी बलिहार के नेतृत्व वाली पुलिस टीम पर दो जुलाई, 2013 को माओवादियों ने हमला किया था। माओवादियों ने दो पुलिस वाहनों पर गोलीबारी की जिसमें छह पुलिसकर्मी (राजीव कुमार शर्मा, मनोज हेम्ब्रम, चंदन कुमार थापा, अशोक कुमार श्रीवास्तव, संतोष कुमार मंडल और बलिहार) मारे गए। कांस्टेबल लेबेनियस मरांडी और धनराज मरैया, जो टीम का हिस्सा थे, इस नरसंहार में बच गए। मरांडी और मरैया ने प्रत्यक्षदर्शी के रूप में बयान दिए और दावा किया कि उन्होंने हमलावरों को प्रवीर और ताला का नाम पुकारते हुए सुना था। अभियोजन पक्ष ने दो प्रत्यक्षदर्शियों सहित 31 गवाहों से जिरह की।

गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से बिहार के कई जिलों में अलर्ट जारी

पटना : बिहार के कई जिलों में बाढ़ जैसी स्थिति को लेकर रविवार को अलर्ट जारी किया गया क्योंकि गंगा का जलस्तर बढ़ रहा है और क्षेत्र में और अधिक बारिश होने का अनुमान है। विकास आयुक्त प्रत्यय अमृत ने एक उच्च स्तरीय बैठक की और आपदा प्रबंधन विभाग (डीएमडी) की तैयारियों की समीक्षा की। डीएमडी द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है, 'गंगा नदी के जलस्तर में लगातार वृद्धि और नेपाल स्थित गंडक और कोसी नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी वर्षा के पूर्वानुमान को देखते हुए विभाग के सभी प्रकोष्ठों को अलर्ट मोड पर रहने का निर्देश दिया गया है।' इसमें कहा गया है, 'इसके अलावा, सोन नदी के जलग्रहण क्षेत्रों सहित बिहार के अधिकतर हिस्सों में भारी बारिश होने की संभावना है। ऐसे में सभी संबंधित जिलों को सतर्क रहना होगा।' डीएमडी ने कहा कि बाढ़ के खतरे की स्थिति में लोगों को लाउडस्पीकर के माध्यम

से तुरंत सूचित किया जाना चाहिए। उसने कहा कि अगर पानी इलाकों में घुस जाता है, तो लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए तुरंत कार्रवाई की जानी चाहिए। विभाग ने कहा कि साथ ही, राहत शिविर और सामुदायिक रसोई स्थापित करने के लिए पूरी तरह तैयार रहने के निर्देश भी दिए गए हैं। डीएमडी ने कहा कि जल संसाधन विभाग, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) के दलों को भी सतर्क रहने को कहा गया है। बैठक में पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, गोपालगंज, सारण, पटना, वैशाली, सहरसा, सुपौल, मधेपुरा, खगड़िया, भागलपुर, अरवल, औरंगाबाद, भोजपुर और रोहतास के जिलाधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लिया। बयान में कहा गया है कि कोसी बैराज में वर्तमान जलप्रवाह 1,10,845 क्यूसेक है, हालांकि, नेपाल में भारी बारिश जारी रहने पर यह बढ़ सकता है।' डीएमडी ने कहा कि वर्तमान में सभी तटबंध सुरक्षित हैं। बाढ़-रोधी सामग्री को संवेदनशील स्थानों पर जमा कर दिया गया है और क्षेत्रीय इंजीनियर और ठेकेदारों को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

न्यूज अपडेट

नशा मुक्त युवा बनाने के लिये अभियान का आधार बनें आध्यात्मिक संस्थाएं : मांडविया

वाराणसी : केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने रविवार को कहा कि आध्यात्मिक संस्थाओं को 'विकसित भारत के लिए नशा मुक्त युवा' बनाने में अग्रणी भूमिका निभाते हुए नशा मुक्ति अभियान का आधार बनना चाहिए। मांडविया वाराणसी में 'विकासशील भारत के लिए नशा मुक्त युवा' विषय पर आयोजित युवा आध्यात्मिक शिखर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में 'काशी घोषणापत्र' को औपचारिक रूप से अंगीकार किया गया। यहां जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, युवा मामले एवं खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में 600 से अधिक युवा नेता, 120 से अधिक आध्यात्मिक और सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों के प्रतिनिधियों, शिक्षाविदों और क्षेत्र विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। केंद्रीय मंत्री मांडविया ने इस अवसर पर कहा, भारत की आध्यात्मिक शक्ति ने हमेशा संकट के समय में भारत का मार्गदर्शन किया है। इसलिए आध्यात्मिक संस्थाओं को अब विकसित भारत के लिए नशा मुक्त युवा बनाने में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। वे इस महाअभियान का आधार बनेंगे।

बच्ची से बलात्कार के आरोप में वैन चालक गिरफ्तार

लखनऊ : राजधानी लखनऊ में पुलिस ने एक निजी स्कूल से जुड़े एक वैन चालक को चार साल की बच्ची से बलात्कार करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस आधिकारियों ने रविवार को बताया कि पुलिस ने पिछले शुक्रवार को चार साल की बच्ची से बलात्कार के मामले में स्कूल के प्रबंधक संदीप कुमार और वैन चालक आरिफ के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 65(2) (12 साल से कम उम्र की लड़की से बलात्कार), धारा 352 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना) और धारा 351(2) (आपराधिक धमकी), पॉक्सो अधिनियम और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था। उन्होंने बताया कि गत 14 जुलाई को घटित इस कथित घटना के मामले में वैन चालक आरिफ (25) को पिछले शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया। इंदिरानगर के थानाध्यक्ष सुनील कुमार तिवारी ने बताया कि चालक का अपना वाहन है और वह स्कूल के बच्चों को लाता ले जाता था। यह पूछे जाने पर कि क्या पुलिस ने स्कूल प्रशासन के खिलाफ कोई कार्रवाई की है, तिवारी ने कहा, 'शिकायतकर्ता ने अपनी शिकायत में कहा था कि उसने स्कूल प्रशासन को चालक के बारे में बताया था लेकिन उसने इस संबंध में कोई कार्रवाई नहीं की।'

उप्र आरओ/एआरओ परीक्षा: एआई व सीसीटीवी कैमरों से होगी निगरानी

लखनऊ : उत्तर प्रदेश सरकार ने उप्र लोक सेवा आयोग द्वारा 27 जुलाई को प्रस्तावित समीक्षा अधिकारी/ सहायक समीक्षा अधिकारी (आरओ/ एआरओ) परीक्षा-2023 को शुचितापूर्ण, पारदर्शी और निर्बाध तरीके से संपन्न कराने के लिए चाक चौबंद व्यवस्था की है। सरकार द्वारा रविवार को जारी बयान के अनुसार, यह परीक्षा 27 जुलाई को राज्य के सभी 75 जिलों के 2382 केंद्रों में होगी और इसमें 10.76 लाख से अधिक अभ्यर्थी शामिल हो सकते हैं। इसमें कहा गया है कि यह परीक्षा प्रातः 9:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक एक पाली में आयोजित होगी और हर जिले में जिलाधिकारी को नोडल अधिकारी बनाया गया है जो परीक्षा की संपूर्ण व्यवस्था की निगरानी करेंगे और आवश्यकतानुसार त्वरित निर्णय ले सकेंगे। बयान के मुताबिक, परीक्षा को लेकर प्रदेश सरकार की ओर से अभूतपूर्व व्यवस्था की गई है तथा परीक्षा के दौरान अनुचित साधनों का प्रयोग परीक्षा को दूषित न कर सके, इसके लिए प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल समेत कड़े सुरक्षा उपायों की पूरी व्यवस्था की गई है। इसमें कहा गया है कि इसमें एआई (कृत्रिम मेधा) के उपयोग से लेकर सीसीटीवी कैमरों के जरिए निगरानी भी शामिल है।

तकनीकी खराबी के कारण दिल्ली जाने वाली एअर इंडिया की उड़ान रद्द, रांची हवाई अड्डे पर अफरा तफरी

रांची : दिल्ली जाने वाले एअर इंडिया की उड़ान को तकनीकी खराबी के कारण रविवार को रद्द कर दिया गया जिसके बाद रांची हवाई अड्डे पर अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। यात्रियों को उड़ान के समय के पुनर्निर्धारण को लेकर एयरलाइन के कर्मचारियों से तीखी बहस करते हुए देखा गया। हवाई अड्डे के निदेशक आर आर मौर्य ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 'रांची से दिल्ली जाने वाली एअर इंडिया एक्सप्रेस उड़ान को तकनीकी खराबी के कारण रद्द कर दिया गया। विमान के उड़ान भरने से पहले इस तकनीकी गड़बड़ी का पता चला।'' उड़ान संख्या एआईएक्स 1200 को शाम छह बजे उड़ान के लिये के लिए निर्धारित किया गया था। मौर्य ने कहा कि कुछ यात्रियों को अन्य उड़ानों में समायोजित किया गया, जबकि कई अन्य लोगों ने अपने टिकट रद्द कर दिए। कुछ यात्रियों को सोमवार को यात्रा करने के लिये कहा गया है।

अवैध धर्मांतरण के खिलाफ संघीय कानून लाए केंद्र सरकार: भाजपा विधायक राजेश्वर सिंह

लखनऊ : उत्तर प्रदेश में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक राजेश्वर सिंह ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर धर्मांतरण के विषय को परिभाषित करने, अपराधियों को कड़ी सजा देने तथा पीड़ितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक धर्मांतरण रोधी कानून बनाने की मांग की है। लखनऊ की सरोजिनी नगर विधानसभा सीट से विधायक ने केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल को लिखे पत्र में कहा कि धर्मांतरण 'बढ़ता खतरा' है, जो भारत की सभ्यतागत पहचान, सामाजिक सद्भाव और राष्ट्रीय सुरक्षा के मूल पर चोट करता है। उन्होंने दावा किया कि 'जबरदस्ती, छल, प्रलोभन, बरगलाना और विवाह धोखाधड़ी' के माध्यम से 'संगठित' तौर पर अवैध धर्मांतरण किए जा रहे हैं। सिंह ने कहा, उत्तर प्रदेश में जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा के अवैध धर्मांतरण गिरोह और आगरा में आईएसआईएस से जुड़े धर्मांतरण मॉड्यूल का पर्दाफाश समेत देश के विभिन्न हिस्सों में हुई हालिया घटनाएं इन कृत्यों की भयावहता और खतरनाक इरादे को उजागर करती हैं। सिंह ने पांच पन्नों के अपने पत्र में लिखा, ये कोई एक-दो घटनाएं नहीं बल्कि ये भारत की सांस्कृतिक जड़ों और देश की बेटियों की गरिमा पर व्यवस्थित, वित्त पोषित और वैचारिक रूप से प्रेरित हमला हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के पूर्व अधिकारी और उच्चतम न्यायालय के वकील सिंह ने कहा, 'दान, विवाह या समाज सेवा की आड़ में हजारों लड़कियों को निशाना बनाया जा रहा है, उनका धर्मांतरण किया जा रहा है और उनकी तस्करी की जा रही है।

बुनियादी अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे ईंट भट्टों पर काम करने वाले प्रवासियों के बच्चे

बुलंदशहर/अलीगढ़ : उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में चिलचिलाती गर्मी में 12 वर्षीय रजनी अपनी छोटी बहन को गोद में लिए हुए झोपड़ी के बाहर काले पड़ चुके एल्युमीनियम के बर्तन में दाल उबाल रही है। जैसे ही पतली दाल तैयार होने लगती है, वह बर्तन में और पानी डाल देती है ताकि भोजन को थोड़ा और पकाया जा सके। पानी न डालने पर उसके आठ सदस्यों वाले परिवार के लिए दाल पर्याप्त नहीं होती। जब रजनी से पूछा गया कि इसका स्वाद कैसा है, तो उन्होंने रक्षात्मक लहजे में जवाब दिया, यह बुरा नहीं है... यह बिना खाए रहने से तो बेहतर है। वह कहती हैं कि फल दुर्लभ होते हैं - आमतौर पर ये तभी मिलते हैं जब कोई स्थानीय किसान बचे हुए पके फलों को फेंक देता है। रजनी ने मुस्कुराते हुए कहा, इस साल मैंने बहुत सारे आम खाए। उसका इशारा पेड़ों से गिरने वाले पके आमों की ओर था, जिन्हें टपका कहा जाता है। रजनी और उसके दोस्तों को इन आमों को इकट्ठा करने की अनुमति दी गई है। रजनी का परिवार उन हजारों प्रवासी परिवारों में से एक है जो हर साल पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विशाल ईंट भट्टों में काम करने के लिए आते हैं। इन भट्टों से कुछ कमाई तो हो जाती है, लेकिन इसके वास्तविक परिणाम रजनी जैसे बच्चों को उठाने पड़ते हैं, जो शिक्षा, पर्याप्त भोजन या स्वास्थ्य देखभाल के बिना बड़े होते हैं और पीढ़ी दर पीढ़ी गरीबी व अदृश्य श्रम चक्र में फंस जाते हैं।

न्यूज इन ब्रीफ

देहरादून सहित उत्तराखंड के छह जिलों में बारिश का 'ऑरेंज' अलर्ट

देहरादून : मौसम विभाग ने उत्तराखंड के देहरादून, टिहरी, पौड़ी, नैनीताल, चंपावत एवं उधमसिंह नगर जिलों के कुछ स्थानों पर सोमवार को भारी तथा कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश की संभावना व्यक्त करते हुए 'ऑरेंज' अलर्ट जारी किया है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र ने यहां बताया कि मौसम विभाग ने इन जिलों में कुछ स्थानों पर आकाशीय बिजली चमकने, भारी वर्षा होने तथा तेज हवाएं चलने की संभावना भी जताई है।

बारिश के कारण सड़क संपर्क टूटने के बाद 21 नागरिकों को लेह में वायुसेना अड्डे पर आश्रय दिया गया

नयी दिल्ली : लद्दाख में भारी बारिश और भूस्खलन के कारण नुब्रा घाटी जाने वाला सड़क मार्ग बाधित हो गया जिसके बाद वहां फंसी पांच महिलाओं समेत 21 नागरिकों को वायुसेना के थोईस एयर फोर्स स्टेशन में रातभर आश्रय दिया गया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। भारतीय वायुसेना की पश्चिमी वायु कमान (डब्ल्यूएसी) ने इस विषय में 'एक्स' पर जानकारी साझा की और कुछ तस्वीरें भी पोस्ट कीं जिनमें सड़क की स्थिति और आश्रय पाए नागरिकों को दिखाया गया है। डब्ल्यूएसी ने पोस्ट में लिखा, कल बारिश और भूस्खलन के कारण नुब्रा घाटी का सड़क संपर्क टूट गया था जिसके बाद थोईस एयर फोर्स स्टेशन ने फंसी हुए पांच महिलाओं समेत 21 नागरिकों को रातभर आश्रय प्रदान किया।

नशे के आदी बेटे ने 20 रुपये देने से इनकार करने पर मां की हत्या की

गुरुग्राम : हरियाणा के नूंह जिले में नशे के आदी एक शख्स ने 20 रुपये ना देने पर अपनी 56 वर्षीय मां की कथित रूप से कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना शनिवार को नूंह जिले के जयसिंहपुर गांव में हुई। उन्होंने बताया कि अपनी मां की हत्या करने के बाद जमशेद पूरी रात उसी घर में सोया। आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, बीती रात जमशेद ने अपनी मां रजिया से 20 रुपये मांगे, लेकिन उसने पैसे देने से इनकार कर दिया। इससे गुस्सा होकर उसने अपनी मां पर कुल्हाड़ी से वार कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

असीम घोष आज हरियाणा के राज्यपाल पद की शपथ लेंगे

चंडीगढ़ : हरियाणा के मनोनीत राज्यपाल असीम घोष (81) सोमवार को यहां राजभवन में आयोजित एक समारोह में पद की शपथ लेंगे। वह बंडारू दत्तात्रेय का स्थान लेंगे। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार, पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश शील नागू नए राज्यपाल को पद की शपथ दिलाएंगे। यह नियुक्ति उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से प्रभावी होगी। असीम घोष ने 14 जुलाई को कोलकाता में संवाददाताओं से कहा था, ''यह मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है और मैं पूरी ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करने की कोशिश करूंगा। मैं हरियाणा के लोगों की सेवा के लिए पूरी लगन से काम करूंगा।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई मुठभेड़

जम्मू : जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के एक जंगल में आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच रविवार को मुठभेड़ हुई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह संक्षिप्त मुठभेड़ उस वक्त शुरू हुई, जब पुलिस ने भारतीय सेना की सहायता से दच्छन और नागसेनी के बीच स्थित खानकू जंगल में आतंकवादियों की संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि छिपे हुए आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों को देखकर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद उन्होंने भी जवाबी कार्रवाई की। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच कुछ देर तक मुठभेड़ जारी रही।

वक्फ कानून की आलोचक कांग्रेस और अन्य पार्टियां मुसलमानों को वोट बैंक बनाकर रखना चाहती हैं : रीजीजू

नयी दिल्ली : अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने आरोप लगाया है कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम की आलोचना करने वाली कांग्रेस और कुछ अन्य पार्टियों का मूल उद्देश्य मुसलमानों को अपना वोट बैंक बनाकर रखना है। रीजीजू ने कहा कि मोदी सरकार ''किसी का तुष्टीकरण नहीं, सबको न्याय'' में विश्वास करती है। ऐसे में जब उच्चतम न्यायालय ने मई में वक्फ मामले में दोनों पक्षों को सुनने के बाद तीन प्रमुख मुद्दों पर अंतरिम आदेश सुरक्षित रख लिया था, रीजीजू ने कहा कि चूंकि मामला उच्चतम न्यायालय में लंबित है, इसलिए वह इस पर अभी कोई

पूर्वानुमानात्मक बयान नहीं देंगे। रीजीजू ने 'पीटीआई-वीडियो' के साथ एक साक्षात्कार में कहा, ''लेकिन एक बात हम बहुत स्पष्ट रूप से कहना चाहते हैं- संसद का काम कानून बनाना है। उच्चतम न्यायालय निश्चित रूप से उसकी सही तरीके से व्याख्या कर सकता है।'' रीजीजू ने कहा, ''हमें पूरा विश्वास है कि जो कुछ भी हमने किया है, वह कानून, संविधान के प्रावधानों और उसकी भावना के अनुरूप है। मुझे पूरा भरोसा है कि संसद की भूमिका को कोई नहीं छीन सकता।'' ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी द्वारा नये वक्फ कानून की आलोचना पर उन्होंने कहा, ''मैं ओवैसी की आलोचना नहीं करना चाहता, क्योंकि उन्होंने वक्फ (संशोधन) अधिनियम का विरोध मजबूरी में किया है।''

सौ से अधिक सांसदों ने न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ प्रस्ताव लाने के लिए नोटिस पर हस्ताक्षर किए

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने रविवार को कहा कि न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को हटाने के सिलसिले में संसद में प्रस्ताव पेश करने के लिए 100 से ज्यादा सांसदों ने पहले ही एक नोटिस पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। इसके साथ ही लोकसभा में महाभियोग प्रस्ताव पेश करने के लिए आवश्यक समर्थन हासिल हो गया है। सर्वदलीय बैठक के बाद रीजीजू ने संवाददाताओं से कहा, हस्ताक्षर प्रक्रिया जारी है। 100 से अधिक सांसद पहले ही हस्ताक्षर कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) को तय करना है कि प्रस्ताव कब पेश किया जाएगा। किसी न्यायाधीश को हटाने के प्रस्ताव पर लोकसभा में कम से कम 100 और राज्यसभा में 50 सांसदों के हस्ताक्षर होने चाहिए। यह प्रस्ताव लोकसभा में पेश किए जाने की संभावना है।इंटरपोल पारंपरिक रूप से 195 सदस्य देशों को विभिन्न उद्देश्यों के लिए आठ रंग के नोटिस जारी करता है, जो किसी देश के अनुरोध पर उन्हें सचेत करते हैं।

ओडिशा में आग से झुलसी पीड़िता को विमान से एम्स दिल्ली ले जाया गया, डीजीपी ने घटनास्थल का जायजा लिया

भुवनेश्वर : ओडिशा के पुरी जिले में तीन बदमाशों द्वारा आग के हवाले की गई 15 वर्षीय लड़की को रविवार को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भुनवेश्वर से विमान के जरिए दिल्ली ले जाया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। लड़की को दिल्ली ले जाए जाने के तुरंत बाद, ओडिशा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) वाई बी खुरानिया पुरी जिले के बलंगा इलाके में भार्गवी नदी के किनारे स्थित घटनास्थल का दौरा करने गए। खुरानिया ने बलंगा में संवाददाताओं से कहा, जांच एक संवेदनशील चरण में पहुंच गई है और हम जल्द ही घटना का ब्यौरा दे पाएंगे। विपक्षी पार्टी बीजू जनता दल (बीजद) द्वारा 48 घंटे के भीतर अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए बलंगा थाने का घेराव करने तथा भुवनेश्वर से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग को अवरुद्ध करने की चेतावनी देने के बाद डीजीपी ने घटनास्थल का दौरा किया। महिला बीजद नेता और पूर्व मंत्री तुकुनी साहू ने आरोप लगाया कि घटना के 36 घंटे बाद भी पुलिस आरोपियों के बारे में कोई सुराग नहीं लगा पाई है। इससे पहले, लड़की को एम्स भुवनेश्वर से बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक ले जाने के लिए हरित गलियारा बनाया गया और पुलिस बल की एक प्लाटून तैनात की गई थी। भुवनेश्वर के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) जगमोहन मीणा ने संवाददाताओं को बताया, ''एम्बुलेंस एम्स भुवनेश्वर से मरीज को लेकर 12 मिनट में हवाई अड्डे पहुंच गई। उसे एक विशेष मेडिकल टीम के साथ उन्नत उपकरणों से लैस एक एम्बुलेंस में ले जाया गया।'' स्वास्थ्य सेवा के संदर्भ में हरित गलियारे का मतलब प्रतिरोपण के लिए अंगों या गंभीर रूप से बीमार मरीजों को लेकर जा रही एम्बुलेंस के मार्ग से वाहनों एवं अन्य अवरोधकों को हटाना है ताकि ये एम्बुलेंस कम से कम समय में अपने गंतव्य तक पहुंच सकें।

टीआरएफ से जुड़े सोशल मीडिया हैंडल से जम्मू-कश्मीर नेता बिलाल लोन को चेतावनी जारी की

श्रीनगर : प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) से जुड़े कुख्यात सोशल मीडिया हैंडल, कश्मीर फाइट ने पूर्व अलगाववादी नेता बिलाल गनी लोन को चेतावनी जारी की है, जिन्होंने हाल ही में अलगाववादी राजनीति छोड़कर मुख्यधारा में आने की घोषणा की थी। कश्मीर फाइट ने सोशल मीडिया में पोस्ट कर कहा, ''कठपुतली बिलाल लोन का बयान उसकी असली पहचान को उजागर करता है, जिसे उसने कई वर्षों से गुप्त रूप से छुपाया हुआ था।'' 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक विशेष साक्षात्कार में लोन ने हुर्रियत कॉन्फ्रेंस की अप्रासंगिकता के लिए संगठन को ही जिम्मेदार ठहराया और अलगाववादी समूह को 'निष्क्रिय' करार दिया था। इसके साथ ही उन्होंने जम्मू-कश्मीर में 'गड़बड़ी' और 'दरार' पैदा करने के लिए पाकिस्तान की भी आलोचना की थी। लोन की शनिवार को की गयी टिप्पणी पारंपरिक अलगाववादी बयानबाजी से अलग थी। उन्होंने स्वीकार किया कि हुर्रियत और पाकिस्तान दोनों ही क्षेत्र में प्रगति लाने के अवसरों से 'चूक' गए हैं। लोन के मुख्यधारा की राजनीति में आने के पीछे प्राथमिक प्रेरणा अगली पीढ़ी है, क्योंकि उन्होंने युवा पीढ़ी से इस वास्तविकता को स्वीकार करने का आग्रह किया कि भारत बहुत बड़ी शक्ति है, जिससे लड़ना संभव नहीं है और उन्हें सलाह दी कि वे देश को राजनीतिक दलों के चश्मे से न देखें, बल्कि देश के भीतर अपने लिए जगह बनाने के लिए भारत को भारत के रूप में देखें।

'मराठी मानुष' की लड़ाई के लिए मेरा और राज का साथ आना जरूरी है: उद्धव ठाकरे

मुंबई : शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने जोर देकर कहा है कि उनका और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे का एक साथ आना जरूरी है, क्योंकि दोनों मराठी भाषा और लोगों के लिए लड़ रहे हैं। सामना के कार्यकारी संपादक और राज्यसभा सदस्य संजय राउत के साथ अपने साक्षात्कार के दूसरे और अंतिम भाग में (जो रविवार को शिवसेना (उबाठा) के मुखपत्र में प्रकाशित हुआ) राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि गठबंधन के मुद्दे पर कांग्रेस ने यह राय व्यक्त की है कि वह स्थानीय स्तर पर निर्णय लेगी। उन्होंने कहा, ''अगर ऐसा है, तो ऐसा ही होगा।'' विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) में कांग्रेस, शिवसेना

(उबाठा) और शरद पवार की राकांपा शामिल है। बृहन्मुंबई नगर निगम सहित विभिन्न स्थानीय और नगर निकायों के चुनाव इस वर्ष के अंत में होने की संभावना है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि वह मराठी भाषा, महाराष्ट्र 'धर्म' और 'मराठी मानुष' (मराठी लोगों) के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी को उनके और राज के साथ आने से दिक्कत है, तो यह उनकी अपनी समस्या है। स्थानीय निकाय चुनावों में एमवीए और गठबंधन के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''यह उनका (कांग्रेस का) मामला है। कांग्रेस के साथ चर्चा हुई थी और उनकी राय थी कि वे स्थानीय स्तर पर फैसला लेंगे। ठीक है। अगर ऐसा है, तो ऐसा ही होगा।'' उद्धव ठाकरे ने कहा कि हर पार्टी की नगर निकाय स्तर पर अपनी इकाई होती है। उन्होंने कहा, ''हम वही करेंगे, जिसे (एमवीए के) घटक दल अपने लिए राजनीतिक रूप से उचित समझेंगे।'' उद्धव ठाकरे ने हाल ही में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत द्वारा संघ विचारक स्वर्गीय मोरोपंत पिंगले की 75 वर्ष की उम्र में पद छोड़ने संबंधी बयान का उल्लेख करने पर भी प्रतिक्रिया दी।

संसद सत्र से पहले धनखड़ ने राजनीतिक दलों के बीच सौहार्दपूर्ण माहौल का आह्वान किया

नयी दिल्ली : संसद के मानसून सत्र की पूर्व संध्या पर रविवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सार्थक और गंभीर चर्चा के लिए राजनीतिक दलों के बीच सौहार्दपूर्ण माहौल का आह्वान किया और सांसदों से अनुचित शब्दों का प्रयोग करने से बचने की अपील की। राज्यसभा के सभापति धनखड़ ने कहा कि सुधार के लिए सुझाव देना निंदा या आलोचना नहीं है तथा पार्टियों को रचनात्मक राजनीति करनी चाहिए। यहां राज्यसभा 'इंटर्न' के एक समूह को संबोधित करते हुए उन्होंने टेलीविजन परिचर्चाओं में तीखी नोकझोंक होने का जिक्र किया और कहा, ''हम इस तरह की चीजों से आजिज आ गए हैं।'' धनखड़ ने आश्चर्य जताते हुए कहा, ''हमारे बीच मतभेद हो सकते हैं, असहमतियां हो सकती हैं, लेकिन हमारे दिलों में कड़वाहट कैसे हो सकती है?'' उन्होंने कहा, ''मैं राजनीति के क्षेत्र के सभी लोगों से अपील करता हूं, कृपया एक-दूसरे का सम्मान करें। कृपया टेलीविजन पर या किसी भी पार्टी के नेतृत्व के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग न करें। यह हमारी सभ्यता का सार नहीं है।''

गृह मंत्री अमित शाह ने हिमाचल प्रदेश में प्राकृतिक आपदाओं पर विशेष टीम गठित करने का आदेश दिया

नयी दिल्ली : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हिमाचल प्रदेश में प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती आवृत्ति और तीव्रता के मद्देनजर स्थिति का आकलन करने के लिए एक केंद्रीय टीम के गठन का निर्देश दिया है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि शाह की अध्यक्षता में हाल में हुई एक बैठक में यह बात सामने आई कि हिमाचल प्रदेश में बादल फटने, अचानक बाढ़, भूस्खलन और मूसलाधार बारिश की आवृत्ति एवं तीव्रता में वृद्धि हुई है, जिससे राज्य में बड़े पैमाने पर जान-माल की हानि, बुनियादी ढांचे और आजीविका को नुकसान हुआ है। इसमें कहा गया है कि शाह ने स्थिति का आकलन करने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआई) रुड़की, भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) पुणे और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) इंदौर के विशेषज्ञों की एक बहु-क्षेत्रीय केंद्रीय टीम के गठन का आदेश दिया। विज्ञप्ति में कहा गया कि इस वर्ष हिमाचल प्रदेश के विभिन्न भागों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन के मद्देनजर केंद्र सरकार ने राज्य के ज्ञापन की प्रतीक्षा किए बिना ही, क्षति का मौके पर जाकर प्रत्यक्ष आकलन करने के लिए पहले ही एक अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय दल (आईएमसीटी) को तैनात कर दिया है।

त्रिपुरा में अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों का पता लगाने के लिए कार्यबल का गठन: मुख्यमंत्री साहा

अगरतला : त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार ने पूर्वोत्तर राज्य में अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों का पता लगाने के लिए एक विशेष कार्यबल का गठन किया है। उनकी यह टिप्पणी टिपरा मोथा पार्टी (टीएमपी) प्रमुख प्रद्योत किशोर माणिक्य देबबर्मा द्वारा पश्चिम त्रिपुरा जिला पुलिस द्वारा राज्य में रह रहे अवैध प्रवासियों का पता लगाने और उन्हें उनके मूल देश भेजने के लिए एक विशेष कार्यबल के गठन का खुलासा करने के एक दिन बाद आई है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''केंद्र ने पहले ही पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान के उन लोगों को स्वीकार करने का फैसला

कर लिया है, जिन्होंने धार्मिक उत्पीड़न के कारण 2014 से पहले भारत में शरण ली थी।'' वह नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 का जिक्र कर रहे थे, जो 31 दिसंबर 2014 से पहले भारत आए पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान के गैर-मुस्लिम प्रवासियों -- हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई -- को भारतीय राष्ट्रीयता प्रदान करने का मार्ग प्रशस्त करता है।

दिल्ली में बच्चों को गैर-हिंदी भाषाएं सिखाने की संभावनाएं तलाशेंगे : मुख्यमंत्री गुप्ता

नयी दिल्ली : दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आपसी समझ और सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए अन्य राज्यों के छात्रों के साथ एक कार्यक्रम शुरू करने का प्रस्ताव रखा। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि इस पहल पर हाल में कला, संस्कृति एवं भाषा विभाग के साथ हुई बैठक में चर्चा की गई। बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में बच्चों को गैर-हिंदी भाषाएं सिखाने की संभावनाएं तलाशने के प्रयास किए जाएंगे, जिससे उन्हें अन्य राज्यों की सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान को समझने में मदद मिलेगी। गुप्ता ने कहा कि इस

तरह की पहल से देश की विविधता में एकता को काफी मजबूती मिलेगी। अधिकारियों को राजधानी में भारतीय भाषाओं के प्रचार-प्रसार के लिए एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश भी दिया गया।

थरूर को रुख में बदलाव आने तक कांग्रेस के कार्यक्रमों में आमंत्रित नहीं किया जाएगा: के मुरलीधरन

तिरुवनंतपुरम : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के. मुरलीधरन ने रविवार को पार्टी सहयोगी शशि थरूर पर फिर से निशाना साधते हुए कहा कि जब तक वह राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर अपना रुख नहीं बदलते, तब तक उन्हें राज्य की राजधानी में किसी भी पार्टी कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं किया जाएगा। मुरलीधरन ने कहा कि कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) के सदस्य थरूर को अब 'हम में से एक' नहीं माना जाता। उन्होंने कहा कि पार्टी का राष्ट्रीय नेतृत्व तय करेगा कि कांग्रेस सांसद के खिलाफ किस कार्रवाई की जरूरत है। मुरलीधरन ने कहा, ''जब तक वह (थरूर) अपना रुख नहीं बदलते, हम उन्हें तिरुवनंतपुरम में आयोजित होने वाले किसी भी पार्टी कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं करेंगे। वह हमारे साथ नहीं हैं, इसलिए उनके किसी कार्यक्रम का बहिष्कार करने का सवाल ही नहीं उठता।'' वह पत्रकारों द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर थरूर के अपने रुख पर अड़े रहने के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। उनकी यह प्रतिक्रिया थरूर के उस बयान के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि राष्ट्र सर्वोपरि है और पार्टियां देश को बेहतर बनाने का माध्यम हैं। कांग्रेस सांसद ने यह भी कहा था कि देश और उसकी सीमाओं पर हाल ही में जो कुछ हुआ, उसके संबंध में सशस्त्र बलों और केंद्र सरकार का समर्थन करने के उनके रुख के कारण बहुत से लोग उनकी कड़ी आलोचना कर रहे हैं। उन्होंने शनिवार को कोच्चि में एक कार्यक्रम में कहा था, ''लेकिन मैं अपनी बात पर अड़ा रहूंगा, क्योंकि मेरा मानना है कि यह देश के लिए सही है।''

फिल्म 'डॉन' के निर्देशक चंद्र बरोट का निधन, फिल्म जगत ने शोक जताया

मुंबई : बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन द्वारा अभिनीत एवं 1978 में रिलीज हुई 'डॉन' फिल्म के निर्देशक चंद्र बरोट का रविवार को मुंबई के एक अस्पताल में दिल का दौरा पड़ने के कारण निधन हो गया। वह 86 वर्ष के थे। बरोट के परिवार ने यह जानकारी दी। बरोट के निधन की घोषणा के बाद, अमिताभ बच्चन समेत बॉलीवुड की कई हस्तियों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। बच्चन ने फिल्म निर्माता को अपना ''बेहद प्रिय मित्र'' बताया। बच्चन ने अपने ब्लॉग पर लिखा, ''एक और दुखद क्षण... मेरे प्रिय मित्र और डॉन के निर्देशक

चंद्रा बरोट का आज सुबह निधन हो गया। इस क्षति को शब्दों में बयां करना मुश्किल है। हमने साथ काम किया था, लेकिन वह इससे बढ़कर एक पारिवारिक मित्र थे... मैं केवल प्रार्थना कर सकता हूं।''

दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय ठगी गिरोह का भंडाफोड़, दो नाइजीरियाई समेत छह लोग गिरफ्तार

नयी दिल्ली : दिल्ली पुलिस ने दिल्ली-एनसीआर में सक्रिय एक अंतरराष्ट्रीय ठगी गिरोह का भंडाफोड़ करने का दावा किया और इस सिलसिले में दो नाइजीरियाई नागरिकों सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी फर्जी लॉटरी, उपहारों और इनामी योजनाओं के जरिए भारतीय नागरिकों से ठगी कर रहे थे। कई सालों से सक्रिय यह गिरोह पीड़ितों को फर्जी तरीके से खोले गए बैंक खातों में बड़ी रकम भेजने का लालच देता था। आरोपियों की पहचान शाहिद रज़ा (45), शाहरुख खान

(23), विकास (25) और राकेश उर्फ लालू (22) के रूप में हुई है। ये चारों लोग लोग नाइजीरियाई नागरिक शेड्रैक ओनायनोर (29) और संडे जॉन उर्फ लिबर्टी (40) के साथ मिलकर ठगी करते थे। पुलिस उपायुक्त (अपराध शाखा) विक्रम सिंह ने बताया कि सात जुलाई को सूचना मिली थी कि दिल्ली से संचालित ठगों का एक समूह ऑनलाइन लॉटरी और उपहार योजनाओं के माध्यम से लोगों के साथ ठगी कर रहा है, जिसके बाद इस गिरोह का भंडाफोड़ किया गया। डीसीपी ने कहा, ''रज़ा को दिल्ली के पंजाबी बाग से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से 3.63 लाख रुपये नकद, नौ एटीएम कार्ड और एक मोबाइल फोन मिला, जिसमें आपत्तिजनक जानकारी थी। उससे पूछताछ में नाइजीरियाई मूल के भारतीय और विदेशी नागरिकों से जुड़े एक नेटवर्क का पता चला।''

मेरा साक्षात्कार 21 मार्च 1977 को हुआ था, जिस दिन आपातकाल हटाया गया था : जयशंकर

नयी दिल्ली : विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को सिविल सेवा में अपने प्रवेश को याद करते हुए कहा कि दिल्ली में उनका यूपीएससी साक्षात्कार 21 मार्च, 1977 को हुआ था - जिस दिन आपातकाल हटाया गया था। जयशंकर ने यहां एक कार्यक्रम में कहा, (1977) चुनाव के नतीजे एक दिन पहले से आ रहे थे...आपातकालीन शासन की हार का एहसास साफ दिख रहा था। एक तरह से, इसी चीज ने मुझे साक्षात्कार में सफलता दिलाई। पुरानी यादों को ताजा करते हुए, उस समय 22 साल के रहे जयशंकर ने कहा कि वे साक्षात्कार से दो महत्वपूर्ण बातें लेकर लौटे - दबाव

में संचार का महत्व और यह कि महत्वपूर्ण लोग एक दायरे से बाहर नहीं देख रहे थे। सिविल सेवा में प्रवेश पाने वाले नए बैच के लोगों को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री ने यूपीएससी परीक्षा को अग्नि परीक्षा के समान बताया और कहा कि सेवाओं के लिए उम्मीदवारों का चयन करने के लिए यह दुनिया की एक बहुत ही अनोखी परीक्षा प्रणाली है। जयशंकर ने कहा कि असली चुनौती साक्षात्कार है और उन्होंने 48 साल पहले हुए अपने यूपीएससी साक्षात्कार का उदाहरण दिया। अब 70 साल के हो चुके जयशंकर याद करते हैं, मेरा साक्षात्कार 21 मार्च, 1977 को था। उसी दिन आपातकाल हटा लिया गया था। तो, मैं शाहजहां रोड पर साक्षात्कार के लिए गया... उस सुबह सबसे पहले पहुंचने वाला मैं था। लगभग एक महीने पहले, मोदी सरकार ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए आपातकाल की 50 वीं बरसी मनाई थी, जिसके तहत देश भर में कार्यक्रम आयोजित किए गए थे, ताकि उस घटना को याद किया जा सके जिसे उसके नेताओं ने भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय करार दिया था। देश में 21 महीने का आपातकाल 25 जून 1975 को लगाया गया था और 21 मार्च 1977 को हटा लिया गया था।

राज्य का दर्जा हमारा अधिकार है, 'हाइब्रिड' प्रणाली स्वीकार्य नहीं: उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर : मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रविवार को जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बिना किसी देरी के बहाल करने की जोरदार अपील की और संकेत दिया कि इस संबंध में सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस कानूनी विकल्पों सहित सभी रास्ते तलाश रही है। केंद्र शासित प्रदेश में नेशनल कॉन्फ्रेंस के सत्ता में आने के लगभग दस महीने बाद अब्दुल्ला ने कहा कि राज्य का दर्जा लोगों का मौलिक अधिकार है। उन्होंने कहा, केंद्र ने संसद और सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष इसका वादा किया था। अब्दुल्ला ने सरकार की हाइब्रिड प्रणाली की बात को खारिज कर दिया जिसके तहत राज्य का दर्जा बहाल होने के बाद भी कानून-

व्यवस्था केंद्र के पास रहेगी और कहा कि ऐसी बातें उन लोगों की ओर से आ रही हैं जिन्होंने पिछले साल के विधानसभा चुनाव होने पर संदेह जताया था। विधानसभा चुनावों में 64 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने भाग लिया था। अब्दुल्ला ने 'पीटीआई-भाषा' को दिये एक साक्षात्कार में कहा, बहरहाल, यह स्पष्ट रूप से आदर्श स्थिति नहीं है। बार-बार किए गए वादों, संसद में जतायी गई प्रतिबद्धताओं और उच्चतम न्यायालय में दिये गये आश्वासनों के बावजूद, यह मामला अभी तक सुलझ नहीं पाया है। और हम ऐसी कोई चीज नहीं मांग रहे जो हमारा हक नहीं है। राज्य का दर्जा हमारा अधिकार है, इसका वादा लोगों से किया गया था। उन्होंने कहा, तो, हम कोई नई या असामान्य मांग नहीं कर रहे हैं। यह कोई ऐसी बात नहीं है जो सार्वजनिक चर्चा का हिस्सा न रही हो। लेकिन, केंद्र सरकार में जिनके पास सत्ता है, उन्हें ही बेहतर पता है कि अब तक ऐसा क्यों नहीं हुआ। फिर भी, हम लगातार दबाव बना रहे हैं।

भारत ने हांगकांग को हराकर ग्रुप डी में शीर्ष स्थान हासिल किया, अंतिम आठ में जापान से होगी भिड़ंत

सोलो (इंडोनेशिया) : भारत ने रविवार को यहां बैडमिंटन एशिया जूनियर मिश्रित टीम चैंपियनशिप में हांगकांग चीन को 110-100 से हराकर अपना विजय अभियान जारी रखा और ग्रुप डी में शीर्ष स्थान हासिल किया। भारत और हांगकांग दोनों इस मैच से पहले ही नॉक-आउट चरण में अपनी जगह पक्की कर चुके थे। रुजुला रामू ने आईपी सुम याउ को 11-8 से हराकर एक बार फिर भारत को जीत से शुरुआत कराई। इसके बाद भार्गव राम अरिगेला और विश्व तेज गोब्बुरू की दुनिया की छठे नंबर की युगल जोड़ी ने चेउंग साई शिंग और देंग ची फाई के खिलाफ बढ़त 22-13 कर दी। हांगकांग के लाम का तो ने 13 अंक बनाकर अपनी टीम को अंतर कम करने में मदद की लेकिन रौनक चौहान भारत को 33 अंक तक ले गए। पांच मैचों के बाद दोनों टीमों के बीच 55-49 के स्कोर से छह अंक का अंतर था। फिर जूनियर विश्व नंबर एक खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने दूसरे बालिका एकल में लियू होई किउ अन्ना पर दबदबा बनाते हुए 66-54 से बढ़त बनाकर भारत को एक बार फिर बढ़त दिला दी। हालांकि अगले चार मैच बराबरी के रहे, पर भारत ने बढ़त बनाए रखी और ग्रुप में शीर्ष पर रहते हुए सोमवार को होने वाले क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई जिसमें उसका सामना जापान से होगा। जापान ग्रुप ए में थाईलैंड के बाद दूसरे स्थान पर रहा। भारत ने मिश्रित टीम स्पर्धा में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2011 में किया था जिसमें उसने कांस्य पदक जीता था।

ईसीबी अगले तीन डब्ल्यूटीसी चरण के फाइनल्स की मेजबानी करेगा

सिंगापुर : अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने शनिवार को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के अगले तीन चरणों की मेजबानी के अधिकार इंग्लैंड को सौंप दिए। वैश्विक संस्था ने रविवार को यहां संपन्न अपने वार्षिक सम्मेलन में यह फैसला किया। दो साल के चक्र पूरे होने के बाद 2027, 2029 और 2031 में होने वाले तीन डब्ल्यूटीसी फाइनल संभवतः जून में आयोजित किए जाएंगे जो इंग्लैंड में क्रिकेट सत्र का समय होता है। इंग्लैंड एंव वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) पहले ही साउथम्प्टन में 2021 के फाइनल (भारत बनाम न्यूज़ीलैंड), लंदन के ओवल में 2023 के फाइनल मुकाबले (भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया) और लॉर्ड्स में 2025 के फाइनल (दक्षिण अफ्रीका बनाम ऑस्ट्रेलिया) की मेजबानी कर चुका है। आईसीसी ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड को अगले तीन विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की मेजबानी का अधिकार दिया गया है। डब्ल्यूटीसी फाइनल के पहले तीन चरण इंग्लैंड के अलग-अलग स्थानों पर आयोजित किए गए थे जिनमें से हाल का फाइनल पिछले महीने दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच लॉर्ड्स में आयोजित किया गया था।' डब्ल्यूटीसी चक्र का कार्यक्रम इस प्रकार है कि जून में इंग्लैंड में मौसम की बाधा सबसे कम होती है। ऑस्ट्रेलिया का क्रिकेट सत्र अक्टूबर से मार्च तक चलता है। ईसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रिचर्ड गोल्ड ने कहा, 'हमें बेहद खुशी है कि इंग्लैंड एवं वेल्स को अगले तीन आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की मेजबानी के लिए चुना गया है।' उन्होंने कहा, 'इन फाइनल्स की मेजबानी करना सम्मान की बात है और हम पिछले चरणों की सफलता को आगे बढ़ाने के लिए आईसीसी के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं।'भारत की बात करें तो स्टेडियम में दर्शकों के लिहाज से टेस्ट क्रिकेट सबसे लोकप्रिय प्रारूप नहीं है और अगर भारत फाइनल नहीं खेलता है तो शीर्ष क्रिकेट खेलने वाले देशों के फाइनल मैच खेलने पर भी दर्शकों की संख्या नगण्य ही रहेगी।

न्यूज अपडेट

श्रीशंकर ने पुर्तगाल में लंबी कूद का खिताब जीता

नयी दिल्ली : भारत के स्टार लांग जंपर मुरली श्रीशंकर ने पुर्तगाल के माइया में विश्व एथलेटिक्स उपमहाद्वीपीय टूर के कांस्य स्तर के टूर्नामेंट मीटिंग माइया सिडाडे डो डेसपोर्टो में 7.75 मीटर की कूद लगाकर खिताब जीत लिया। एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता श्रीशंकर ने शनिवार की रात को दूसरे दौर में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया। उन्होंने 7.63 मीटर की कूद के साथ शुरूआत की और दूसरे दौर में 7.75 मीटर की कूद लगाई। तीसरी कूद में उन्होंने 7.69 मीटर का फासला नापा।अगला प्रयास फाउल रहा और इसके बाद 6.12 और 7.58 मीटर की कूद लगाई। पोलैंड के पियोत्र तारकोवस्की ने भी 7.75 मीटर की कूद लगाई लेकिन उनका दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रयास 7.58 मीटर था जो श्रीशंकर के 7.69 मीटर से कम था। विश्व एथलेटिक्स के नियमों के अनुसार अगर दो खिलाड़ियों में टाई होता है तो दूसरी वैध कूद को टाइब्रेकर माना जाता है। घुटने के आपरेशन के कारण लंबे समय खेल से दूर रहे श्रीशंकर ने इस महीने की शुरूआत में इंडियन ओपन एथलेटिक्स मीट के जरिये वापसी की है। उनकी नजरें सितंबर में तोक्यो में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप के लिये क्वालीफाई करने पर लगी है जिसके लिये स्वत: क्वालीफिकेशन मार्क 8.27 मीटर है।

विश्व 6-रेड स्नूकर में पांच भारतीय क्यू खिलाड़ियों ने नॉकआउट में जगह पक्की की

मनामा (बहरीन) : भारतीय क्यू खिलाड़ियों के लिए रविवार को अच्छा दिन रहा क्योंकि पांच ने आईबीएसएफ विश्व 6-रेड स्नूकर चैंपियनशिप में नॉकआउट में जगह पक्की कर ली। मौजूदा चैंपियन कमल चावला, मनन चंद्रा, बृजेश दमानी, पारस गुप्ता और पंकज आडवाणी ने अपने-अपने ग्रुप में दो-दो जीत दर्ज कीं। राष्ट्रीय चैंपियन गुप्ता और तीन बार के विश्व चैंपियन आडवाणी ने आसानी से अपने मुकाबले जीत लिए। पिछले महीने एशियाई प्रतियोगिता में उपविजेता रहे गुप्ता ने ग्रुप के में अपने दोनों मैचों में 4-1 के समान अंतर से जीत दर्ज की। आडवाणी को इस प्रतियोगिता में वाइल्डकार्ड मिला था। उन्होंने भी ग्रुप एम में अहमद अबुल (कुवैत) और अयमान आलमरी (सऊदी अरब) पर 4-1 से जीत दर्ज की। चावला, चंद्रा और दमानी ने भी अपने-अपने ग्रुप में लगातार दूसरी जीत हासिल करते हुए प्रभावशाली प्रदर्शन किया। अंडर-21 वर्ग में भारत के मयूर गर्ग और शाहयान रजमी ने दो-दो जीत के साथ नॉकआउट में अपनी जगह पक्की की।

आकाश दीप, अर्शदीप के कवर के तौर पर तेज गेंदबाज कम्बोज भारतीय टीम में

मैनचेस्टर : इंग्लैंड के खिलाफ 23 जुलाई से शुरू हो रहे चौथे टेस्ट के लिये फिट होने की कोशिशों में जुटे आकाश दीप और अर्शदीप सिंह के कवर के तौर पर तेज गेंदबाज अंशुल कम्बोज को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। ग्रोइन की चोट से जूझ रहे आकाश दीप ने दूसरा और तीसरा टेस्ट खेला था जबकि अर्शदीप इस श्रृंखला में अभी तक नहीं खेल सके हैं। आकाश दीप की उपलब्धता पर कोई स्पष्टता नहीं है जबकि अर्शदीप का मैनचेस्टर टेस्ट में खेलना मुश्किल ही लग रहा है जिसकी वजह से चयनकर्ताओं ने कम्बोज को बुलाया। अर्शदीप को नेट सत्र के दौरान साइ सुदर्शन का एक शॉट बचाते समय बायें हाथ में चोट लगी थी। सहायक कोच रियान टेन डोइशे ने कहा था, 'हम मैनचेस्टर टेस्ट पास आने पर टीम संयोजन के बारे में फैसला लेंगे, खासकर अर्शदीप की स्थिति को ध्यान में रखते हुए।' उन्होंने कहा था, 'उसे कट लगा है लेकिन देखना है कि यह कितना गहरा है। मेडिकल टीम उसे डॉक्टर के पास ले गई है और देखना है कि उसे टांके आते हैं या नहीं।' कम्बोज ने टेस्ट श्रृंखला से पहले इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो मैचों में भारत ए के लिये अच्छा प्रदर्शन किया।

तैराक श्रीहरि नटराज ने 100 मीटर फ्रीस्टाइल में सर्वश्रेष्ठ भारतीय समय बेहतर किया

बर्लिन : तैराक श्रीहरि नटराज ने रविवार को विश्व विश्वविद्यालय खेलों में पुरुषों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में 'सर्वश्रेष्ठ भारतीय समय' बेहतर करते हुए 49.46 सेकेंड का समय निकाला और सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया। नटराज ने ग्वांग्झू एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता वीरधवल खाड़े के 2008 में बनाये गये 49.47 सेकेंड के समय से बेहतर प्रदर्शन किया। नटराज ने हीट नंबर 6 रेस जीती और कुल मिलाकर 12वें स्थान पर रहते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई। शुक्रवार को नटराज ने 200 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में दो बार अपने ही 'सर्वश्रेष्ठ भारतीय समय' को बेहतर किया था। तैराकी में राष्ट्रीय रिकॉर्ड समय केवल राष्ट्रीय तैराकी चैंपियनशिप में ही बनाए जाते हैं। अन्य प्रतियोगिताओं में बनाए गए समय को 'सर्वश्रेष्ठ भारतीय समय' या 'सर्वश्रेष्ठ भारतीय प्रदर्शन' माना जाता है।

भारतीय खिलाड़ियों के बहिष्कार के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच लीजेंड्स मैच रद्द

बर्मिंघम : शिखर धवन सहित कई भारतीय खिलाड़ियों के खेलने से इनकार के बाद 'वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स' में भारत-पाकिस्तान के बीच मैच रद्द कर दिया गया है। भारतीय खिलाड़ियों ने अप्रैल में जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के विरोध में इस मैच में शामिल होने से इनकार किया था। इस टूर्नामेंट का दूसरा संस्करण 18 जून को एजबेस्टन में शुरू हुआ था और इसका फाइनल मुकाबला दो अगस्त को खेला जाएगा। 'इंडिया लीजेंड्स' की कप्तानी युवराज सिंह कर रहे हैं और टीम में हरभजन सिंह, इरफान पठान, सुरेश रैना, रॉबिन उथप्पा और वरुण एरॉन जैसे दिग्गज खिलाड़ी शामिल हैं। डब्ल्यूसीएल के आयोजकों ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए मैच रद्द करने के फैसले की जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि इस मुकाबले का उद्देश्य भारत-पाकिस्तान के बीच फिर से कुछ 'सुखद यादें' बनाना था। बयान में कहा गया, जब हमें पता चला कि इस वर्ष पाकिस्तान की हॉकी टीम भारत आ रही है और हाल ही में दोनों देशों के बीच वॉलीबॉल जैसे अन्य खेल आयोजनों में भागीदारी हो रही है, तो हमने भी सोचा कि डब्ल्यूसीएल में भारत-पाकिस्तान मैच कराया जाए, जिससे दुनियाभर के प्रशंसकों को कुछ आनंददायक पल मिल सकें। लेकिन लगता है कि इस निर्णय से कुछ लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। बयान में कहा गया, 'इसलिए हमने भारत-पाकिस्तान मैच रद्द करने का फैसला किया है। हम उन सभी से माफी मांगते हैं जिनकी भावनाएं इस फैसले से आहत हुई हैं और उम्मीद करते हैं कि लोग यह समझेंगे कि हम बस प्रशंसकों के लिए कुछ खुशी के पल लाना चाहते थे।' भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने भी 'एक्स' पर एक बयान साझा किया जिसमें उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ मैच में हिस्सा न लेने की बात कही।

भारतीय क्रिकेट टीम मैनचेस्टर यूनाइटेड के फुटबॉलरों से मिली

मैनचेस्टर : भारतीय क्रिकेट टीम ने रविवार को दुनिया के मशहूर फुटबॉल क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाड़ियों से मुलाकात करने के साथ जर्सी का आदान-प्रदान किया और कुछ हल्की फुल्की 'ड्रिल्स' (अभ्यास) के दौरान बातचीत की। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने 'मैनचेस्टर में यूनाइटेड' शीर्षक के साथ इस मुलाकात की कई तस्वीरें साझा कीं जिनमें शुभमन गिल और ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ी कैरिंगटन स्थित क्लब के ट्रेनिंग मैदान में उनके साथ फुटबॉल खेलते हुए दिखाई दे रहे हैं। एडिडास द्वारा साझा की गई एक तस्वीर में भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को स्टार डिफेंडर हैरी मैगुइरे को गेंदबाजी करते हुए देखा जा सकता है। भारतीय क्रिकेट टीम 23 जुलाई से इंग्लैंड के खिलाफ चौथा टेस्ट खेलने के लिए मैनचेस्टर में है। लीड्स और लंदन में जीत के बाद इंग्लैंड पांच मैचों की श्रृंखला में 2-1 से आगे है जबकि भारत बर्मिंघम में विजयी रहा है। मैनचेस्टर यूनाईटेड के मुख्य कोच रूबेन अमोरिम और इस प्रसिद्ध क्लब के मुरीद भारतीय क्रिकेट टीम के गौतम गंभीर की एक साथ तस्वीरें भी वायरल हो गई हैं।

शहरी गैस कंपनियों पर कसा शिकंजा, पाइप वाली रसोई गैस की होगी एक समान कीमत

नयी दिल्ली : पेट्रोलियम क्षेत्र के नियामक पीएनजीआरबी ने शहरी गैस खुदरा विक्रेताओं को आदेश दिया है कि वे खाना पकाने के लिए घरों में पाइप से आने वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) के लिए एक समान कीमत वसूलें, चाहे खपत का स्तर कुछ भी हो। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि एक निश्चित उपयोग सीमा से अधिक उपयोग पर अधिक कीमत वसूलने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाया जा सके। सरकार, शहरी गैस खुदरा विक्रेताओं को बाजार मूल्य से कम कीमत पर प्राकृतिक गैस आवंटित करती है, जिसे एपीएम गैस कहा जाता है। यह गैस घरों में पाइप से आने वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) के रूप में बिक्री के लिए उपलब्ध होती है। चूंकि सरकार यह आवंटन बाजार मूल्य से कम पर करती है, इसलिए उम्मीद की जाती है कि शहरी गैस खुदरा विक्रेता इसका लाभ उपयोगकर्ताओं को देंगे। घरेलू रसोई के लिए इस्तेमाल होने वाली गैस की कीमत बाजार मूल्य से कम होती है, जबकि होटल जैसे व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को आपूर्ति की जाने वाली गैस की कीमत बाजार मूल्य पर होनी चाहिए। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) ने एक नोटिस में कहा कि यह पाया गया है कि 'कुछ शहरी गैस वितरण (सीजीडी) कंपनियां पीएनजी के घरेलू उपभोक्ताओं के लिए बढ़ती हुई मूल्य निर्धारण संरचना लागू कर रही हैं, जहां खपत पूर्वनिर्धारित सीमा से अधिक होने पर प्राकृतिक गैस की प्रति इकाई (मानक घन मीटर) कीमत बढ़ जाती है।

देश में वित्तीय संकट से जूझ रही है प्राकृतिक रूप से रंगीन कपास की खेती

नयी दिल्ली : भारत में प्राकृतिक रूप से रंगीन कपास की खेती वैश्विक मांग और दशकों से चल रहे सरकारी शोध प्रयासों के बावजूद मुश्किल दौर से गुजर रही है। यह व्यवसाय 1940 के दशक में तेजी से बढ़ रहा था। हालांकि, इस समय यह विशेष फसल कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में केवल 200 एकड़ में उगाई जाती है। इसकी कीमत 240 रुपये प्रति किलोग्राम है, जो सामान्य कपास (160 रुपये प्रति किलोग्राम) से 50 प्रतिशत अधिक है। किसान कम पैदावार के कारण रंगीन कपास की खेती करने से हिचकिचा रहे हैं। आईसीएआर-केंद्रीय कपास प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (सीआईआरसीओटी) के प्रमुख वैज्ञानिक अशोक कुमार ने पीटीआई-भाषा को बताया, 'हल्के भूरे रंग के कपास की उत्पादकता बहुत कम यानी 1.5-2 क्विंटल प्रति एकड़ है, जबकि सामान्य कपास की उत्पादकता 6-7 क्विंटल प्रति एकड़ है। इसलिए किसान इस फसल की अधिक खेती नहीं करते हैं।' कृषि वैज्ञानिक इस समय हल्के भूरे रंग के कपास पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। भारत में रंगीन कपास की खेती 2500 ईसा पूर्व से हो रही है। इसमें लाल, खाकी और भूरी किस्में शामिल थीं। हरित क्रांति के दौरान उच्च उपज देने वाली सफेद कपास की किस्मों पर जोर देने से रंगीन कपास हाशिये पर चला गया। रंगीन कपास के पर्यावरणीय लाभ महत्वपूर्ण हैं। पारंपरिक कपास रंगाई में प्रति मीटर कपड़े के लिए लगभग 150 लीटर पानी की आवश्यकता होती है, जबकि प्राकृतिक रूप से रंगीन कपास इस जरूरत को खत्म कर देता है। साथ ही विषाक्त अपशिष्ट निपटान लागत में 50 प्रतिशत तक की कमी आ सकती है। कुमार ने कहा, 'प्राकृतिक रूप से रंगीन कपास में निर्यात की अपार संभावनाएं हैं। उत्पादन और मूल्यवर्धन बढ़ाने के लिए और अधिक सरकारी सहायता की जरूरत है।'

पहली छमाही में 24 कंपनियों ने आईपीओ से 45 प्रतिशत अधिक 45,000 करोड़ रुपये की राशि जुटाई

नयी दिल्ली : वैश्विक व्यापार अड़चनों, भू-राजनीतिक संघर्ष और व्यापक आर्थिक चिंताओं के बावजूद 2025 की पहली छमाही (जनवरी-जून) में कंपनियों ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये 45,350 करोड़ रुपये जुटाए हैं। यह एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 45 प्रतिशत अधिक है। हालांकि, समीक्षाधीन अवधि के दौरान आईपीओ की संख्या घटकर 24 रह गई, जो 2024 की जनवरी-जून अवधि में 36 थी। इससे पता चलता है कि आईपीओ के औसत आकार में वृद्धि हुई है। विशेषज्ञों का कहना है कि आगे चलकर घरेलू निवेश के मजबूत प्रवाह, सकारात्मक निवेशक धारणा और मजबूत वृद्धि की संभावना के कारण 2025 की दूसरी छमाही में आईपीओ बाजार के सतर्क रूप से मजबूत बने रहने की उम्मीद है। मर्चेंट बैंकर द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, जनवरी-जून के दौरान 24 कंपनियों ने आईपीओ के जरिये 45,351 करोड़ रुपये जुटाए हैं, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 36 कंपनियों ने 31,281 करोड़ रुपये जुटाए थे। जेएम फाइनेंशियल इंस्टिट्यूशनल सिक्योरिटीज की प्रबंध निदेशक और प्रमुख इक्विटी कैपिटल मार्केट्स नेहा अग्रवाल ने कहा, 'साल की पहली छमाही में वैश्विक व्यापार तनाव, भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और व्यापक आर्थिक चुनौतियों के कारण बाजार की धारणा प्रभावित हुई। इन चिंताओं के बावजूद, कंपनियों ने इस अवधि के दौरान आईपीओ के माध्यम से 45,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जुटाई है।' इस गति को बढ़ाते हुए 2025 की पहली छमाही में भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास कुल 118 कंपनियों ने आईपीओ के लिए शुरुआती दस्तावेज दाखिल किए हैं। यह 2024 की इसी अवधि के 52 के आंकड़े से अधिक हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार, विजन इंडिया ने कुशल युवाओं को उद्योग से जोड़ने के लिए किया समझौते का नवीनीकरण

नयी दिल्ली : उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य के आईटीआई प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर प्रदान करने के लिए कौशल विकास और परामर्श सेवाओं से जुड़ी कंपनी विजन इंडिया सर्विसेज प्राइवेट लि. के साथ रणनीतिक सहयोग का तीन साल के लिए नवीनीकरण किया है। कार्यबल समाधान प्रदाता विजन इंडिया ने रविवार को जारी बयान में कहा कि समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर उत्तर प्रदेश सरकार के प्रशिक्षण निदेशालय में निदेशक अभिषेक सिंह और विजन इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विवेक कुमार ने लखनऊ में हस्ताक्षर किए। तीन साल का यह समझौता ज्ञापन विजन इंडिया और प्रशिक्षण विभाग के बीच समन्वय को सुगम बनाएगा। इसका मकसद छात्र पंजीकरण,डिजिटल प्रशिक्षण और संस्थागत समन्वय के माध्यम से युवाओं को उद्योगों में रोजगार के विभिन्न अवसरों से जोड़ना है। बयान के अनुसार, इस सहयोग का केंद्र विजन इंडिया द्वारा संचालित नौकरी पोर्टल जस्टजॉब है, जो औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) और डिप्लोमा अभ्यर्थियों के लिए नौकरियों के बारे में सूचना प्रदान करता है। यह पोर्टल विशेष रूप से कुशल युवाओं को उद्योग की मांग के अनुरूप वास्तविक समय में उपयुक्त अवसर से जोड़ने के लिए तैयार किया गया है।

विकेन्द्रित सौर ऊर्जा में राजस्थान बन रहा देश का प्रमुख केंद्र

जयपुर : राजस्थान विकेंद्रीकृत सौर ऊर्जा के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी बनकर उभरा है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पिछले एक साल में ही पीएम-कुसुम योजना के तहत 1,190 मेगावाट क्षमता जोड़ी गई है। एक बयान के अनुसार, राजस्थान में अब तक 1,305 मेगावाट की संयुक्त क्षमता वाले कुल 684 विकेंद्रीकृत सौर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं, जिनमें से 592 संयंत्र (1,190 मेगावाट) पिछले 12 महीनों में स्थापित किए गए हैं। बयान में कहा गया कि यह संयंत्र उद्योगपतियों अथवा बड़े वाणिज्यिक समूहों द्वारा नहीं बल्कि खुद किसानों द्वारा या किसी डेवलपर के साथ मिलकर खेत के समीप अपनी गैर-कृषि योग्य भूमि पर लगाए जा रहे हैं। इन सौर संयंत्रों के माध्यम से किसान अब ऊर्जादाता भी बन रहे हैं और प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में उद्यमिता के नए युग की शुरुआत हुई है। ये संयंत्र ग्रिड सबस्टेशन के पांच किलोमीटर के भीतर स्थापित किए जाते हैं और ताप विद्युत की तुलना में काफी कम दर यानी 2.09 रुपये से तीन रुपये प्रति यूनिट पर बिजली प्रदान करते हैं। इस योजना को अब स्वच्छ ऊर्जा और ग्रामीण आजीविका के लिए एक दोहरे समाधान के रूप में देखा जा रहा है, जहां किसान बिजली उत्पादक बन रहे हैं, वहीं बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) को कम लागत और कम नुकसान वाले वितरण का लाभ मिल रहा है।

कोल्डप्ले कॉन्सर्ट के वीडियो पर विवाद के बाद प्रौद्योगिकी कंपनी एस्ट्रोनॉमर के सीईओ का इस्तीफा

वाशिंगटन: संगीत बैंड कोल्डप्ले के कार्यक्रम में एक कर्मचारी को गले लगाते समय का अपना वीडियो प्रसारित होने के बाद सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी एस्ट्रोनॉमर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ने इस्तीफा दे दिया है। कंपनी ने शनिवार को पेशेवरों के सोशल मीडिया मंच 'लिंक्डइन' पर एक बयान में कहा कि एंडी बायरन ने सिनसिनाटी स्थित एस्ट्रोनॉमर इंक के सीईओ पद से इस्तीफा दे दिया है। कंपनी ने पोस्ट में कहा, एस्ट्रोनॉमर उन मूल्यों और संस्कृति के प्रति प्रतिबद्ध है जो हमारी स्थापना के समय से ही हमारा मार्गदर्शन करते रहे हैं। हमारे नेतृत्वकर्ताओं से आचरण और जवाबदेही, दोनों के मानक स्थापित करने की अपेक्षा की जाती है, और हाल ही में, उस मानक को पूरा नहीं किया गया।

नए आयकर विधेयक पर संसदीय समिति की रिपोर्ट सोमवार को लोकसभा में पेश होगी

नयी दिल्ली : नए आयकर विधेयक-2025 की समीक्षा के लिए गठित संसदीय समिति की रिपोर्ट सोमवार को लोकसभा में पेश की जाएगी। यह छह दशक पुराने आयकर अधिनियम का स्थान लेगा। भाजपा नेता बैजयंत पांडा की अध्यक्षता वाली 31 सदस्यीय प्रवर समिति को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने नए आयकर विधेयक, 2025 की समीक्षा के लिए नियुक्त किया था। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 13 फरवरी को इसे लोकसभा में पेश किया था। समिति ने 285 सुझाव दिए हैं और 16 जुलाई को अपनी बैठक में नए आयकर विधेयक-2025 पर रिपोर्ट को अपनाया है। इसे अब आगे की कार्रवाई के लिए सदन में पेश किया जाएगा। सरलीकृत आयकर विधेयक, जो 1961 के आयकर अधिनियम के आकार का आधा है, मुकदमेबाजी और नई व्याख्या के दायरे को कम करके कर निश्चितता प्राप्त करने का प्रयास करता है।

सेबी ने जून में 'स्कोर्स' पोर्टल पर लगभग 4,500 शिकायतों का समाधान किया

नयी दिल्ली : भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने जून में अपने ऑनलाइन शिकायत निवारण मंच 'स्कोर्स' के माध्यम से 4,415 शिकायतों का निपटारा किया है। सेबी ने शुक्रवार को एक सार्वजनिक सूचना में कहा कि उसे जून में 4,959 नई शिकायतें प्राप्त हुईं और जून के अंत तक कुल 5,107 शिकायतें अनसुलझी रहीं। यह 31 मई तक लंबित 4,563 शिकायतों से थोड़ी अधिक है। नियामक ने बताया कि जून में संस्थाओं द्वारा कार्रवाई रिपोर्ट (एटीआर) जमा करने में लिया गया औसत समाधान समय आठ दिन था, जबकि प्रथम स्तरीय समीक्षा के तहत शिकायतों के लिए लिया गया औसत समय चार दिन था। स्कोर्स (सेबी शिकायत निवारण प्रणाली) एक ऑनलाइन मंच है जो निवेशकों को सूचीबद्ध कंपनियों और पंजीकृत मध्यस्थों के खिलाफ शिकायत दर्ज करने और उन पर नज़र रखने में सुविधा प्रदान करता है। स्कोर्स 2.0 प्रणाली के तहत, शिकायतें स्वचालित रूप से संबंधित संस्थाओं को भेज दी जाती हैं, जिन्हें 21 दिनों के भीतर जवाब देना होता है। अगर कोई निवेशक संतुष्ट नहीं है, तो उसके पास प्रथम स्तरीय समीक्षा के लिए 15 दिन का समय होता है।

वर्ष 10, पूर्णांक 3303 अंक 113, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in